बिहार शिक्षा परियोजना

मुजफ्फरपुर

एक परिचय

जून-1994

अनुक्रमणिका

1. मुजफ्फरपुर जिले का मानचित्र।
2. मुजफ्फरपुर जिला एक झलक।
3. प्राथमिक शिक्षा।
4. मुजफ्फरपुर जिला एक दृष्टि - आँकड़ों के दर्पण में।
5. प्रबन्ध संरचना।
6. लक्ष्य एवं उपलब्धि 1992-93/93-94 (विवरणी संलग्न)
7. प्रोत्साहन - प्रेरणाएँ।
8. नामांकन स्थिति 1991 - 92 - 93
9. नामांकित बच्चों की प्रतिधारण दर।
10. जिले की प्रमुख समस्याएँ।
11. ग्राम शिक्षा समिति - गठन - कार्य ।
12. एम0एल0एल0 कार्यक्रम।
13. गुणवत्ता सुधार हेतु नवाचार।
14. सबलताएँ एवं दुर्बलताएँ।
15. वातावरण निर्माण हेतु उठाये गये कदम।
16. शिक्षा विभाग एवं अन्य विकास विभागों के साथ अभिसरण।
17. जिले की योजना प्रक्रिया।
18. कार्यकलाप का अन्तर्विभागीय अभिसरण।
19. उपलब्धियों में न्यूनता का कारण।
20. जिले की विशिष्ट उपलब्धियाँ।
21. जिले में चिन्ता का क्षेत्र।
22. परियोजना कार्यान्वयन में संलग्न कर्मियों की सूची।
23. समग्र दृष्टि।
24. उपलब्धियों के संबंध में कुछ ग्राफ - संलग्न।
25. प्रकाशन।
26. व्यय - पूर्ण परिव्यय एवं व्यय - विवरण संलग्न।
27. बिहार शिक्षा परियोजना का प्रभाव।
28. बिहार शिक्षा परियोजना एवं सरकारी विभागों के बीच भिन्नता।
29. प्रशिक्षण - पृष्ठभूमि एवं प्रशिक्षण की रणनीति।
30. अनौपचारिक शिक्षा - कार्य एवं विवरण।
31. अनौपचारिक शिक्षा वर्ष 93-94 - लक्ष्य एवं उपलब्धि।
32. महिला समाख्या - वर्तमान स्थिति।
33. महिला समाख्या - लक्ष्य एवं उपलब्धियाँ।
34. संस्कृति एवं संचार - पृष्ठभूमि एवं वर्तमान स्थिति।

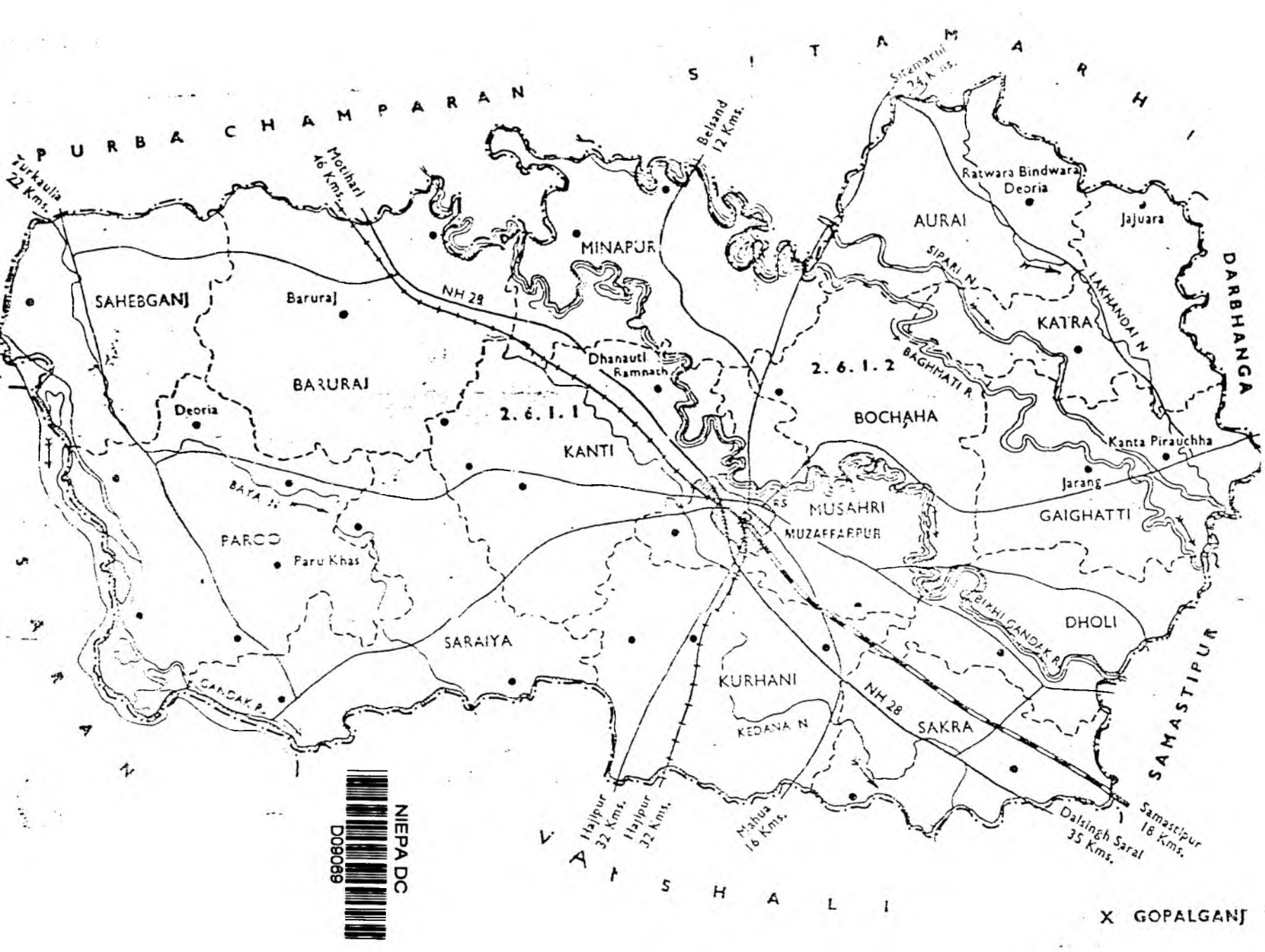

NIEPA DC
D08069

372
LH-A

LIBRARY & DOCUMENTATION CENTRE
National Institute of Educational
Planning and Administration.
17-B, Sri Aurobindo Marg,
New Delhi-110016
DOC, No D-9069
Date 12-03-96

मुजफ्फरपुर गंगा के उत्तरी भाग में अवस्थित उत्तर बिहार का एक प्रमुख जिला है। नदियों के किनारे आवास निर्माण की प्रवृत्ति के कारण इस क्षेत्र का नाम तीरभुक्ति पड़ा जिसके फलस्वरूप यह क्षेत्र तिरहुत के नाम से प्रसिद्ध हुआ। मुजफ्फरपुर तिरहुत प्रमण्डल का मुख्यालय अधिष्ठान भी है।

1875 में मुजफ्फरपुर जिला का आविर्भाव हुआ। इसका मुख्यालय अधिष्ठान मुजफ्फरपुर है। आजादी के बाद मुजफ्फरपुर जिले से कटकर दो नये जिले सीतामढ़ी एवं वैशाली का निर्माण हुआ। इस जिले से होकर दो प्रमुख नदियाँ बूढ़ी गंडक एवं बागमती बहती हैं। इन नदियों की निमीधिका के कारण बरसात के दिनों में इस जिले के उत्तरी हिस्से में जलप्लावन का दृश्य उपस्थित हो जाता है।

जिला मुख्यालय मुजफ्फरपुर में नगर निगम कार्यरत है। जिला दो अनुमण्डलों में विभाजित है :- पूर्वी एवं पश्चिमी मुजफ्फरपुर। जिले में 341 पंचायतें, 14 प्रखंड, 1729 ग्राम एवं 7290 टोले हैं। जनशून्य ग्रामों की संख्या 100 है।

जनसंख्या निरूपण :- 10 वर्षीय आबादी वृद्धि दर 1981 - 91 के अनुसार 25.99 प्रतिशत है। इसके पूर्व के दशक में यह वृद्धि दर 23.48 प्रतिशत थी। पिछले 10 वर्षों में जनसंख्या वृद्धि दर में 2.5 प्रतिशत की बढ़त हुई है, जबकि पूरे राज्य की वृद्धि दर 2.4 प्रतिशत है। शिक्षा का अभाव एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के कारण 1981 में स्त्री-पुरुष अनुपात 963 प्रति 1000 से घटकर 1991 में 906 महिला / प्रति हजार पुरुष हो गया है।

कृषि आधारित जीवन प्रणाली :- मुजफ्फरपुर जिले की 92 % आबादी खेती पर निर्भर है। यहाँ की मुख्य फसलें धान, गेहूँ, मकई, खेसारी, मूँग, अरहर, सरसों आदि हैं। नगदी फसल के रूप में यहाँ ईख और तम्बाकू की पैदावार होती है।

मुजफ्फरपुर एक ओर जहाँ सुस्वादु लीची के लिए प्रसिद्ध है वहाँ दूसरी ओर यहाँ केले एवं आम के बगीचे भी बहुतायत से हैं।

जिले में कृषक एवं कृषि मजदूरों की जनसंख्या अधिक होने के कारण शिक्षा के विकास में अनुकूल वृद्धि नहीं हुई है। अशिक्षा विशेषकर तकनीकी शिक्षा के अभाव में कृषि पर आधारित उद्योग धन्धों का विकास यहाँ नहीं हुआ है। विश्व प्रसिद्ध मुजफ्फरपुर की शाही लीची के लिए सारी प्राकृतिक सुविधाएं उपलब्ध होने के बावजूद इसके उत्पादन में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो रही है और शाही लीची पर आधारित उत्पाद उद्योगों का भी समुचित विकास नहीं हो रहा है।

प्राथमिक शिक्षा

विश्व बैंक के एक दस्तावेज के अनुसार किसी भी राष्ट्र के बच्चे ही उसके सबसे महत्वपूर्ण संसाधन होते हैं। अगले कुछ दशकों में सभी राष्ट्रों की समृद्धि एवं जीवन की गुणवत्ता आज के बच्चों से निर्धारित होगी। बच्चों के सामने जो समस्यायें हैं, उनके परिवारों के सामने, उनके समुदायों के सामने और उनके राष्ट्रों के सामने जो भी समस्यायें हैं उनके समाधान की क्षमता पर ही राष्ट्रों का भविष्य निर्भर करता है। इस क्षमता का विकास शिक्षा के माध्यम से ही होता है, अतः बच्चों की पढ़ाई-लिखाई पर राष्ट्रीय संसाधनों का जो निवेश होता है वही किसी भी राष्ट्र के सुनहले भविष्य के निर्माण हेतु सबसे महत्वपूर्ण अंशदान है।

प्राथमिक शिक्षा के द्वारा अनेक महत्वपूर्ण उद्देश्यों की पूर्ति होती है। अतः सबसे पहले छात्रों की मौलिक संज्ञानात्मक कुशलताओं के विकास पर हमारा ध्यान जाना चाहिए। दूसरे बच्चों की उन अभिवृत्तियों एवं कौशलों के विकास पर हमारा ध्यान जाना चाहिए जिनसे वे समाज में प्रभावी ढंग से काम कर सकते हों। तीसरा महत्वपूर्ण मुद्दा राष्ट्र निर्माण की भावना को आगे बढ़ाना है। इन तीन मुद्दों एवं महत्वपूर्ण उद्देश्यों की दृष्टि से बच्चों के विकास के मार्ग में आनेवाली समस्याओं एवं बाधाओं को दूर करने हेतु बिहार शिक्षा परियोजना एक नई पहल है।

शिक्षा आर्थिक एवं सामाजिक विकास की आधारशिला है और प्राथमिक शिक्षा इसकी नींव का पत्थर। शिक्षा से समाज की उत्पादक क्षमता में विकास के साथ-साथ राजनैतिक, आर्थिक एवं वैज्ञानिक संस्थानों के विकास में भी वृद्धि होती है। शिक्षा से ही जनसंख्या पर रोक के साथ स्वास्थ्य एवं पोषण में विकास होता है तथा श्रमिकों की निपुणता में वृद्धि होती है। पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था में तकनीकी विकास के साथ उत्पादन के नये तरीकों की पहचान की जा रही है जिसमें प्रशिक्षित एवं शिक्षित श्रम-शक्ति की आवश्यकता से इन्कार नहीं किया जा सकता है। इस दृष्टि से शिक्षा का महत्व और बढ़ जाता है। प्राथमिक शिक्षा के मुख्य दो उद्देश्य हैं---

§1§ आबादी को साक्षर बनाना ताकि घर में और कार्यक्षेत्र में जो समस्यायें आये उनसे वे आसानी से निबट सकें और अगली पीढ़ी के लिए शिक्षा सुदृढ़ आधार तैयार कर सकें। शिक्षा से जुड़ी इन समस्याओं के निदान के लिए प्राथमिक शिक्षा में विद्यालय स्तर पर बच्चों की पढ़ाई को प्राथमिकता प्रदान की जा रही है, ताकि सभी बच्चे प्राथमिक स्तर की योग्यता हासिल कर सकें ।

§2§ सभी बच्चों के लिए विद्यालय स्तर तक की पहुँच को सुनिश्चित करना। ये दोनों लक्ष्य महत्वपूर्ण हैं पर विद्यालय में बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित किये बिना इस लक्ष्य को प्राप्त करना संभव नहीं है। हमें हर कोशिश करनी है कि 6-14 आयुवर्ग के सभी बच्चों के लिए औपचारिक अथवा अनौपचारिक विधि से पठन-पाठन की व्यवस्था उपलब्ध हो।

विकास में शिक्षा का अभिदान

विकसित देशों का इतिहास इस बात का साक्षी है कि जहाँ प्राथमिक शिक्षा का दरवाजा सभी बच्चों के लिए खोल दिया गया है वहाँ आर्थिक एवं सामाजिक विकास की गति तीव्र हुई है फलतः गरीबी में ह्रास हुआ है। ज्यों-ज्यों विकासशील देशों में बच्चों तथा प्रौढ़ों के शैक्षिक स्तर में वृद्धि होती है त्यों-त्यों उनके रोजगार में तथा उनके व्यक्तिगत आमदनी में वृद्धि होती है साथ-साथ कृषि उत्पादकता, स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में भी वृद्धि होती है और जनसंख्या विस्फोट में कमी आती है। यह आम अनुभव की बात है कि जिन व्यक्तियों का शिक्षा स्तर निम्न है उनसे उनलोगों का दृष्टिकोण अधिक आधुनिक है जिनका शिक्षा स्तर अधिक ऊँचा है। शिक्षा स्तर में विकास होने पर माँ-बाप बच्चों को विद्यालय भेजने में अधिक तत्परता दिखाते हैं। प्राथमिक शिक्षा से राष्ट्रीय एकता एवं सामाजिक सद्भाव का लक्ष्य प्राप्त होता है। पढ़े-लिखे समाज में बचत करने की आदत भी विकसित होती है।

महिला शिक्षा

महिला शिक्षा से ही बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर का विकास होता है, और बाल मृत्यु दर में भी कमी आती है। पढ़ी-लिखी माताओं के बच्चे अधिक स्वस्थ और अधिक दीर्घजीवी होते हैं।

बिहार शिक्षा परियोजना, मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर जिला — एक दृष्टि

(1) क्षेत्रफल- 3172 वर्ग किलोमीटर ।

(i) ग्रामीण-3156.4 वर्ग किलोमीटर ।

(ii) शहरी - 15.6 वर्ग किलोमीटर ।

(2) जनसंख्या (जनगणना-1991) - 29,53,903

—जनसंख्या का विभाजन —

सामान्य	अनु0जाति	अनु0जनजाति	पुरुष	महिला
2503990	448836	1277	1545690	1400881

(3) जनसंख्या का घनत्व- 928.9 प्रति वर्ग किलोमीटर ।

1. जनसंख्या वृद्धि दर (1981-1991) जनगणना के अनुसार- 25.99%
2. लिंग भेद के अनुसार स्त्री पुरुष अनुपात- 912
   (1991 की जनगणना के आधार पर)
3. अनु0जा0 की आबादी का अनुपात- 15.6%
4. बालपंजी के अनुसार 6-14 आयुवर्ग के शिशुओं की संख्या-4,80,567
5. साक्षरता दर - पुरुष-48% , स्त्री- 22%
6. प्रखण्डों की संख्या - 15, पंचायतें-341.
7. आबाद ग्रामों की संख्या-1712, टोले-7290.

परियोजना के आरम्भ में शैक्षिक परिदृश्य

(4) 1. विद्यालयों की संख्या- प्राथमिक-1540, मध्य-438.
2. भवनहीन विद्यालय (प्राथमिक/मध्य) 389
3. नामांकन (दिसम्बर, 1991)- बालक-1,54,279, बालिका-71,572 कुल-225851.
4. 6-14 आयुवर्ग के शिशु-4,80,567.
5. विद्यालय जानेवाले छात्रों की संख्या- 2,54,716
6. स्कूल नहीं जानेवाले बच्चों की संख्या-3,88,052
7. अनौपचारिक केन्द्रों की संख्या-
8. अनौपचारिक केन्द्रों पर जानेवाले बच्चों की सं0- बच्चा- बच्ची-
9. जिले में कार्यरत शिक्षकों की संख्या- पुरुष- 4022/3741 महिला 3760/3391
10. एक शिक्षकीय विद्यालयों की संख्या-139.

(5) शैक्षिक स्थिति (30-4-94)

1. विद्यालयों की संख्या (प्राथमिक/मध्य) - प्राथमिक-1540, मध्य-438
2. इसके अतिरिक्त 142 मुक्तद्वार उप विद्यालयों की स्थापना की गई।
2. भवनहीन विद्यालयों की संख्या- 100.
3. नामांकन स्थिति-(31-3-94) - 3,91,234
4. शिशुओं की संख्या (6-14आयुवर्ग) - 4,86,019
5. विद्यालय जानेवाले छात्रों की संख्या-3,91,234
6. स्कूल नहीं जानेवाले बच्चों की संख्या-94,785
7. अनौपचारिक केन्द्रों की संख्या-337.
8. अनौपचारिक केन्द्रों पर जानेवाले छात्रों की सं0-बालक-सामान्य-4,012
   बालिका-सामान्य-1712
   बालक-अनु0जाति -1964
   बालिका-अनु0जाति-862

प्रबन्ध संरचना

प्रखण्ड स्तर पर बिहार शिक्षा परियोजना से संबंधित सभी प्रकार के कार्यकलाप के संचालन की देखभाल एवं अनुश्रवण करने हेतु प्रत्येक प्रखण्ड मुख्यालय में एक प्रखण्ड सलाहकार समिति का गठन किया गया है जिसमें प्रखण्ड विकास पदाधिकारी के अतिरिक्त स्थानीय विधायक, पार्षद, प्रखण्ड प्रमुख एवं विकास से संबंधित प्रखण्ड स्तरीय सभी विभागीय पर्यवेक्षी पदाधिकारी सलाह एवं मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु रखे गये हैं। प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी समिति के सदस्य सचिव मनोनीत किए गए हैं। प्रखण्ड स्तर से जो भी योजनाएं जिला स्तर पर अनुमोदन हेतु भेजी जाती हैं, पहले प्रखण्ड सलाहकार समिति में विचार विमर्श कर समिति की सहमति ले ली जाती है। जिला स्तर से अनुमोदन के पश्चात कार्यान्वयन हेतु योजनाएं प्रखण्ड में भेजी जाती हैं। कार्यान्वयन के दौरान प्रखण्ड सलाहकार समिति इन योजनाओं की देखभाल करती है।

जिला स्तर पर कम्पोनेन्ट प्रभारी के अधीन एक-एक स्टीयरिंग समिति कार्यरत है। जिला स्तर पर सभी योजनाएं एवं सभी कार्यक्रम स्टीयरिंग समूह के समक्ष विचारार्थ रखे जाते हैं। स्टीयरिंग ग्रुप द्वारा कार्यक्रमों एवं योजनाओं पर विस्तार पूर्वक विचार किया जाता है। इस ग्रुप की अनुशंसा जिला कार्य दस्ते को भेजी जाती है।

जिला कार्य दस्ता :- परियोजना में गठित औपचारिक प्राथमिक शिक्षा, अनौपचारिक प्राथमिक शिक्षा, महिला समाख्या, संस्कृति संचार एवं पूर्व बालपन की देखभाल नामक अलग-अलग कम्पोनेन्ट हैं। इन सभी प्रभागों से प्राप्त अनुशंसाओं पर विचार करने हेतु जिला परियोजना स्तर पर जिला कार्य दस्ते का गठन किया गया है। जिला कार्य दस्ते में सभी प्रभागों के प्रभारी पदाधिकारी सहित प्राथमिक स्तरीय शिक्षक संघों के प्रतिनिधि भाग लेते हैं। जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य भी जिला कार्य दस्ते के सदस्य हैं। इस दस्ते की नियमित रूप से साप्ताहिक बैठकें जिला कार्यक्रम समन्वयक की अध्यक्षता में हुआ करती है। जिला पदाधिकारी सह अध्यक्ष भी जिला कार्य दस्ते की बैठक में सम्मिलित होकर दिशानिर्देश प्रदान करते हैं।

जिला कार्यकारिणी समिति

जिला परियोजना स्तर पर जिला कार्यकारिणी सर्वोच्च समिति है जो जिला स्तर पर कार्यान्वित होनेवाले सभी कार्यक्रमों के संबंध में निर्णय लेती है। जिला स्तरीय वार्षिक कार्ययोजना, जिला कार्यकारिणी समिति द्वारा अनुमोदित होकर राज्य कार्यकारिणी समिति के विचारार्थ प्रस्तुत की जाती है। राज्य स्तरीय कार्यकारिणी समिति द्वारा पारित वार्षिक कार्य योजना जिला स्तर पर कार्यान्वयन हेतु प्राप्त होती है।

जिला क्रय समिति

जिला स्तर पर प्रत्येक घटक द्वारा विभिन्न सामग्रियों के क्रय हेतु प्रस्ताव आते हैं। जिला क्रय समिति में सभी प्रस्तावों पर विचार किया जाता है निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं और निविदादाताओं से वार्ता कर प्रस्तावित क्रय की सामग्री एवं उपकरणों के नमूनों एवं न्यूनतम दरों की स्वीकृति दी जाती है। क्रय समिति जिला कार्यक्रम समन्वयक की अध्यक्षता में बैठकें करती है। लेखा पदाधिकारी, राज्य स्तरीय कार्यालय के प्रतिनिधि एवं जिला पदाधिकारी द्वारा नामित प्रतिनिधि के अतिरिक्त क्रय से संबंधित प्रभागों के प्रभारी पदाधिकारी जिला क्रय समिति की बैठक में भाग लेते हैं।

7. हस्तक्षेप के लिए प्राथमिकताएँ

प्राथमिकताओं के निर्धारण हेतु निकष एवं आधार :- अप्रिल 1992 में मुजफ्फरपुर जिले में प्राथमिक शिक्षा का सूत्रपात हुआ। उस समय शिक्षा जगत में विशेषकर प्राथमिक शिक्षा क्षेत्र में भारी अस्त व्यस्तता एवं अराजकता व्याप्त थी। कई समस्याएँ अपनी जटिलताओं के साथ समाधान हेतु मुँह बाए खड़ी थी। भौतिक संरचनाओं पर दृष्टि डालने से जिले में भवनहीन विद्यालयों की संख्या अधिक थी। जिन विद्यालयों को भवन उपलब्ध थे उनके पास भी आवश्यक उपकरण जैसे ब्लैकबोर्ड, श्यामपट्ट, घण्टी आदि की नितांत कमी थी। विद्यालयों में छात्रों की संख्या के अनुपात में शिक्षक उपलब्ध नहीं थे। शिक्षकों को पुराने ढंग से प्रशिक्षित किया जाता था जिसके फलस्वरूप शिक्षकों के दृष्टिकोण में अपेक्षित सुधार नहीं हो पा रहा था।

महिलाओं के बीच अशिक्षा सघन रूप से व्याप्त थी। लड़कियों की शिक्षा की अनिवार्यता के महत्व से महिला और पुरुष दोनों उदासीन थे। इतनी सारी समस्याओं से एक साथ जूझना संभव नहीं था। अतः प्राथमिकताओं के निर्धारण की आवश्यकता महसूस की गई। इस दृष्टि से प्राथमिकताओं का निर्धारण निम्न सिद्धान्तों के आधार पर किया गया :-

विषय क्षेत्र	निकष एवं आधार
1. वातावरण निर्माण	जन सभाओं, शिक्षा रैलियों, नुक्कड़ नाटकों आदि के आयोजनों द्वारा लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अनुकूल वातावरण का निर्माण किया गया।
2. भवनहीन विद्यालयों में भवन, शौचालय एवं चापाकल निर्माण।	व्यापक नामांकन अभियान, विशेषकर लड़कियों एवं अभिवंचित वर्ग के बच्चों को शिक्षा के मुख्य धारा से जोड़ने हेतु विद्यालयों में भौतिक सुविधाएँ जुटाना अत्यावश्यक।
3. लड़कियों एवं अभिवंचित वर्ग के बच्चों के लिए शिक्षण किट की आपूर्ति।	नामांकित बच्चों के ठहराव हेतु उन्हें शिक्षण किट देना आवश्यक समझा गया है।

4. खेल सामग्री, पुस्तकालय एवं शैक्षिक उपकरणों की आपूर्ति।	नामांकित बच्चों में उपलब्धि एवं संप्राप्ति हेतु इन उपकरणों की आवश्यकता महसूस की गई।
5. एम0एल0एल0 कार्यक्रम ।	बच्चों में प्राथमिक शिक्षा का सर्वव्यापीकरण न्यूनतम अधिगम की संप्राप्ति हेतु एक नई पहल।
6. महिला समूहों का गठन	महिलाओं की आत्मछवि को सुधारने एवं उनमें आत्मविश्वास पैदा करने हेतु उन्हें संगठित कर आत्मअभिव्यक्ति का अवसर प्रदा करना आवश्यक है।
7. शोजनग्रस्त एवं कामकाजी बच्चोंके लिए अनौपधारिक केन्द्रों का गठन।	जो बच्चे औपचारिक विद्यालयों में नामांकित होने के बाद भी अपनी पढ़ाई जारी नहीं र सके और ऐसे बच्चे जो अपने परिवार के काम काज में हाथ बंटाते हैं या कहीं दूसरी जगह नियोजित हैं उनके लिए शिक्षा का द्वार खोलने हेतु वैकल्पिक विधा के रूप में अनौप-चारिक केन्द्रों की स्थापना एक अनिवार्यता।

लक्ष्य एवं उपलब्धि- 1992-93 एवं 93-94:- विवरणी संलग्न।

प्रोत्साहन - प्रेरणाएँ

व्यापक नामांकन अभियान के अन्तर्गत बड़ी संख्या में लड़कियाँ एवं अभिवंचित वर्ग के बच्चे विद्यालयों में प्रवेश पा रहे हैं। इसके पीछे वातावरण निर्माण के क्रम में शैक्षिक गोष्ठियाँ, नुक्कड़ नाटक, बालसभाएं आयोजित एवं कला जत्थों के प्रदर्शन हो रहे हैं। बच्चों में रिटेन्शन प्राप्त करने हेतु एक ओर जहाँ बच्चे-बच्चियों को शिक्षण किट एवं शैक्षिक उपकरण दिए जा रहे हैं वहाँ दूसरी ओर बाल मेलों, चित्रांकन एवं निबंध लेखन प्रतियो-गिताओं में उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया जा रहा है। शिक्षकों के अभिप्रेरण हेतु विद्यालय के रखरखाव एवं उत्तम शिक्षण को दृष्टि से उत्कृष्ट कार्य के लिए शिक्षक पुरस्कार योजना भी लागू की गई है। शिक्षकगण पुरस्कार योजना में शामिल होने के लिए विद्यालय सौन्दर्यीकरण एवं पठन-पाठन में नवाचार का प्रयोग कर रहे हैं।

परियोजना में कार्यरत कर्मियों को उनके द्वारा सम्पादित कार्य की विशिष्टता की दृष्टि से उन्हें प्रतिमाह परियोजना भत्ता दिया जाता है।

सामुदायिक भागीदारी के लिए ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों तथा शिक्षकों को अध्ययन भ्रमण पर भेजा जाता है।

§10§ नामांकन स्थिति 1991-92-93 वर्गवार एवं श्रेणीवार

दिनांक-31-12-91

लिंग	सामान्य	अनुजाति	कुल
लड़की	63,328	8,244	71,572
लड़का	1,31,287	22,992	1,54,279
योग-	1,94,615	31,236	2,25,851

दिनांक-31-12-92

लिंग	सामान्य	अनुजाति	कुल
लड़की	98,713	20,192	1,18,905
लड़का	1,82,086	42,024	2,24,110
योग-	2,80,799	62,216	3,43,015

दिनांक-31-12-93

लिंग	सामान्य	अनुजाति	कुल
लड़की	1,12,702	24,326	1,37,005
लड़का	2,01,516	49,387	2,50,927
योग-	3,14,218	73,713	3,87,931

11. नामांकित बच्चों की प्रतिधारण दर

1991	–	45%	सामान्य एवं अनुसूचित जाति के सम्मिलित आँकड़े।
1992	–	55%	
1993	–	60%	
1994	–	63%	

अनुसूचित जाति :-

1991	–	25%
1992	–	35%
1993	–	42%
1994	–	48%

12. जिले की प्रमुख समस्यायें :- छात्र शिक्षक 1:40 अनुपात के आधार पर 1994 में छात्र संख्या 3,91,234 है जिसके लिए 8000 से अधिक आवश्यकता हो जाती है। इस आवश्यकता के विरुद्ध जिले में मात्र 7000 शिक्षक उपलब्ध हैं। शिक्षकों का स्वीकृत बल 7,671 है। निश्चय ही शिक्षक इकाइयों में वृद्धि की आवश्यकता है।

आगामी वर्षों में जनसंख्या वृद्धि 2.4% को ध्यान में रखते हुए सबके लिए शिक्षा के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु अनौपचारिक केन्द्रों की संख्या में वृद्धि करनी होगी साथ ही निजी विद्यालयों को भी सशक्त करना होगा। निजी विद्यालयों में नामांकित छात्रों की संख्या 40-45 हजार है।

अभी भी जिले में 100 भवनहीन प्राथमिक विद्यालय हैं तथा उससे अधिक शौचालय एवं वाटरकूल विहीन विद्यालय हैं। अभी भी बड़ी संख्या में ऐसे विद्यालय हैं जहाँ अत्यावश्यक उपस्कर खेलकूद एवं शैक्षिक उपकरणों की कमी दिखाई पड़ रही है।

इन कार्यों पर प्राथमिकता के आधार पर ध्यान देना होगा ताकि प्राथमिक शिक्षा के मूल उद्देश्यों जैसे सर्वव्यापी पहुँच, सर्वव्यापी भागीदारी एवं सर्वव्यापी उपलब्धि को प्राप्त किया जा सके।

परियोजना स्तर पर सभी प्रभागों में स्रोत व्यक्तियों तथा अन्य कर्मियों की कमी दिखाई पड़ रही है। निकट भविष्य में इस समस्या की ओर भी ध्यान देना होगा।

सबके लिए शिक्षा के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु वर्ष 94-95 के लिए तैयार की गई वार्षिक कार्य योजना में 1996-97 तक की भावी योजना को भी संलग्न किया गया है। इसके अनुसार कार्य करने पर वर्ष 1996-97 की समाप्ति तक हम सबके लिए शिक्षा के घोषित लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे।

13. ग्राम शिक्षा समिति, निर्माण कार्य, शिक्षण किट वितरण आदि प्रमुख कार्यों के कार्यान्वयन की प्रक्रिया :-

पूर्व से प्रत्येक ग्राम के लिए एक ग्राम शिक्षा समिति का गठन किया गया है। बिहार शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत प्रत्येक विद्यालय के लिए एक-एक ग्राम शिक्षा समिति का गठन किया गया है। ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों का प्रशिक्षण प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है।

भवन, शौचालय एवं चापाकल निर्माण हेतु अभिकर्त्ता का चयन ग्राम शिक्षा समिति द्वारा किया जा रहा है। शिक्षण किट, खेल सामग्री, पुस्तकालयों के लिए पुस्तकें एवं शैक्षिक उपकरण का वितरण ग्राम शिक्षा समिति के माध्यम से किया जा रहा है।

परियोजना के विभिन्न कार्यों में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही ताकि परियोजना के नहीं रहने पर भी लोक अभिक्रम से सारे कार्यक्रम संचालित होते रहें।

14. एम0एल0एल0 कार्यक्रम :- एम0एल0एल0 कार्यक्रम के अन्तर्गत लिए गए विद्यालयों की संख्या 178 है। वर्तमान स्थिति - जनवरी 94 में कक्षास्तर पूर्व परीक्षण आयोजित, मार्च 94 में इकाई परीक्षण-एक। मई 94 में इकाई परीक्षण-दो सम्पन्न। चयनित विद्यालयों के शिक्षकों की प्रतिमाह समीक्षा हेतु गुरूगोष्ठी आयोजित। परीक्षण विश्लेषण कार्य सम्पन्न। प्रतिफल परियोजना मुख्यालय को प्रेषित। परीक्षण एवं मूल्यांकन से संबंधित ग्राफ संलग्न।

15. एम0एल0एल0 कार्यक्रम के अन्तर्गत अन्य महत्वपूर्ण विन्दु :- इस कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु शिक्षक-छात्र के बीच आदर्श अनुपात अपेक्षित है। वर्तमान संदर्भ में इस अनुपात को प्राप्त करने में समय लगेगा। अतः सम्प्रति कक्षा एक से कक्षा तीन तक ही एम0एल0एल0 कार्यक्रम को सीमित रखने का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त एम0एल0एल0 कार्यक्रम से जुड़े विद्यालयों में दो पालियों में कक्षा संचालन की व्यवस्था लागू की जा रही है। इस व्यवस्था से उन विद्यालयों में कक्षा संचालन किया जाएगा जहाँ सभी कक्षाओं के लिए स्वतंत्र रूप से अलग-अलग शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं।

16. गुणवत्ता सुधार हेतु नवाचार :- प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु कई प्रकार के नवाचार अपनाए गए हैं। परियोजना कर्मियों, शिक्षकों एवं निरीक्षी पदाधिकारियों के उन्मुखीकरण हेतु कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है।

मासिक गुरूगोष्ठियों को प्रभावी बनाने हेतु जिला स्तर पर परियोजना कर्मी उनमें भाग लेते हैं और प्रतिमाह एक विषय निर्धारित कर उस पर राईट अप दिया जाता है तथा विषय पर सामूहिक चर्चा होती है। विभिन्न प्रकार के फार्मेट को सही-सही भरने के लिए गुरूगोष्ठियों के माध्यम से शिक्षकों को मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।

महिला समाख्या के जिला रिसोर्स परसन प्राथमिक विद्यालयों में नामांकन की जांच करते हैं और नियमित रूप से प्रतिवेदन देते हैं।

अनौपचारिक केन्द्रों, महिला जगजगी केन्द्रों एवं ग्राम शिक्षा समितियों के बीच तालमेल स्थापित किया जाता है।

17. सबलताएं एवं दुर्बलताएं :-

सबलताएं :- राज्य एवं जिला स्तर पर परियोजना कर्मियों का समर्पित कार्यदल हमारी सबलता है। पूर्व से उपलब्ध भौतिक एवं संरचनात्मक सुविधाएं हमारी सबलता है। मुरौल में सिंचाई विभाग से प्राप्त भवन समूह एवं रामबाग स्थित शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालय हमारे प्रशिक्षण कार्यक्रम को आगे बढ़ाने में लाभदायक रहे हैं। नवगठित ग्राम शिक्षा समितियाँ विद्यालय स्तरीय कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने में सक्रिय हैं। नव प्रशिक्षित शिक्षकों का समूह हमारे लक्ष्य को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। ये सब हमारी सबलताएं हैं।

दुर्बलताएं :- जिले के प्रशिक्षित स्रोत व्यक्तियों द्वारा प्रशिक्षण प्रभाव का मूल्यांकन नहीं किया जा रहा है। अभी भी हमारे विद्यालय कई भौतिक सुविधाओं से वंचित हैं। जिस गति से शिक्षकों का प्रशिक्षण चल रहा है परियोजना की सीमित अवधि में शायद 100% शिक्षक प्रशिक्षित नहीं हो पायेंगे।

18. वातावरण निर्माण हेतु उठाए गए कदम :- जनसभाओं, रैलियों एवं जत्थों का आयोजन। शिक्षकों एवं अभिभावकों के साथ विचार गोष्ठियाँ। शिक्षक संघों के साथ सम्पर्क सभाएँ। बी०डी०ओ० फिल्मों का प्रदर्शन, बालमेलों का आयोजन, वाद विवाद प्रतियोगिता एवं कला जत्थाओं का प्रदर्शन।

19. शिक्षा विभाग एवं अन्य विभागों के साथ अभिसरण :- शिक्षा विभाग को शिक्षक समस्याओं के निदान हेतु सक्रिय बनाया गया है। निरीक्षी पदाधिकारियों का निरीक्षण हेतु उन्मुखीकरण किया गया है। प्रखण्ड विकास पदाधिकारियों एवं अन्य प्रखण्ड कर्मियों का भी उन्मुखीकरण किया गया है। ओ०बी० बोर्ड योजना के साथ भी ताल मेल किया गया है। जवाहर रोजगार योजना एवं जिला योजना के साथ भी निर्माण कार्यों में तालमेल किया गया है।

20. जिले की योजना प्रक्रिया - प्रखण्ड स्तर पर प्रखण्ड सलाहकार समिति से अनुशंसा प्राप्त कर स्टीयरिंग ग्रुप में योजनाओं पर विचार किया जाता है। इसके बाद जिला कार्यदस्ता योजनाओं पर विभिन्न दृष्टियों से विचार करता है, तत्पश्चात जिला कार्यकारिणी समिति के समक्ष योजनाओं को अन्तिम रूप देने की जिम्मेदारी आती है।

21. कार्यकलाप का अन्तर्विभागीय अभिसरण - चयनित प्रखण्डों में औपचारिक प्राथमिक शिक्षा, अनौपचारिक प्राथमिक शिक्षा एवं महिला समाख्या के बीच तालमेल बैठाया गया है। संस्कृति संचार प्रभाग भी इन प्रखण्डों में सघन रूप से अपनी गतिविधियाँ प्रक्षेपित करता है।

22. उपलब्धियों में न्यूनता का कारण :- बाढ़, शादी-विवाह और कृषि कार्य के अतिरिक्त निर्णय लेने में विलम्ब आदि।

23. जिले की विशिष्ट उपलब्धियाँ - 142 मुसहर विद्यालयों की स्थापना जिसमें लगभग 12,000 मुसहर जाति के प्रथम पीढ़ी के बच्चे नामांकित हुए हैं। महिला समाख्या द्वारा मुबारकपुर में एक प्राथमिक विद्यालय की स्थापना। टोला समितियों द्वारा अनौपचारिक केन्द्रों का संचालन। डायट उपकेन्द्र के रूप में रामबाग प्रशिक्षण महाविद्यालय का स्थान्तरण।

24. जिले में चिन्ता के क्षेत्र :- कार्यान्वयन में संवेदनशील कर्मियों की कमी, ग्राम शिक्षा समिति अभी सबल नहीं हो पायी है, स्वंयसेवी संगठनों की कमी।

25. सुधार हेतु आवश्यक कदम :- परियोजना इन समस्याओं के प्रति सजग है। विद्यालय के वातावरण को रुचिकर बनाकर, शौचालय, चापाकल एवं शिक्षण सामग्री की व्यवस्था कर समाधान का प्रयास। अभिवृत्यात्मक परिवर्त्तन हेतु शिक्षकों एवं ग्राम शिक्षा समिति का नये ढंग से प्रशिक्षण।

26. परियोजना कार्यान्वयन में संलग्न कर्मियों की सूची :- संलग्न।

27. समग्र दृष्टि :5 समुदाय में शिक्षा के प्रति नई ललक पैदा हुई है। ग्राम शिक्षा समितियाँ एवं टोला समितियाँ कार्यक्रमों को समुदाय के बीच स्वीकार्य बनाने में तत्पर शिक्षकों के दृष्टिकोण में बदलाव। भौतिक अभावों की पूर्ति।

28. उपलब्धियों के संबंध में कुछ ग्राफ :- संलग्न।

29. प्रकाशन :- ग्राम शिक्षा समिति के गठन एवं कार्यकलाप पर पुस्तिका का प्रकाशन, डायट बुलेटिन का प्रकाशन महिला समाख्या बुलेटिन का प्रकाशन [illegible]

अंकों का प्रकाशन।

30. व्यय - पूर्व परिव्यय एवं व्यय :5 विवरण संलग्न।

बिहार शिक्षा परियोजना का प्रभाव

1. व्यापक नामांकन अभियान के फलस्वरूप विगत तीन शैक्षिक सत्रों में लड़कियों एवं अनुसूचित जाति के शिशुओं के नामांकन में अनवरत वृद्धि परिलक्षित हुई है।

2. नामांकित बच्चों के ठहराव में आनुपातिक ह्रास हुआ है। पहले बच्चे पूर्वाह्न में आते थे और अपराह्न में बहुत सारे बच्चे घर चले जाते थे। शिक्षकों के प्रशिक्षण एवं उनके दृष्टिकोण में परिवर्तन के कारण बच्चे अपराह्न में भी विद्यालय छोड़कर नहीं भागते। विद्यालय के शैक्षिक वातावरण में गुणात्मक सुधार के कारण भी बच्चे विद्यालय में टिके रह रहे हैं।

3. बिहार शिक्षा परियोजना के पूर्व समुदाय विद्यालय से कटा-कटा सा रहता था। ग्राम शिक्षा समितियाँ निष्क्रिय थीं। परियोजना आने के बाद ग्राम शिक्षा समितियों का विद्यालय स्तर पर पुनर्गठन किया गया है। समुदाय ग्राम शिक्षा समितियों के माध्यम से विद्यालय के दैनिक कार्यकलाप के प्रति उन्मुख हुआ है।

4. परियोजना आने के पूर्व सरकारी विभागों से निर्मित विद्यालयों को समुदाय अपनी सम्पत्ति के रूप में नहीं मानता था। परियोजना आने के बाद विद्यालयों, शौचालयों एवं चापाकलों का निर्माण ग्राम शिक्षा समिति के माध्यम से कराया जा रहा है। अतः नवनिर्मित भवनों एवं शौचालयों को समुदाय अपनी सम्पत्ति के रूप में ग्रहण करता है और उनके रख-रखाव पर ध्यान देता है।

बिहार शिक्षा परियोजना सरकारी विभागों से कैसे भिन्न है?

1. सरकारी विभागों द्वारा जो भी विद्यालय, शौचालय या चापाकल निर्मित हुए हैं वे ठीकेदारों के माध्यम से हुए हैं अतः समुदाय एवं ग्राम शिक्षा समिति का उनसे लगाव नहीं बन पाया है। बिहार शिक्षा परियोजना द्वारा जो भी निर्माण कार्य हो रहे हैं उनमें समुदाय की सीधी भागीदारी है। सरकारी विभागों एवं परियोजना के बीच यह सबसे बड़ा मौलिक अन्तर है।

2. परियोजना आने के पूर्व शिक्षक संघों के साथ जिला प्रशासन का संबंध उतना मधुर नहीं था क्योंकि शिक्षक संघ बराबर मांगों की पोटली लेकर प्रशासन के सामने आते थे। बिहार शिक्षा परियोजना के आने के बाद स्टीयरिंग ग्रुप, जिला कार्यालय एवं जिला कार्यकारिणी में शिक्षक संघों को प्रतिनिधित्व दिया गया है और हर मुख्य मुद्दे पर शिक्षक प्रतिनिधियों से विचार विमर्श करने के बाद ही कार्यान्वयन के लिए कोई निर्णय लिया जाता है। इस प्रकार शिक्षक संघ सकारात्मक भूमिका अदा करने लगे हैं।

3. निरीक्षी पदाधिकारियों के दृष्टिकोण में परिवर्तन लाने हेतु निरीक्षी पदाधिकारियों का नियमित रूप से उन्मुखीकरण किया जाता है।

4. बिहार शिक्षा परियोजना के सभी कार्यकलाप में महिलाओं की साझीदारी भी प्राप्त की जाती है जो विभागीय कार्यों में कम दिखाई पड़ती है।

5. औपचारिक प्राथमिक शिक्षा, अनौपचारिक प्राथमिक शिक्षा, महिला समाख्या एवं संस्कृति/संचार कार्यक्रम चयनित प्रखण्डों में एक साथ किये जाते हैं ताकि सभी प्रभागों के बीच मधुर सामंजस्य स्थापित हो सके।

प्राथमिक औपचारिक शिक्षा

वर्ष 92-93 एवं 93-94 में लक्ष्य एवं उपलब्धि आँकड़े

	1992-93		1993-94	
	लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि
1. नामांकन (ENROLMENT)	5,57,564	3,28,403	6,26,624	3,86,927
2. शिक्षण किट वितरण। (TEACHER KITS)	56,000	56,000	1,79,000	1,56,535
3. कार्यशाला आयोजन (WORKSHOPS)	14	14	9	17
4. बैंच मार्क सर्वे (BENCHMARK SURVEY)	-	-	3 प्रखण्ड	28 ग्राम
5. शिक्षक संगठनों के साथ सम्मेलन।	-	31	5	2
6. ग्राम शिक्षा समिति (VEC)	-	1781	500	1582
7. ग्राम शिक्षा समिति का प्रशिक्षण। (TRG OF VEC)	-	-	-	336 सदस्य
8. एम०एल०एल० कार्यक्रम (MLL)	78	78	100	100
9. शिक्षक इकाइयों का सुदृढ़ीकरण।	-	-	-	228
10. विद्यालय पुस्तकालय की स्थापना। (LIBRARY)	300	300	500	500
11. खेलकूद सामग्री की आपूर्ति। (SPORTS)	300	-	500	-
12. इन्नोवेटिव शैक्षिक उपकरण। (INNOVATIVE)	300	-	500	-
13. उपस्कर आपूर्ति	300	-	635	635
14. श्यामपट्ट की आपूर्ति	-	-	1977	-
15. विद्यालय भवन निर्माण	84	82	116	56
16. विद्यालय मरम्मत (REPAIR)	-	-	100	-
17. शौचालय निर्माण	140	127	657	58
18. चापाकल निर्माण	140	139	563	42
19. प्रधानाध्यापकों का प्रशिक्षण।	-	-	100	100
20. निरीक्षी पदाधिकारियों का प्रशिक्षण।	-	-	40	27
21. गुरु गोष्ठी	-	432	-	114
22. शिक्षकों का 10/11 दिवसीय प्रशिक्षण।	-	-	1400	क) 317 -10 दिवसीय ख) 768 -11 दिवसीय

** COMPUTER CELL ** BIHAR EDUCATION PROJECT, MUZAFFARPUR **

BLOCK WISE NO. OF CHILDREN BETWEEN AGE GROUP (6-14) RECORDED IN BAL PANJI OF P/M SCHOOLS AS ON 31 MARCH 1994.

DISTT. : MUZAFFARPUR (PROVISIONAL)

SL NO	NAME OF THE BLOCK	GEN BOYS	GEN GIRLS	TOTAL	SC BOYS	SC GIRLS	SC TOTAL	ST BOYS	ST GIRLS	ST TOTAL	BOYS TOTAL	GIRLS TOTAL	GRAND TOTAL
1	SARAIYA	12992	9950	22942	2869	2065	4934	26	0	26	15887	12015	27902
2	MOROUL	12267	8612	20879	3508	2397	5905	0	0	0	15775	11009	26784
3	SAHEBGANJ	8858	6499	15357	1857	1300	3157	0	0	0	10715	7799	18514
4	PAROO	20490	14950	35440	3960	2590	6550	2	6	8	24452	17546	41998
5	MURHANI	26433	18267	44700	6075	3949	10024	0	3	3	32508	22219	54727
6	KATRA	12989	8728	21717	2211	1505	3716	61	48	109	15261	10281	25542
7	BOCHAHAN	12635	8489	21124	3539	2310	5849	0	0	0	16174	10799	26973
8	TOWN AREA	11710	10126	21836	2684	1872	4556	24	9	33	14418	12007	26425
9	MUSAHARI	6436	4640	11076	2360	1712	4072	0	0	0	8796	6352	15148
10	MINAPUR	13101	9141	22242	2574	1679	4253	2	2	4	15677	10822	26499
11	AURAI	16349	11089	27438	2467	1548	4015	0	0	0	18816	12637	31453
12	SAIGHAT	16874	12197	29071	2706	2043	4749	0	0	0	19580	14240	33820
13	SAKARA	15490	12253	27743	3724	2645	6369	10	0	10	19224	14898	34122
14	KANTI	22788	17370	40158	5939	3977	9916	0	0	0	28727	21347	50074
15	MOTIPUR	23072	16062	39134	4039	2865	6904	0	0	0	27111	18927	46038
*** Total ***		232484	168373	400857	50512	34457	84969	125	68	193	283121	202898	486019

06/24/94

COMPUTER SECTION BIHAR EDUCATION PROJECT, MUZAFFARPUR **

BLOCK WISE DISTRIBUTION OF STUDENTS OF P.M SCHOOLS
ENROLLED AS ON 31 MARCH 1994.

DISTRICT : MUZAFFARPUR (PROVISIONAL)

SL. NO.	NAME OF THE BLOCK	GENERAL BOYS	GENERAL GIRLS	GENERAL TOTAL	SC BOYS	SC GIRLS	SC TOTAL	ST BOYS	ST GIRLS	ST TOTAL	TOTAL BOYS	TOTAL GIRLS	GRAND TOTAL	REMAR
1	MINAPUR	10095	5115	15210	2357	1049	3406	1	1	2	12453	6165	18618	
2	MUSAHARI	8986	6010	14996	3791	2235	6026	0	0	0	12777	8245	21022	
3	BOCHAHAN	11956	6354	18310	3182	1632	4814	1	0	1	15139	7986	23125	
4	AURAI	12643	6671	19314	2136	953	3089	0	0	0	14779	7624	22403	
5	KATRA	9881	6240	16121	1851	983	2834	26	15	41	11758	7238	18996	
6	GAIGHAT	11737	8269	20006	2343	1726	4069	0	0	0	14080	9995	24075	
7	MOROUL	11414	7310	18724	3653	1895	5548	7	0	7	15074	9205	24279	
8	SAKARA	11244	7807	19051	3441	1653	5094	0	0	0	14685	9460	24145	
9	SAHEBGANJ	10674	6305	16979	2140	987	3127	4	0	4	12818	7292	20110	
10	SARAIYA	16187	11314	27501	4283	2641	6924	1	0	1	20471	13955	34426	
11	KURHANI	18617	11691	30308	4929	2212	7141	0	0	0	23546	13903	37449	
12	PAROO	14773	9428	24201	3471	1700	5171	8	0	8	18252	11128	29380	
13	MOTIPUR	16976	9934	26910	3686	2038	5724	0	0	0	20662	11972	32634	
14	TOWN AREA	10653	9763	20416	2160	2015	4175	14	6	20	12827	11784	24611	
15	KANTI	19056	13396	32452	4954	2836	7790	1	0	1	24011	16232	40243	
***	Total ***													

[illegible]/24/94

** COMPUTER SECTION ** BIHAR EDUCATION PROJECT, MUZAFFARPUR **

BLOCK WISE DISTRIBUTION OF STUDENTS OF P M SCHOOLS APPEARED
IN ANNUAL EXAMINATION HELD IN DECEMBER'93.

DISTRICT : MUZAFFARPUR (PROVISIONAL)

SL. NO.	NAME OF THE BLOCK	GENERAL BOYS	GENERAL GIRLS	GENERAL TOTAL	SC BOYS	SC GIRLS	SC TOTAL	GEN+ SC BOYS TOTAL	GEN+ SC GIRLS TOTAL	ST TOTAL	GRAND TOTAL	REMARKS
1	PAROO	7519	4081	11600	1853	877	2730	9376	4958	0	14334	PAROO-2 REPO (I-V)
2	KATRA	7864	4395	12259	1500	546	2046	9364	4941	0	14305	5 SCH. REPO. N.R.
3	SAHEBGANJ	7626	3413	11039	1567	526	2093	9193	3939	3	13135	10 SCH. REPO. N.R.
4	BOCHAHAN	5981	3050	9031	1721	646	2367	7702	3696	0	11398	
5	TOWN AREA	7757	6532	14289	1821	1130	2951	9578	7662	26	17266	
6	MUSAHARI	8825	5598	14423	4018	2219	6237	12843	7817	0	20660	
7	MOROUL	9175	4866	14041	3003	1378	4381	12178	6244	0	18422	
8	SARAIYA	11443	6806	18249	2975	1515	4490	14418	8321	8	22747	
9	MINAPUR	9773	4239	14012	2346	938	3284	12119	5177	3	17299	7 SCH. REPO. N.R.
10	KURHANI	12785	6670	19455	3355	1453	4808	16140	8123	1	24264	
11	AURAI	9431	4607	14038	1561	553	2114	10992	5160	10	16162	
12	GAIGHAT	10575	5841	16416	2092	1307	3399	12667	7148	2	19817	2 SCH. REPO. N.R.
13	SAKARA	9187	5492	14679	2946	1297	4243	12133	6789	0	18922	
14	MOTIPUR	14640	7151	21791	3091	1271	4362	17731	8422	0	26153	
15	KANTI	13702	8597	22299	3911	1957	5868	17613	10554	0	28167	
*** Total ***		146283	81338	227621	37760	17613	55373	184047	98951	53	283051	

BIHAR EDUCATION PROJECT
MUZAFFARPUR
Computer Cell

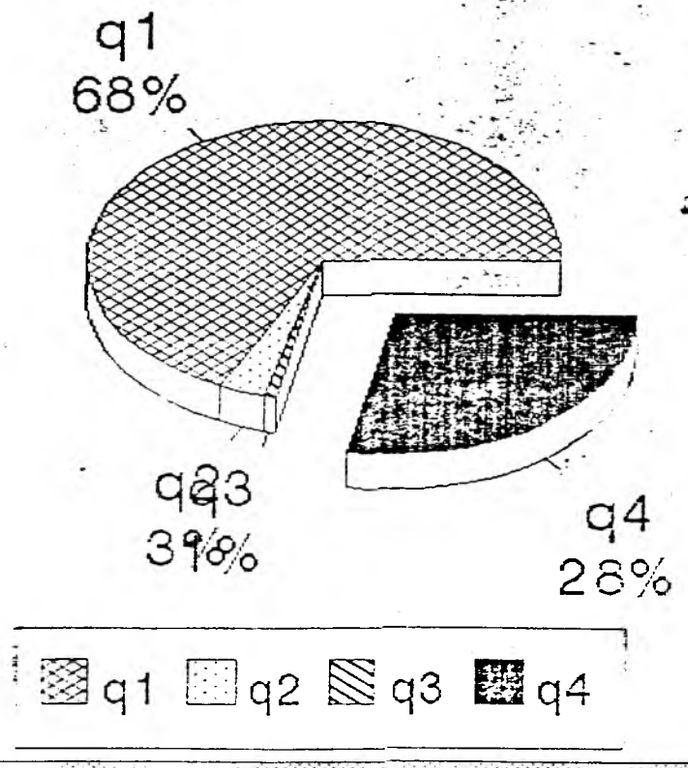

Distribution of age gp.(6-14) popln. among Govt.P/M Sch(Q1) Pvt. Sch(Q2) Class (I-VIII)
NFE Centres(Q3), Left Out(Q4)***(q1=377343, q2=18089, q3=5125, q4=157007)***
Total popln. of Bai Panji=557564 (Approx.) M. Fig. June '93

बेंच मार्क सर्वेक्षण - एक निष्कर्ष

1. सर्वेक्षित ग्रामों की संख्या - 26
2. 6 - 14 आयुवर्ग की लड़कियों की साक्षरता - 2429 - 26.8%
3. अनुसूचित जाति साक्षरता -

लड़का	-	1096
लड़की	-	337
कुल	-	1433
प्रतिशत	-	15.8%

4. परिवारों की संख्या - 5781
5. 6 - 14 आयुवर्ग के बच्चों की कुल संख्या - 9043
6. विद्यालय जानेवाले बच्चों की संख्या - 6333 - 70 %

बिहार शिक्षा परियोजना
[illegible] भवन, मुजफ्फरपुर

जिला कार्यदल की बैठक हेतु सामग्री (प्राथमिक औपचारिक शिक्षा)

क्रम	कार्यक्रम	1992-93 लक्ष्य	1992-93 उपलब्धि	1993-94 लक्ष्य	1993-94 उपलब्धि	अभ्युक्ति
1.	कार्यशाला आयोजन:- विषय-ग्राम शिक्षा समिति का गठन, एम0एल0एल0 कार्यक्रम, नामांकन, शिक्षकों का उन्मुखीकरण, शिक्षण किट वितरण, विद्यालय/शौचालय/चापाकल निर्माण।	-	14	8	17	प्रतिभागियों की संख्या एवं कार्यशाला आयोजन की तिथि संलग्न।
2.	प्राथमिक शिक्षा के सर्वव्यापीकरण एवं सबके लिए शिक्षा के उद्देश्य की प्राप्ति हेतु ग्राम एवं परिवार सर्वेक्षण।	—	—	3 प्रखण्ड	28 ग्राम	प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण किया गया।
3.	शिक्षक संगठनों के साथ सम्मेलन	-	31	5	2	सम्मेलन में 300 शिक्षकों ने भाग लिया।
4.	नामांकन आंकड़े	-	सामान्य-2,05,356 अ0 जा0- 40,487	-	सामान्य-3,14,218 अ0 जा0- 73,663 कुल योग :-3,87,881	
5.	ग्राम शिक्षा समिति		1781 (पुरानी पद्धति से)	500	1582 (नई पद्धति से)	336 सदस्यों का दो दिवसीय प्रशिक्षण पूर्ण।
6.	एम0एल0एल0 कार्यक्रम	78	78	100	178	सभी विद्यालयों में जांच परीक्षण सम्पन्न।
7.	शिक्षक इकाईयों का युक्तिकरण	—	—			कोई विद्यालय शिक्षक विहीन नहीं है। शिक्षक इकाईयों का समायोजन किया गया है।

क्रमांक	कार्यक्रम	1992-93 लक्ष्य	1992-93 उपलब्धि	1993-94 लक्ष्य	1993-94 उपलब्धि	अभ्युक्ति
8.	इन्टरवेंशन पैकेज - पैकेज हेतु चयनित विद्यालयों की संख्या- 684.					
	(क) इनोवेटिव शैक्षिक उपकरण			500	-	क्रयादेश निर्गत।
	(ख) विद्यालय पुस्तकालय की स्थापना	300		500	-	पुस्तकें प्राप्त की जा रही हैं।
	(ग) पुस्तकालय हेतु बक्से की आपूर्ति			800	-	क्रयादेश निर्गत।
	(घ) खेलकूद सामग्री की आपूर्ति			500	-	कार्यवाई आरम्भ
	(ङ) शौचालय निर्माण	140	127	657	58	शेष निर्माणाधीन
	(छ) पाकशाला निर्माण	140	139	563	42	शेष निर्माणाधीन।
	(ज) विद्यालय भवन	84	64	116	56	शेष निर्माणाधीन।
	(झ) विद्यालय मरम्मत	-	-	100	-	
	(ट) उपस्कर आपूर्ति	-	-	500	635	(135 मुसहर विद्यालय
	शिक्षण किट वितरण	1978 (56000 शिक्षण किट)	1978 (56000 शिक्षण किट)	1978	1978	
	विज्ञान एवं गणित शिक्षण में सुधार हेतु शिक्षकों का उन्मुखीकरण।	-	-	4	2	70 शिक्षकों का उन्मुखीकरण सम्पन्न।
	विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम	-	-	-	-	अभी आरम्भ नहीं।
	प्राथमिक उपचार किट की आपूर्ति	-	-	1977	-	अभी आरम्भ नहीं।
	शिक्षक पुरस्कार	-	-	24	61	

वर्ष 1993-94 में कार्यशाला आयोजन

विषय:- ग्राम शिक्षा समिति का उद्देश्य एवं गठन, एम0एल0एल0 कार्यक्रम, शिक्षकों का उन्मुखीकरण, नामांकन, शिक्षण किट वितरण, विद्यालयों/शौचालय/चापाकल निर्माण।

तिथि	कार्यशाला स्थल	प्रतिभागियों की संख्या
26.5.93	म0वि0 मीनापुर	52
7.6.93	म0वि0 तेपरी, मुरौल	122
19.7.93	म0वि0 नारायणपुर कुसम्ही	97
21.7.93	म0वि0 मोतीपुर	95
22.7.93	म0वि0 हरिदासपुर	97
24.7.93	म0वि0 रेपुरा	135
20.9.93	प्रखण्ड कार्यालय, परिसर, मीनापुर	158
30.9.93	प्रखण्ड कार्यालय, परिसर, बोचहाँ	100
5.10.93	म0वि0 हरिसभा चौक	100
12.10.93	थर्मल पावर स्टेशन, समाकक्ष, काँटी	183
16.10.93	मध्य विद्यालय, सकरा	119
30.10.93	मध्य विद्यालय, ढोली	112
4.11.93	प्रशिक्षण महाविद्यालय, तुर्की	160
23.11.93	मध्य विद्यालय, देवरिया	162
30.11.93	प्रखण्ड कार्यालय, साहेबगंज	125
7.12.93	मध्य विद्यालय, औराई (उर्दू)	142
21.12.93	मध्य विद्यालय, मणिकपुर	165

प्रशिक्षण

पृष्ठभूमि

बिहार शिक्षा परियोजना,प्राथमिक शिक्षा का पुनर्निर्माण कर शैक्षिक क्षेत्र में सुधार लाना चाहती है ताकि समाज में व्याप्त जड़ता,अंध विश्वास,निराशा,कटुता और हिंसा दूर हो सके।

अबतक प्राथमिक शिक्षा सबके लिए सुलभ नहीं हो पायी है। प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों में से 40% शिक्षक अपने पेशे में दक्ष नहीं पाये जाते हैं। लगभग 20% शिक्षक विद्यालय में नियमितरूप से समय पर उपस्थित नहीं रहते हैं। उनमें शिक्षण के प्रति रूचि नहीं है। निरीक्षण भी प्रभावकारी नहीं रह गया है। समुदाय एवं ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों में जागृति का अत्यंत अभाव है। समाज के समृद्ध लोग भी नहीं चाहते कि गरीब बच्चे पढ़ें। शिक्षकों के एक वर्ग में आज भी ऊँच-नीच एवं छुआछूत का कुसंस्कार विद्यमान है। भौतिक सुविधाओं में कमी,शिक्षार्थियों के अनुपात में शिक्षकों की अपेक्षित कमी,शिक्षकों की शिकायतों को दूर करने के लिए प्रभावी तंत्र का अभाव,शिक्षा की योजना एवं प्रबंधन में शिक्षकों की सहभागिता प्राप्त नहीं होना,शिक्षक सम्मान में कमी,शिक्षक संगठनों द्वारा व्यावसायिक निष्ठा बढाने में सहयोग प्राप्ति का अभाव,गरीबी एवं पिछड़ापन के कारण शिक्षा का सर्वव्यापीकरण संभव नहीं हो पाया है।इन परिस्थितियों में 6-14 आयुवर्ग के सभी बच्चों को 2000 ई0 तक विद्यालयों या अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों में नामांकित अवश्य कराना है। शिक्षा में गुणात्मक विकास आवश्यक रूप में करना है। यह अपने आप में एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। सर्वव्यापी नामांकन सर्वव्यापी भागीदारी एवं सर्वव्यापी उपलब्धि हेतु औपचारिक शिक्षा अथवा अनौपचारिक शिक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित कर इस लक्ष्यको प्राप्त किया जाना है।

प्रशिक्षण का महत्व एवं रणनीति

प्राथमिक शिक्षा में मजबूती प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण का बहुत बड़ा महत्व है। प्रशिक्षण से ही शिक्षकों,अनुदेशकों एवं अन्य शिक्षाकर्मियों में अभिवृत्यात्मक एवं गुणात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। वास्तव में क्षेत्र में जाने पर यह पता चलाता है कि प्रशिक्षण के बाद शिक्षकों में पढ़ाई के प्रति जागरूकता आई है। वे नियमित एवं समयनिष्ठ हुए हैं। बाल केन्द्रित शिक्षा की अवधारणा एवं बाल मनोविज्ञान के प्रति शिक्षक अधिक संवेदनशील हो रहे हैं। विद्यालयों में गतिशीलता आ रही है। शिक्षण विधि में परिवर्तन के कारण शिक्षार्थियों के साथ-साथ समुदाय का आकर्षण भी विद्यालय की ओर होने लगा है। क्रीड़ा की घंटी मेंबच्चों के साथ शिक्षक स्वयं भी सहभागी हो रहे है।खेल विधि से अध्यापन कार्य प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा बड़े पैमाने पर संपन्न किया जा रहा है। शिक्षा उपादान के रूप में परिवेशीय वस्तुओं का शिक्षकों द्वारा भरपूर उपयोग किया जाने लगा है।

वास्तव में प्रशिक्षण जीवन के सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण के बाद प्रशिक्षार्थी की दक्षताएँ पहले से बढ जाती हैं। एक सामान्य व्यक्ति प्रशिक्षण पाकर अंतरिक्ष यात्री बन जाता है। प्रशिक्षण मनुष्यो को ही नहीं बल्कि जानवरों को भी अपने कौशलों के विकास में सहायता प्रदान करता है। सर्कस के प्रशिक्षित जानवर इसका आदर्श उदाहरण है। प्रशिक्षित कुत्ते वैसे करतब कर दिखाते है जो अच्छे से अच्छे पुलिस अधिकारी भी नहीं कर पाते। अतः जीवन में प्रशिक्षण के महत्व को स्वीकारना ही पड़ता है। यही कारण है कि बिहार शिक्षा परियोजना में प्रशिक्षण पर बहुत बल दिया गया है। प्राथमिक स्कूलों के शिक्षकों का शिक्षार्थियों पर बड़ा गहरा प्रभाव पड़ता है। इसलिए उनके उचित प्रशिक्षण पर ध्यान दिया जा रहा है। इस जिले में प्रशिक्षण कार्य हेतु जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मुरौल एवं डायट उपकेन्द्र के रूप में महिला प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय,रामबाग को अधिगृहित किया गया है। इन दोनों संस्थानों में शिक्षकों का 21 दिवसीय सेवाकालीन आवासीय प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण को दो चरणों में बाँटा गया है। प्रशिक्षण का पहला चरण 10 दिवसीय अभिवृत्यात्मक परिवर्तन के लिए है तथा इस प्रशिक्षण के एक माह बाद दूसरे चरण का 11 दिवसीय प्रशिक्षण विषयगत ज्ञान के लिए आयोजित किया जाता है। प्रशिक्षण को केवल शिक्षकों तक ही सीमित नहीं रखा गया है क्योंकि

प्रशिक्षण तो एक प्रक्रिया है जो सभी व्यक्तियों में अंतर्निहित प्रतिभाओं एवं कुशलताओं का विकास करती है। अतः गणित एवं विज्ञान शिक्षकों का तीन दिवसीय, गुच्छ प्रधानों का पाँच दिवसीय, निरीक्षी पदाधिकारियों का 5 दिवसीय, ग्राम शिक्षा समितिके प्रशिक्षण हेतु साधन-सेवियों का दो दिवसीय, अनौपचारिक शिक्षा के मास्टर ट्रेनर का 12 दिवसीय, अभियान संयोजक का 7 दिवसीय एवं अनुदेशकों का वर्ष में 30 दिवसीय{12+10+8} तीन चरणों में, महिला समाख्या के सहयोगिनियों का 6 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। महिला समाख्या के लिए अब अलग साधन केन्द्र इस हेतु स्थापित किया जा चुका है। डायट केन्द्रों में स्थानाभाव केकारण प्रखण्ड मुख्यालयों में अनौपचारिक शिक्षा के अनुदेशकों का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है।

इस जिले में परियोजना परिषद द्वारा डायट, मुरौल में प्राचार्य नियुक्त किए जा चुके है। किन्तु साधनसेवी के रूप में एसoसीoईoआरoटीo द्वारा 26 साधनसेवियों को प्रशिक्षण कार्य हेतु प्रशिक्षण दिलाया गया है।

गुच्छ प्रधानों एवं निरीक्षी पदाधिकारियों के लिए अबतक प्रशिक्षण मैनुअल उपलब्ध नहीं है। इसी प्रकार गणित एवं विज्ञान शिक्षण के प्रशिक्षण हेतु भी प्रशिक्षण मैनुअल तैयार नहीं है। प्रशिक्षण को प्रभावी बनाने हेतु इन मैनुअलों को भी उपलब्ध कराना होगा। शिक्षकों छात्रों एवं अन्य शिक्षाकर्मियों से संपर्क हेतु एक मासिक बुलेटिन भी निकालने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

<u>लोकभागीदारी</u>

स्वतंत्रता से पूर्व राजकर्मियों एवं समुदाय के बीच कोई सीधा सम्बन्ध नहीं था। विदेशी सरकार जनता के प्रति जवाबदेह हो नहीं सकती थी। किन्तु लोकतंत्रात्मक शासन में राज्यकर्मियों को समुदाय के प्रति प्रतिबद्धता स्वाभाविक है। जन प्रतिनिधि के रूप में राज्यकर्मियों में कार्य संस्कृति पूर्णतया विकसित नहीं हो पाई है। समुदाय में भी अपने दायित्वों एवं अधिकारों के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता नहींआ पायी है। यही कारण है कि संविधान में प्रावधान रहते हुए भी प्राथमिक शिक्षा का सार्वजनीकरण नहीं हो पाया है। बिहार शिक्षा परियोजना द्वारा ग्राम शिक्षा समिति के माध्यम से पूर्ण लोकभागीदारी प्राप्त करने का सफल प्रयास किया जा रहा है। इस हेतु विद्यालयों में परियोजना द्वारा भवन निर्माण, मरम्मति, शौचालय, चापाकल, शिक्षा किट, खेल सामग्री, शैक्षिक उपकरण आदि ग्राम शिक्षा समिति के माध्यम से ही प्राप्त कराये जा रहे हैं। लोकभागीदारी प्राप्त करने हेतु आम सभी द्वारा प्रत्येक विद्यालय में ग्राम शिक्षा समिति कागठन किया जा रहा है एवं उनके सदस्यों का द्विदिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

——::0::——

प्रशिक्षण प्रभाग का प्रतिवेदन

प्रशिक्षण क्यों?

§1§ उद्देश्य–

§1§ शिक्षकों में अभिवृत्यात्मक परिवर्तन लाना एवं विषयगत क्षमता प्रदान कराना।
§2§ शिक्षकों में नई तकनीक के प्रयोग को लोकप्रिय बनाना।
§3§ शिक्षकों में स्थायित्व एवं नवाचार के लिए अवसर प्रदान करना।
§4§ बदली हुई परिस्थिति में मुख्य प्रधानों के नेतृत्वकारी भूमिका को वृद्धि करना।
§5§ निरीक्षी पदाधिकारियों को निरीक्षण के दर्शन के व्यावहारिक पक्षों मजबूत करना।
§6§ गणित एवं विज्ञान विषय के लिए अलग से प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।
§7§ समय–समय पर गुलोष्ठी एवं क्षेत्रभ्रमण द्वारा शिक्षकों की शैक्षिक समस्याओं का निराकरण करना।
§8§ अनौपचारिक शिक्षा के अनुदेशकों एवं अन्य कर्मियों को औपचारिक शिक्षा के स्तर की गुणवत्ता प्रदान करना।
§9§ सहयोगिनियों,सखियों एवं महिला समूहों के नेतृत्वकारी महिलाओं को शिक्षा के सर्वव्यापीकरण , संपूर्ण साक्षरता एवं सतत शिक्षा प्रदान करने योग्य प्रशिक्षण दिलाना।
§10§ न्यूनतम अधिगम स्तर की सम्प्राप्ति हेतु दक्षता आधारित शिक्षण की अवधारणा विकसित करना।

§2§ प्रशिक्षण के आयाम

§क§ सेवाकालीन 21 दिवसीय प्राथमिक शिक्षकों का प्रशिक्षण ।
§ख§ मुख्य प्रधानों का 5 दिवसीय प्रशिक्षण ।
§ग§ गणित विषय का 3 दिवसीय प्रशिक्षण ।
§घ§ विज्ञान विषय का 3दिवसीय प्रशिक्षण ।
§ङ§ निरीक्षी पदाधिकारियों का 5 दिवसीय प्रशिक्षण ।
§च§ ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों का 2 दिवसीय प्रशिक्षण ।
§छ§ प्रखण्ड स्तरीय पदाधिकारियों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण ।
§ज§ परियोजनाकर्मियों का दो दिवसीय उन्मुखीकरण ।
§झ§ साधनसेवियों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण ।
§ट§ अनौपचारिक शिक्षा के मास्टर ट्रेनर,अभियान संयोजक,पर्यवेक्षक एवं अनुदेशकों को प्रशिक्षण देना ।
§ठ§ महिला समाख्या के सहयोगिनियों ,सखियों एवं महिला समूह के सदस्यों का प्रशिक्षण आयोजित करना।

LIBRARY & DOCUMENTATION CEll.
National Institute of Educational
Planning and Administration.
17-B, Sri Aurobindo Marg,
New Delhi-110016

एप्रेजल टीम के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु मुजफ्फरपुर जिले के शिक्षक प्रशिक्षण प्रभाग का विवरण।

---

1. इस जिले के सभी 14 प्रखण्डों एवं नगर क्षेत्र में पूर्व निर्धारित तिथि को गुरूगोष्ठी का आयोजन किया जाता है। गुरूगोष्ठियों में सामान्य प्रशासकीय कार्यक्रमों के अतिरिक्त प्रत्येक माह के लिए बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के पत्रांक 3176 दिनांक 4.12.93 द्वारा निर्धारित विषय के अनुसार गोष्ठी का विषय रखा जाता है। प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी एवं परियोजना से संबंधित पदाधिकारियों द्वारा गोष्ठी में भाग लिया जाता है।

गुच्छ स्तर पर प्रत्येक माह के विपत्र संग्रह तिथि को गुच्छ प्रधान द्वारा भी नियमित रूप से अपने गुच्छ के विद्यालयों की मासिक प्रगति की समीक्षा की जाती है।

मीनापुर, कांटी एवं मोतीपुर प्रखण्डों के एम०एल०एल० विद्यालयों के लिए प्रतिमाह क्रमश: 6,7 एवं 8 तारीख को अलग से कार्यक्रम की समीक्षा हेतु गुरूगोष्ठी का आयोजन किया जाता है।

2. प्रोजेक्ट से गुरूगोष्ठी में निम्न व्यक्तियों द्वारा भाग लिया जाता है :-

   1. श्री भुवनेश्वर प्रसाद सिन्हा
   2. श्री धनुषधारी ठाकुर
   3. डा० जे० झा

श्री भुवनेश्वर प्रसाद सिन्हा द्वारा विद्यालयों में दिए जानेवाले उपकरणों एवं उनके उपयोग, शिक्षा के उद्देश्य एवं परियोजना के कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला गया है।

श्री धनुषधारी ठाकुर द्वारा एम०एल०एल० कार्यक्रम, विद्यालयों में नवाचार एवं प्रशिक्षण से संबंधित विषयों पर प्रकाश डाला गया है।

डा० जे०झा, प्राचार्य, मुरौल द्वारा गणित विषय एवं अभिवृत्यात्मक परिवर्तन से संबंधित बातों की चर्चा की गई है।

3. इस जिले में डायट की स्थापना वर्ष 1993 के जून माह में मुरौल में की गई है। कंट्रैक्ट पर डा० जे० झा, प्राचार्य पद पर कार्यकर रहे हैं। उनके साथ एन०सी०ई०आर०टी० से प्रशिक्षित निम्नलिखित साधनसेवी दैनिक रूप में कार्यरत हैं:-

   1. श्री राम [illegible]
   2. श्री राजनारायण प्रसाद
   3. श्री गरीबनाथ प्रसाद
   4. श्री जयमंगल प्रसाद
   5. श्री [illegible] राय
   6. श्री [illegible]
   7. श्री अनूप दास

इसके अतिरिक्त यदा-कदा विशिष्ट व्यक्तियों को बुलाकर भी चर्चा में उनका उपयोग किया जाता है। परियोजना के पदाधिकारियों द्वारा भी प्रशिक्षण के दौरान कार्यक्रम में यदा-कदा भाग लिया जाता है।

अन्य कर्मियों की आकस्मिक रूप में सेवा ली जाती है।
डायट उपकेन्द्र रामबाग में प्राचार्या श्रीमती सिया दुलारी एवं उनके सहकर्मियों द्वारा प्रशिक्षण कार्य सम्पन्न किया जाता है। जिले के प्रशिक्षित और अप्रशिक्षित शिक्षकों के आँकड़े संलग्न।

5. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति के शिक्षकों के आँकड़े अनुपलब्ध।

6. कितने शिक्षकों की जिले में और आवश्यकता है। § प्रस्वीकृत इकाई संलग्न एवं नामांकित कुल बच्चों के आँकड़े संलग्न §

7. जिले में कितने शिक्षक ऐसे हैं जो वांछित योग्यता नहीं रखते हैं ? इसके लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था की जा रही है।

8. कितने लोगों को नियुक्ति के समय प्रशिक्षण प्राप्त नहीं था ? §आँकड़े अनुपलब्ध §

9. कितने शिक्षक ऐसे हैं जो मैट्रिक से कम योग्यता वाले हैं ? :- §आँकड़े अनुपलब्ध §

10. शिक्षक प्रशिक्षण में साधनसेवियों द्वारा सहभागिता पर आधारित प्रशिक्षण दिया जाता है। ज्ञान प्राप्ति कराने से अधिक विद्यालय में क्रियाकलाप पर आधारित शिक्षण पर अधिक जोर दिया जाता है। संज्ञानात्मक एवं असंज्ञानात्मक विकास के लिए व्यावहारिक एवं खेलकूद विधा में अभ्यास कराया जाता है। मल्टीग्रेड टीचिंग, स्थानीय वातावरण के उपयोग, क्लासरूम मैनेजमेंट और बेसिक कम्पीटेन्सी के लिए प्रशिक्षण सामग्रियों का उपयोग अनुभवी साधनसेवियों की वार्ता एवं सहभागिता के आधार पर प्रतिभागियों के अनुभव द्वारा उन्हें सशक्त करने का प्रयास किया जाता है।

11. यदि डायट केन्द्र मरौल और डायट उपकेन्द्र रामबाग को साधन सम्पन्न कर दिया जाय तो सेवाकालीन प्रशिक्षण में तीन वर्ष और अधिक लगेंगे।

12. शिक्षकों को विभिन्न गुच्छों में बाँटा जा चुका है।

13. डायट के विकास हेतु एक कार्ययोजना तैयार कर बिहार शिक्षा परियोजना परिषद को सौंपी जा चुकी है।

14. बी०सी०आर० और ऑडियो विजुअल फैसिलिटीज का प्रशिक्षण में उपयोग नहीं किया जाता है।

15. एम०एल०एल० पर आधारित प्रशिक्षण के लिए एन०सी०ई०आर०टी० एवं एस०सी०ई०आर०टी० द्वारा सामग्रियाँ बनाई जा चुकी हैं जिनका उपयोग किया जा रहा है। इस जिले में भी आइटम पुल तैयार करने की योजना है। इसके लिए प्रयास शुरू किया जा चुका है। अक्टूबर 94 तक भाषा, गणित एवं पर्यावरण अध्ययन विषय पर आइटम पुल तैयार कर लेने की योजना है।

16. शिक्षक प्रशिक्षकों का प्राथमिक शिक्षा की ओर उन्मुखीकरण के लिए अन्तर्राज्य पर्यटन सह प्रशिक्षण, विद्यालयों का स्थल निरीक्षण एवं मूल्यांकन कार्य में लगाकर किया जाता है।

17. यह सुनिश्चित किया जाता है कि प्रशिक्षण का उपयोग वे अपने वर्गों में कर सकें हैं।

18. डायट के अन्तर्गत लैब एरिया का निर्धारण हो चुका है। यह बालिका मध्य विद्यालय, ढोली में कार्यरत है।

19. [illegible]

20. अप्रशिक्षित शिक्षकों के बैक लॉग को गुल्गोष्ठियों के माध्यम से दूर किया जाएगा।

21. प्रस्तावित नई नियुक्तियों से उत्पन्न समस्याओं का निदान योग्य प्रशिक्षकों की नियुक्ति, पाठ्यक्रम निर्माण एवं प्रशिक्षण सामग्रियों को उपलब्ध करा कर किया जा सकता है।

[illegible] NO. 1
[illegible]/93

COMPUTER SECTION BIHAR EDUCATION PROJECT, MUZAFFARPUR **
BLOCK WISE LIST OF P/M SCHOOLS, TEACHERS, ENROLMENT & T/S RATIO

*** DISTRICT MUZAFFARPUR ***

SL NO.	NAME OF THE BLOCK	NO. OF PRIMARY SCHOOLS	NO. OF MIDDLE SCHOOLS	TOTAL	PRIM SCH. WOR. TCH.	MIDD SCH. WOR. TCH.	TOTAL	NO. OF POST SANCTIONED	ENRLMENT OF STU. IN JUNE 1993	NO. OF STU. PER TCH
1	[illegible]UR	133	24	157	276	170	446	524	24243	54.36
2	[illegible]HARI	83	20	103	[illegible]	197	432	435	22674	52.49
3	[illegible]	86	15	101	245	132	377	397	20345	53.97
4	[illegible]AL	121	21	[illegible]	240	150	390	452	19581	50.21
5	[illegible]ATRA	81	21	[illegible]	244	[illegible]	417	417	19433	46.60
6	[illegible]	100	27	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	456	23391	58.92
7	[illegible]ROUL	63	33	96	171	206	377	402	21265	56.41
8	[illegible]ARA	90	29	[illegible]	246	215	461	496	22478	48.76
9	[illegible]SHEBGANJ	101	21	[illegible]	228	136	364	410	20196	55.49
10	SARAIYA	135	31	166	315	268	583	594	32645	55.99
11	[illegible]HANI	126	34	160	325	301	626	690	32363	51.70
12	[illegible]	131	31	[illegible]	[illegible]	219	513	571	28278	55.12
13	MOTIPUR	110	39	149	270	313	583	652	32668	56.03
14	KANTI	146	35	181	369	295	664	692	37426	56.36
15	TOWN AREA	28	63	91	85	533	619	602	20357	32.89
	Total ***	1534	444	1943	3744	3505	7249	7790	377343	

1978

Corrected on 12/10/93

बिहार शिक्षा परियोजना, मुजफ्फरपुर

प्रशिक्षण प्रभाग का प्रतिवेदन

वर्ष–1992–93

1. शिक्षकों का सेवाकालीन प्रशिक्षण (10 दिवसीय)

लक्ष्य	उपलब्धि		कुल
	महिला	पुरुष	
420	159	458	617

वर्ष–1993–94

क्रम	कार्यक्रम	लक्ष्य	उपलब्धि			अभ्युक्ति
			महिला	पुरुष	योग	
1	शिक्षकों का प्रशिक्षण (a) 10/11 दिवसीय प्रशिक्षण	1400	65	630	695	
2	प्रधानाध्यापकों का प्रशिक्षण 5 दिवसीय प्रशिक्षण	100	2	102	104	
3	निरीक्षी पदाधिकारी का 5 दिवसीय प्रशिक्षण	40	2	25	27	
4	थिम स्पेसिफिक सेमिनार 3 दिवसीय	5	–	–	2	गणित में–35 प्रतिभागी पुरुष भाषा में– 35 पु0–31 म0–4 कुल–35

वर्ष–1994–95

क्रम	कार्यक्रम	लक्ष्य	उपलब्धि			अभ्युक्ति
			महिला	पुरुष	योग	
1	शिक्षकों का 10/11 दिवसीय प्रशिक्षण	1400	62	212	274	
2	प्रधानाध्यापकों का प्रशिक्षण (5 दिवसीय)	200	19	501	69	

वर्ष 1993-94 में कार्यशाला आयोजन

विषय:- ग्राम शिक्षा समिति का उद्देश्य एवं गठन,एम०एल०एल० कार्यक्रम,शिक्षकों का उन्मुखीकरण,नामांकन,शिक्षण किट वितरण,विद्यालयों/शौचालय/चापाकल निर्माण ।

तिथि	कार्यशाला स्थल	प्रतिभागियों की संख्या
20-09-1993	प्रखण्ड कार्यालय परिसर,मीनापुर	158
30-09-1993	प्रखण्ड कार्यालय परिसर,बोचहाँ	100
05-10-1993	मध्य विद्यालय,हरिसभा चौक	100
12-10-1993	थर्मल पावर स्टेशन,सभाकक्ष,काँटी	183
16-10-1993	मध्य विद्यालय,सकरा	119
30-10-1993	मध्य विद्यालय,ढोली	112
04-11-1993	प्रशिक्षण महाविद्यालय,तुर्की	160
23-11-1993	मध्य विद्यालय,देवरिया	162
30-11-1993	प्रखण्ड कार्यालय,साहेबगंज	125
07-12-1993	मध्य विद्यालय,औराई (उर्दू)	142
21-12-1993	मध्य विद्यालय,मणिकपुर	165

एम०एल०एल० कार्यक्रम

शिक्षण में गुणात्मक विकास हेतु भारत सरकार के 1986 की शिक्षा नीति के आलोक में गुणवत्ता एवं समता पर आधारित वर्ग 1 से 5 तक के लिए दक्षता आधारित कार्यक्रम तैयार किया गया है। इस कार्यक्रम में यह लक्ष्य रखा गया है कि शैक्षिक उपलब्धि का निर्धारित स्तर किसी निश्चित कक्षा एवं आयु (वर्ग 1 से 5 तक) के सभी शिक्षार्थियों द्वारा प्राप्त किया जाना है।

इस कार्यक्रम के अधीन इस जिले में मीनापुर, मोतीपुर एवं कांटी प्रखण्डों के 178 विद्यालयों का चयन किया गया है। इस जिले में यह कार्यक्रम सर्वप्रथम एन०सी० ई०आर०टी० के तत्वाधान में मीनापुर प्रखण्ड के 77 विद्यालयों में 1992 में शुरू किया गया। वर्ष 1993 में बिहार शिक्षा परियोजना द्वारा सत्रांत परीक्षण आयोजित किए गए एवं उनका विश्लेषण किया गया।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु प्रमुखता के आधार पर शिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। नवाचारी शिक्षण सामग्रियाँ वितरित की जा रही हैं। पूरे साल के लिए एक कार्ययोजना तैयार कर ली गई है जिसके आधार पर कक्षा स्तर पूर्व परीक्षण आयोजित किए गये हैं एवं इकाई परीक्षणों का आयोजन किया जा रहा है। विश्लेषण के आधार पर पिछड़े बच्चों का उपचारात्मक शिक्षण आयोजित किया जा रहा है। वर्ग 1 से 5 तक अलग-अलग फ्लोचार्ट टाँगे जा रहे हैं। उसी फ्लो चार्ट के अनुसार प्रत्येक अधिगम क्षेत्र की सभी दक्षताओं की शिक्षार्थियों में संप्राप्ति हेतु शिक्षण कार्य किए जा रहे हैं। प्रत्येक शिक्षक द्वारा वर्गवार छात्र प्रोफाईल रखने का सुझाव दिया जा चुका है।

न्यूनतम अधिगम कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा हेतु प्रतिमाह गोष्ठियों का आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षण का प्रभाव जानने हेतु अनुश्रवण भी किया जा रहा है। इसकी सफलता के लिए क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारियों एवं प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारियों का उन्मुखीकरण भी किया जा चुका है।

...cue of P...
...d - dmin...
...urobindo M...
...-110016
D-9069
12-03-96

Neutam Adhigam Astar Karyakram ** No. of Schools under M.L.L. Programme = 178 **
Cognative Analysis ** Class : 1 ** Subject : Hindi ** Achievement Test Dec. 1993 **

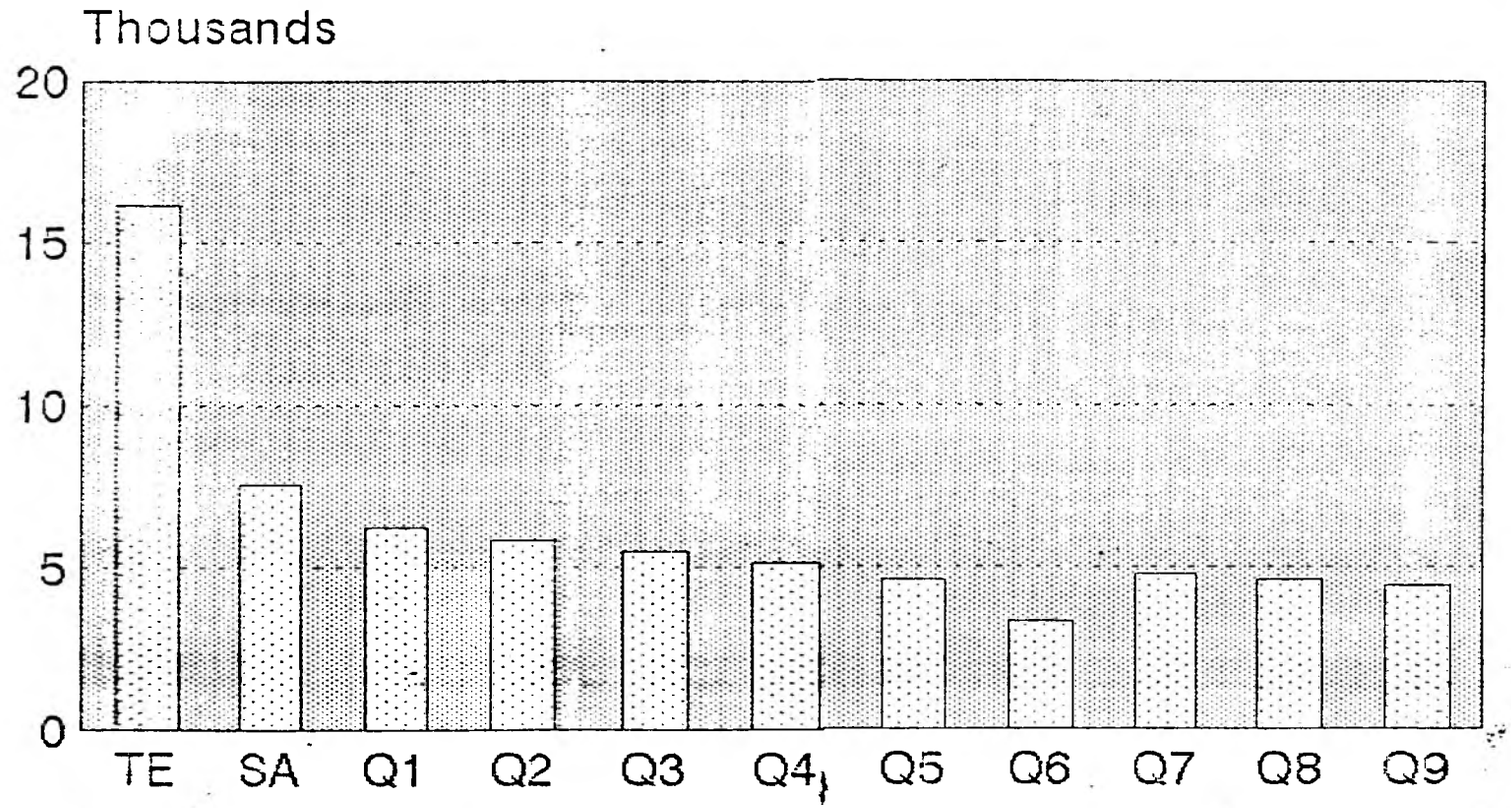

	TE	SA	Q1	Q2	Q3	Q4	Q5	Q6	Q7	Q8	Q9
SCA	16.14	7.565	6.237	5.85	5.437	5.127	4.613	3.325	4.776	4.599	4.437

COMPEATENCY TESTED : Q1= 1.1.1, Q2= 1.1.3, Q3= 2.1.1, Q4= 3.1.1, Q5= 3.1.3, Q6= 6.1.1, Q7=2.1.2, Q8=1.1.2, Q9=4.1.3, LEGEND TITLE SCA= NO. OF STUDENTS COMPEATENCY ACHIEVED, TE= TOTAL ENROLMENT OF STUDENTS, SA= STUDENTS APPEARED *** Achievement Level : 65.29% ***

BIHAR EDUCATION PROJECT, MUZAFFARPUR ** COMPUTER CELL **

Neuntam Adhigam Astar Karyakaram ** No. of Schools under MLL Programme =178 **

COGNATIVE ANALYSIS ** CLASS I ** GANIT ** Achievement Test Dec. 1993 **

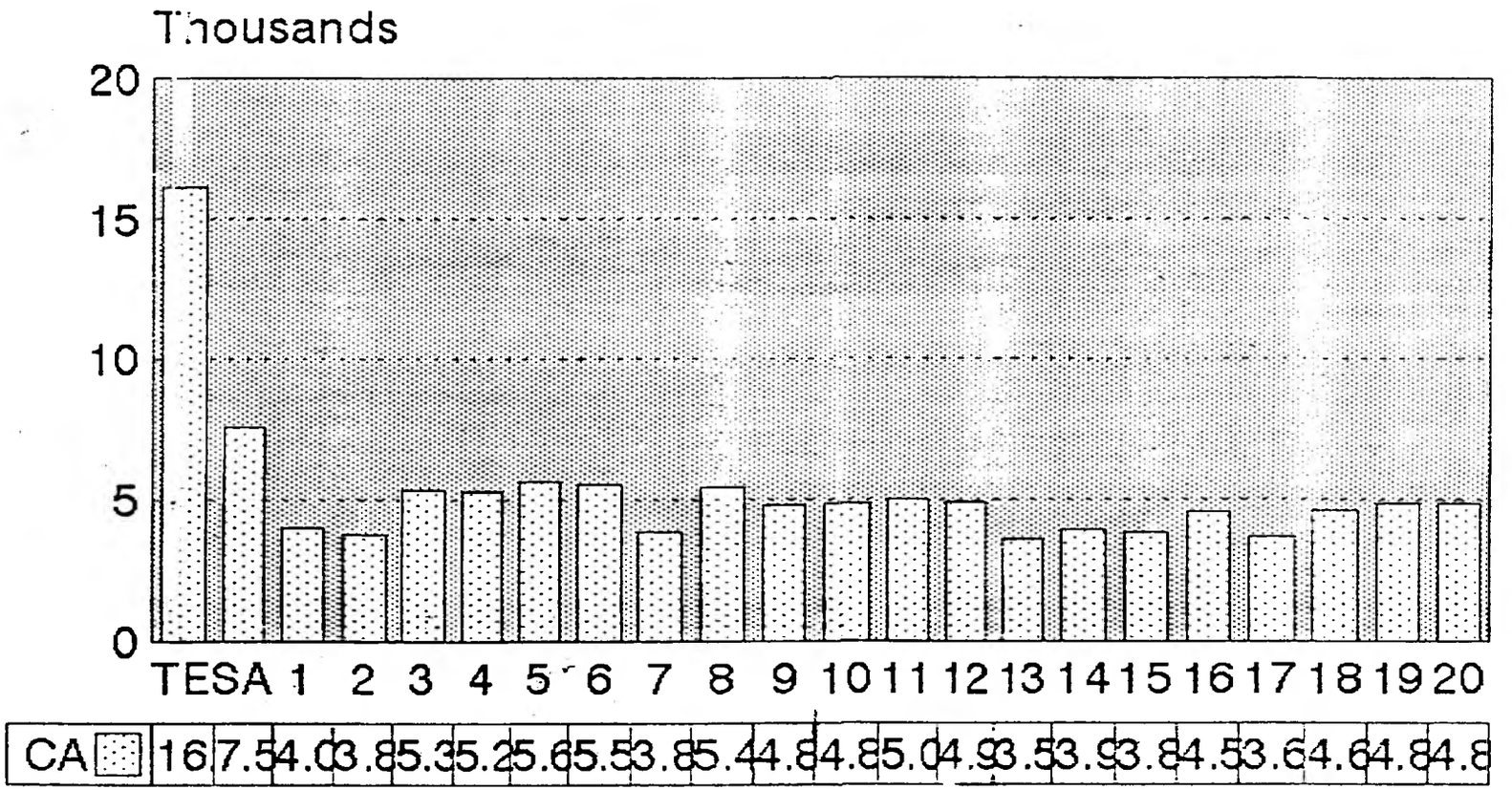

	TESA	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
CA	16 / 7.5	4.0	3.8	5.3	5.2	5.6	5.5	3.8	5.4	4.8	4.8	5.0	4.9	3.5	3.9	3.8	4.5	3.6	4.6	4.8	4.8

COMPCY TESTED : Q1=1.1.2,Q2=1.1.2,Q3=1.1.3,Q4=1.1.5,Q5=2.1.1,Q6=2.1.4,Q7=2.1.5,Q8=3.1.1,Q9=3.1.2,Q10 =3.1.3,Q11=3.1.4,Q12=3.1.5,Q13=5.1.1,Q14=5.1.1,Q15=5.1.3,Q16=1.1.6,Q17=1.1.7,Q18=1.1.9,Q19=2.1.5,Q20 =5.1.2,CA=COMPEATENCY ACHIEVED,TE=TOTAL ENROLMENT,SA= STUDNT APPEARED,* ACHIEVEMENT LEVEL= 61.24% *

BIHAR EDUCATION PROJECT, MUZAFFARPUR ** COMPUTER CELL **

Neuntam Adhigam Astar Karyakram ** No. of Schools under MLL Programme = 178 **

COGNATIVE ANALYSIS ** CLASS : I ** SUBJECT : ENVIRONMENT ** Achievement Test Dec. 1993 **

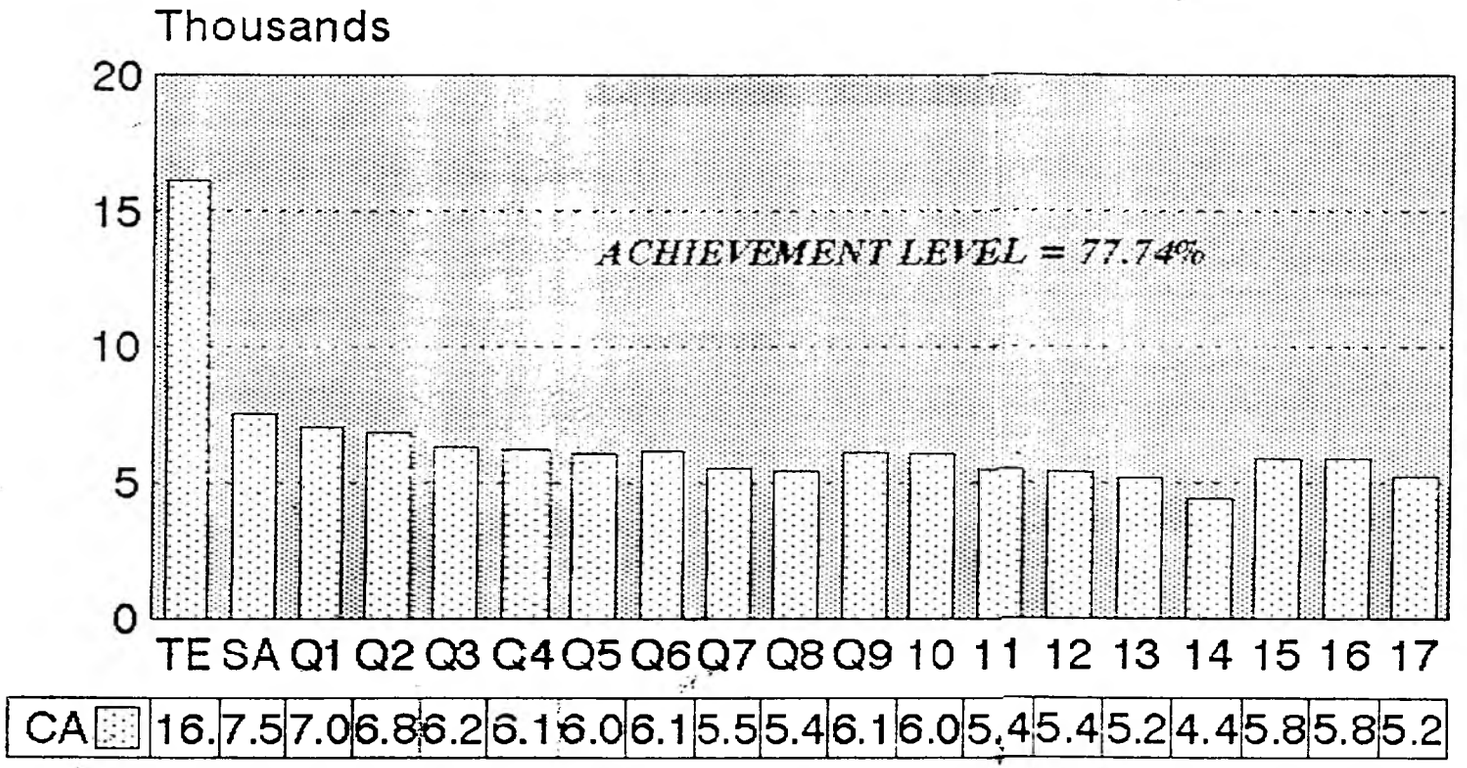

	TE	SA	Q1	Q2	Q3	Q4	Q5	Q6	Q7	Q8	Q9	10	11	12	13	14	15	16	17
CA	16.	7.5	7.0	6.8	6.2	6.1	6.0	6.1	5.5	5.4	6.1	6.0	5.4	5.4	5.2	4.4	5.8	5.8	5.2

TE=TOTAL ENROLMENT,SA=STUDENT APPEARED,COMPEATENCY TESTED :Q1=1.1.1,Q2=1.1.1,Q3=1.1.2,Q4=1.1.3,Q5==1.1.4,Q6=2.1.1,Q7=2.1.1,Q8=2.1.2,Q9=3.1.1,Q10=3.1.1,Q11=3.1.2,Q12=3.1.3,Q13=4.1.1,Q14=4.1.1,Q15=4.1.2,Q16=4.1.3,Q17=5.1.3. * CA= COMPEATENCY ACHIEVEMENT *

BIHAR EDUCATION PROJECT, MUZAFFARPUR ** COMPUTER CELL **
Nuntam Adhigam Astar Kryakram ** No. of Schools under M.L.L. Programme = 178 **
Non-Cognative Analysis of Class : I Students ** Achievement Test Dec. 1993 **

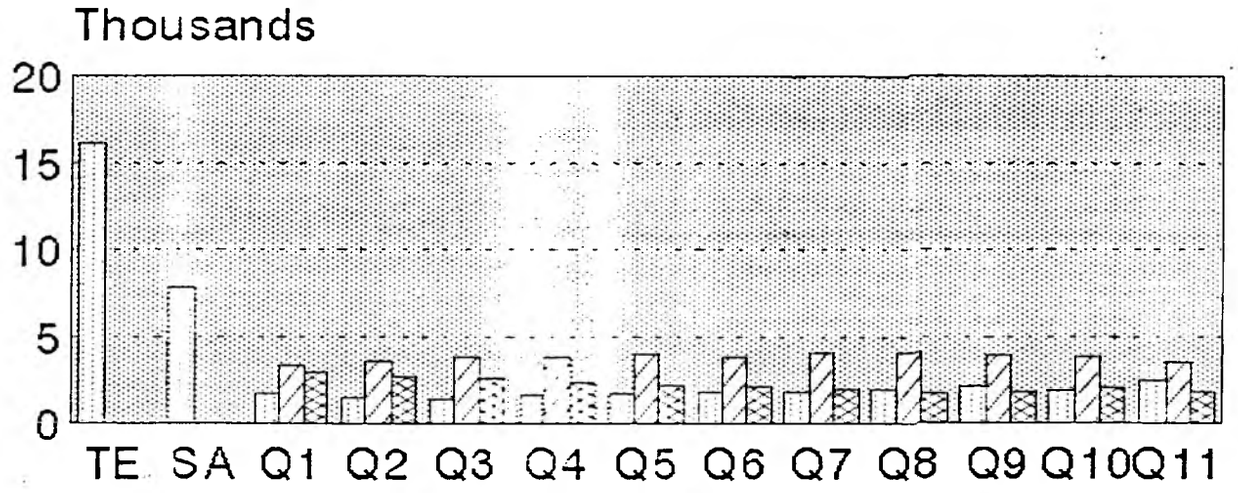

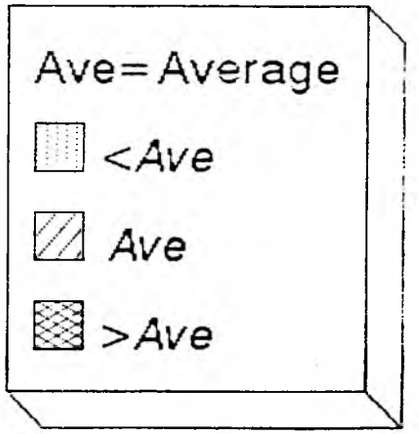

<Ave	16.1	7.86	1.70	1.51	1.42	1.64	1.74	1.79	1.81	1.97	2.13	1.90	2.48
Ave			3.32	3.61	3.83	3.86	4.02	3.88	4.06	4.10	3.93	3.89	3.52
>Ave			2.94	2.71	2.60	2.35	2.19	2.18	1.98	1.78	1.8	2.05	1.85

TE= Total Enrolment, SA= Students Appeared, Q1= Niyamitata, Q2= Samaynistha, Q3= swachhata
Q4= Parishramshilata, Q5= Kartvaya Bhawana, Q6= Seva Bhaw, Q7= Samanta Ki Bhawana
Q8= Sahakarita, Q9= Uttardayitva Ki Bhawana, Q10= Satyanistha, Q11= Rastra Ke Prati Lagaw

Neuntam Adhigam Astar Kryakram ** No. of Schools under MLL Programme =178 **
COGNATIVE ANALYSIS ** CLASS II ** SUBJECT : HINDI ** Achievement Test Dec. 1993 **

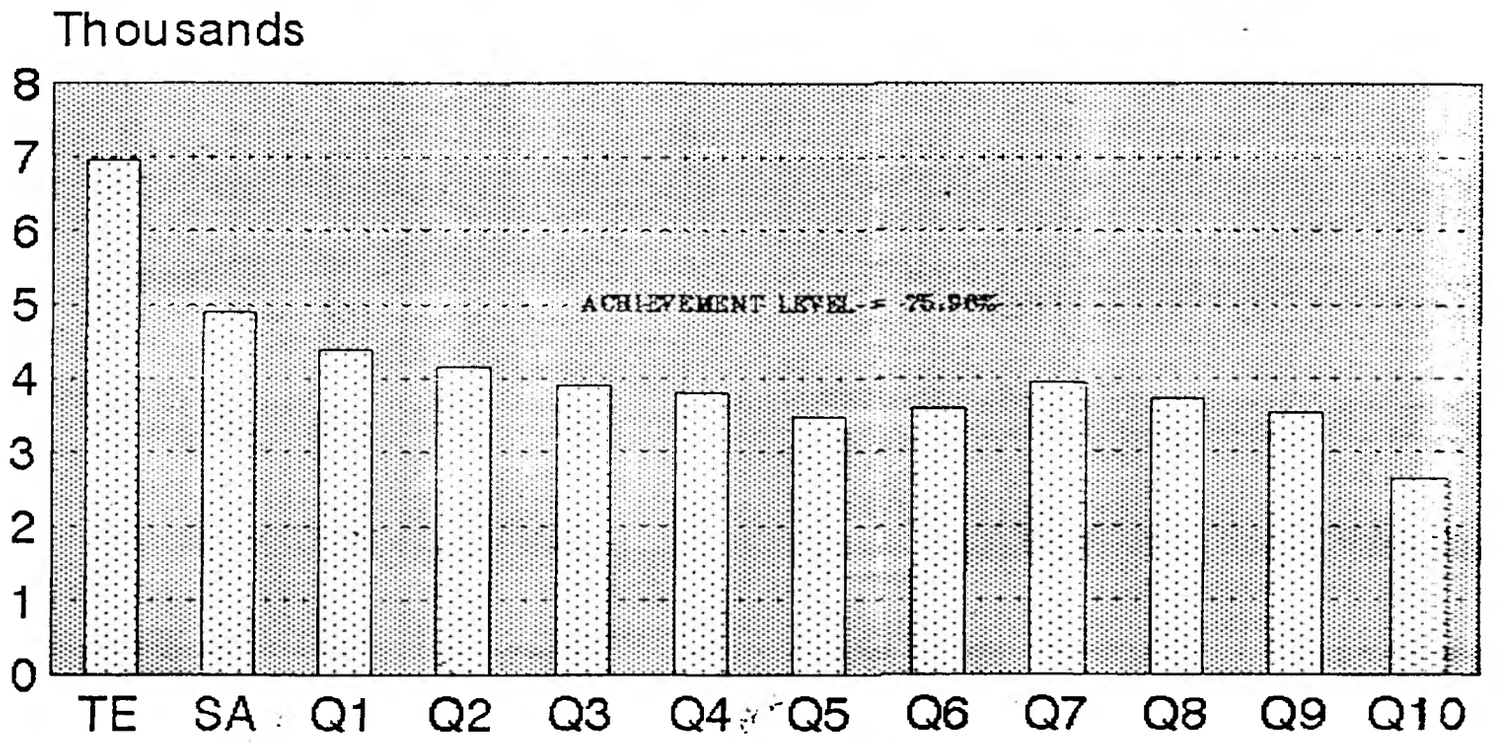

CA	6.954	4.893	4.386	4.156	3.901	3.8	3.468	3.6	3.953	3.721	3.534	2.648

TE= TOTAL ENROLMENT, SA= STUDENT APEARED, COMPEATENCY TESTED :Q1=1.2.1.,Q2=1.2.3,Q3=2.2.2,Q4=3.2.1,
Q5=6.2.1,Q6=8.2.1,Q7=9.2.1,Q8=4.2.1,Q9=4.2.2,Q10=4.2.3.
** CA = COMPEATENCY ACHIEVEMENT **

SMART EDUCATION PROJECT, MUZAFFARPUR COMPUTER CELL

Neuntam Adhigam Astar Karyakram ** No. of Schools under MLL Programme = 178 **

COGNATIVE ANALYSIS ** CLASS : II ** SUBJECT : GANIT ** Achievement Test Dec. 1993 **

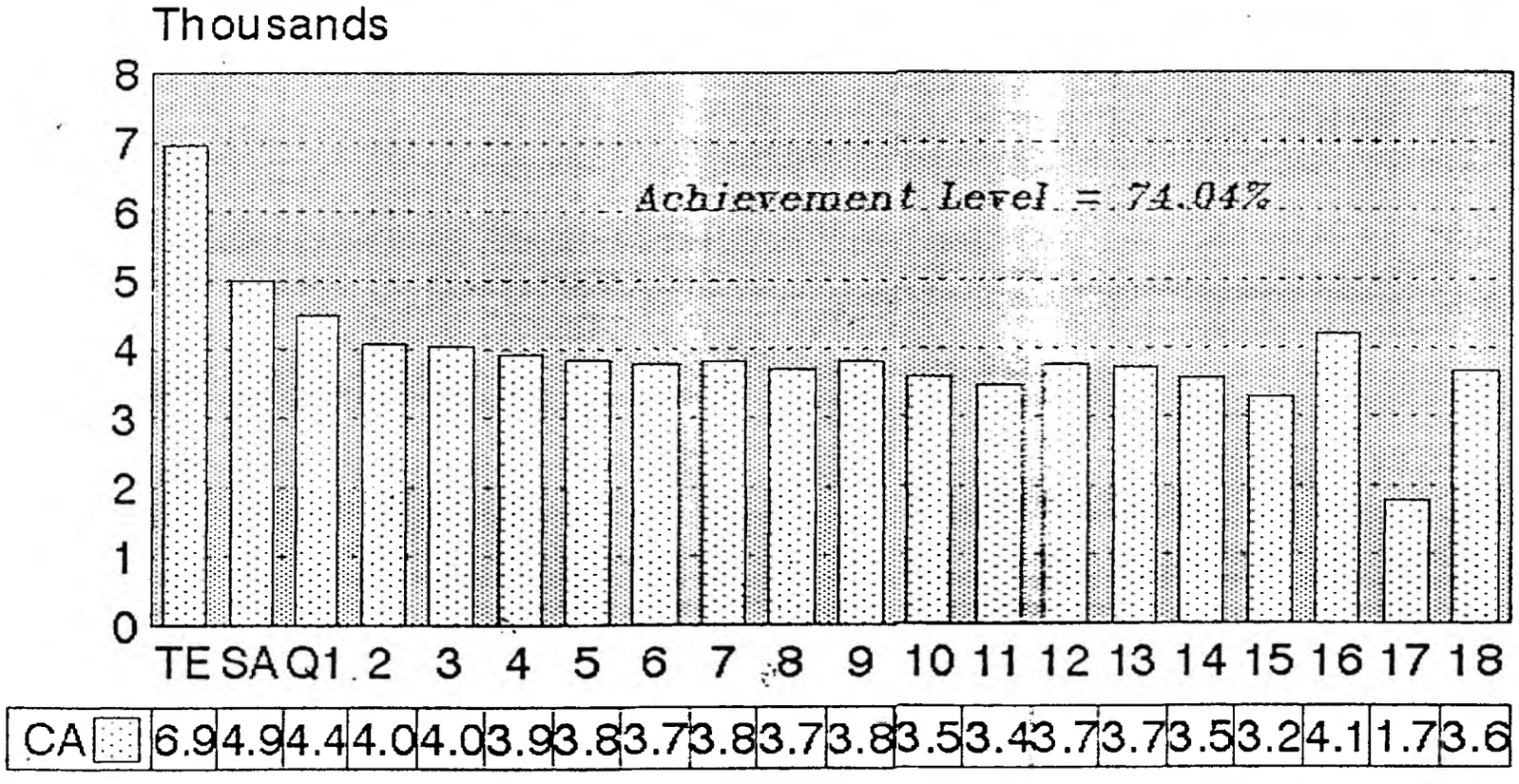

TE=TOTAL ENROLMENT, SA=STUDENT APPEARED, COMPEATENCY TESTED Q1=1.2.1,Q2=1.2.2,Q3=1.2.4,Q4=2.2.4, Q5=2.2.5,Q6=2.2.9,Q7=3.2.2,Q8=3.2.3,Q9=3.2.4,Q10=3.2.5,Q11=5.2.1,Q12=1.2.3,Q13=2.2.2,Q14=2.2.3, Q15=2.2.7,Q16=2.2.8,Q17=3.2.1,Q18=5.2.2. ** CA = COMPEATENCY ACHEVEMENT **

Neuntam Adhigam Astar Karyakram ** No. of Schools under MLL Programme = 178 **
COGNATIVE ANALYSIS ** CLASS : II ** SUBJECT : PARYAVARAN ** Achievement Test Dec. 1996 **

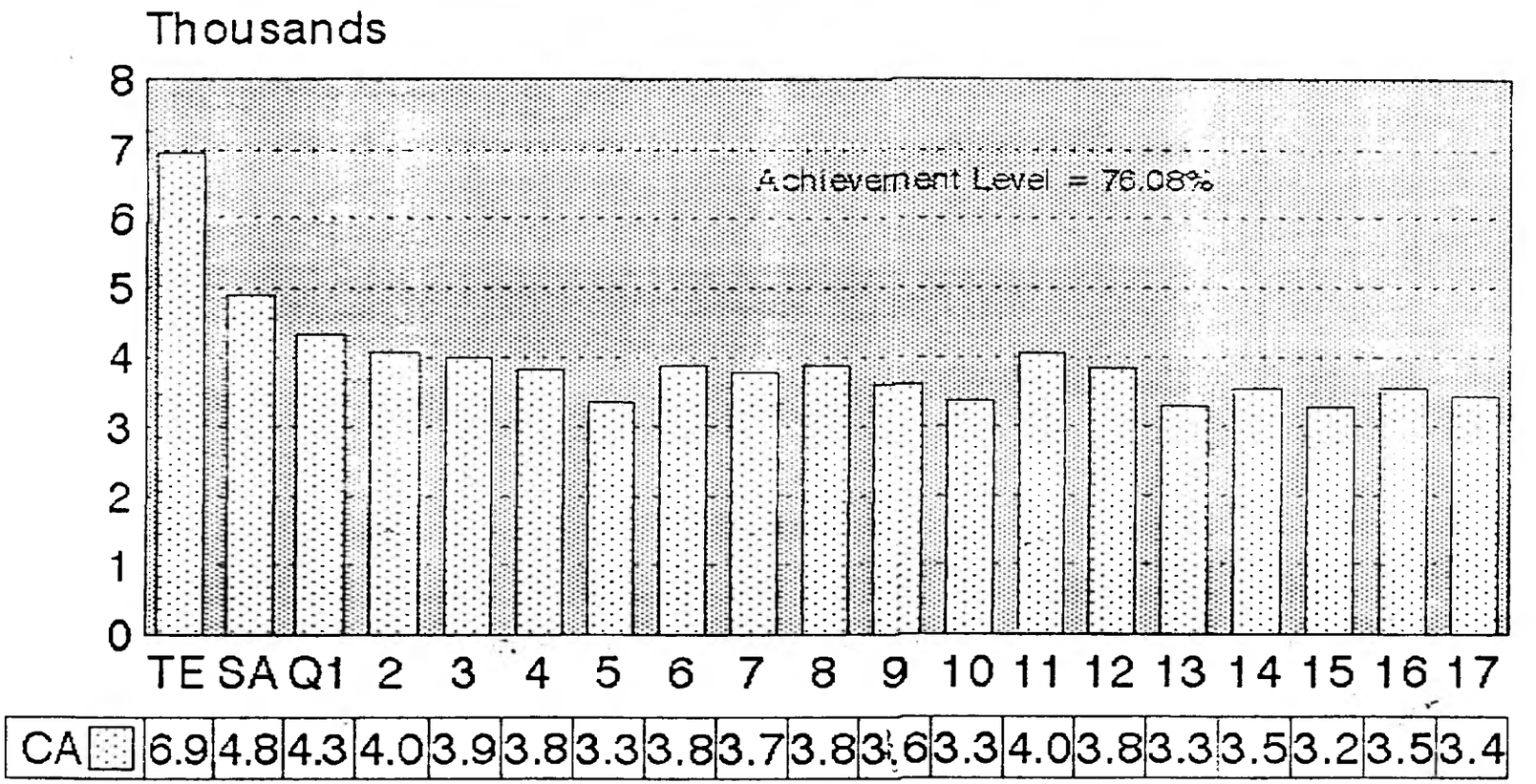

	TE	SA	Q1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
CA	6.9	4.8	4.3	4.0	3.9	3.8	3.3	3.8	3.7	3.8	3.6	3.3	4.0	3.8	3.3	3.5	3.2	3.5	3.4

TE=TOTAL ENROLMENT,SA=STUDENTS APPEARED, COMPEATENCY TESTED:Q1=1.2.1,Q2=1.2.2,Q3=1.2.3,Q4=1.2.5,Q5=2.2.1,Q6=2.2.3,Q7=3.2.2,Q8=2.2.3,Q9=3.2.4,Q10=4.2.1,Q11=4.2.2,Q12=4.2.3,Q13=4.2.4,Q14=4.2.5,Q15=5.2.3 Q16=5.2.3,Q17=5.2.4, CA=COMPEATENCY ACHEVEMENT.

BIHAR EDUCATION PROJECT, MUZAFFARPUR ** COMPUTER CELL **

Neuntam Adhigam Astar Karyakram ** No. of School under M.L.L. Programme = 178 **

Non-Cognative Analysis of Class : II Students ** Achievement Test Dec. 1993 **

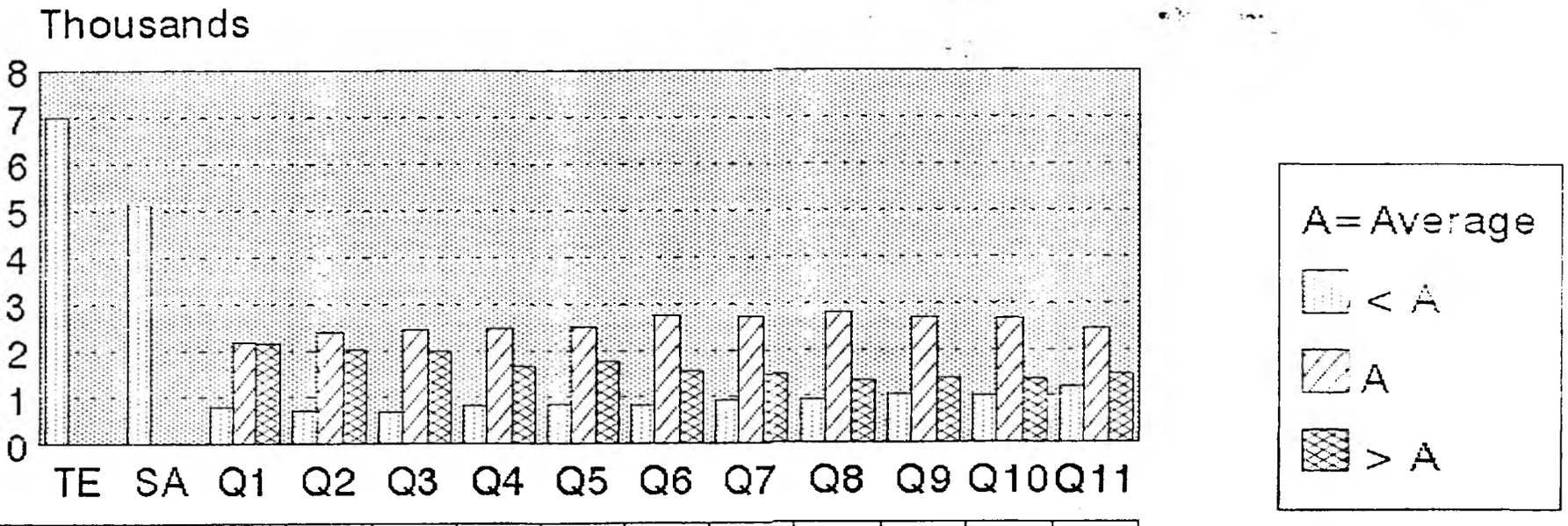

< A	6.98	5.13	0.78	0.71	0.67	0.81	0.85	0.82	0.93	0.94	1.03	1.00	1.21
A			2.18	2.39	2.46	2.46	2.49	2.75	2.71	2.80	2.70	2.66	2.44
> A			2.16	2.02	1.99	1.65	1.78	1.55	1.48	1.32	1.38	1.36	1.48

TE = Total Enrolment, SA = Students Appeared, Q1 = Niyamitata, Q2 = Samaynistha, Q3 = Swachhata
Q4 = Parishramshilata, Q5 = Kartvya Bhawana, Q6 = Seva Bhaw, Q7 = Samanata Ki Bhawana
Q8 = Sahakarita, Q9 = Uttardayitva Ki Bhawana, Q10 = Satyanistha, Q11 = Rastra Ke Prati Lagaw

[illegible]MUZAFFARPUR ** COMPUTER CELL **

Neuriam A[illegible]gam Asiar Karyakram ** No. of Schools under MLL Programme = 178 **

COGNATIVE ANALYSIS ** CLASS III ** SUBJECT : HINDI ** Achievement Test Dec. 1993 **

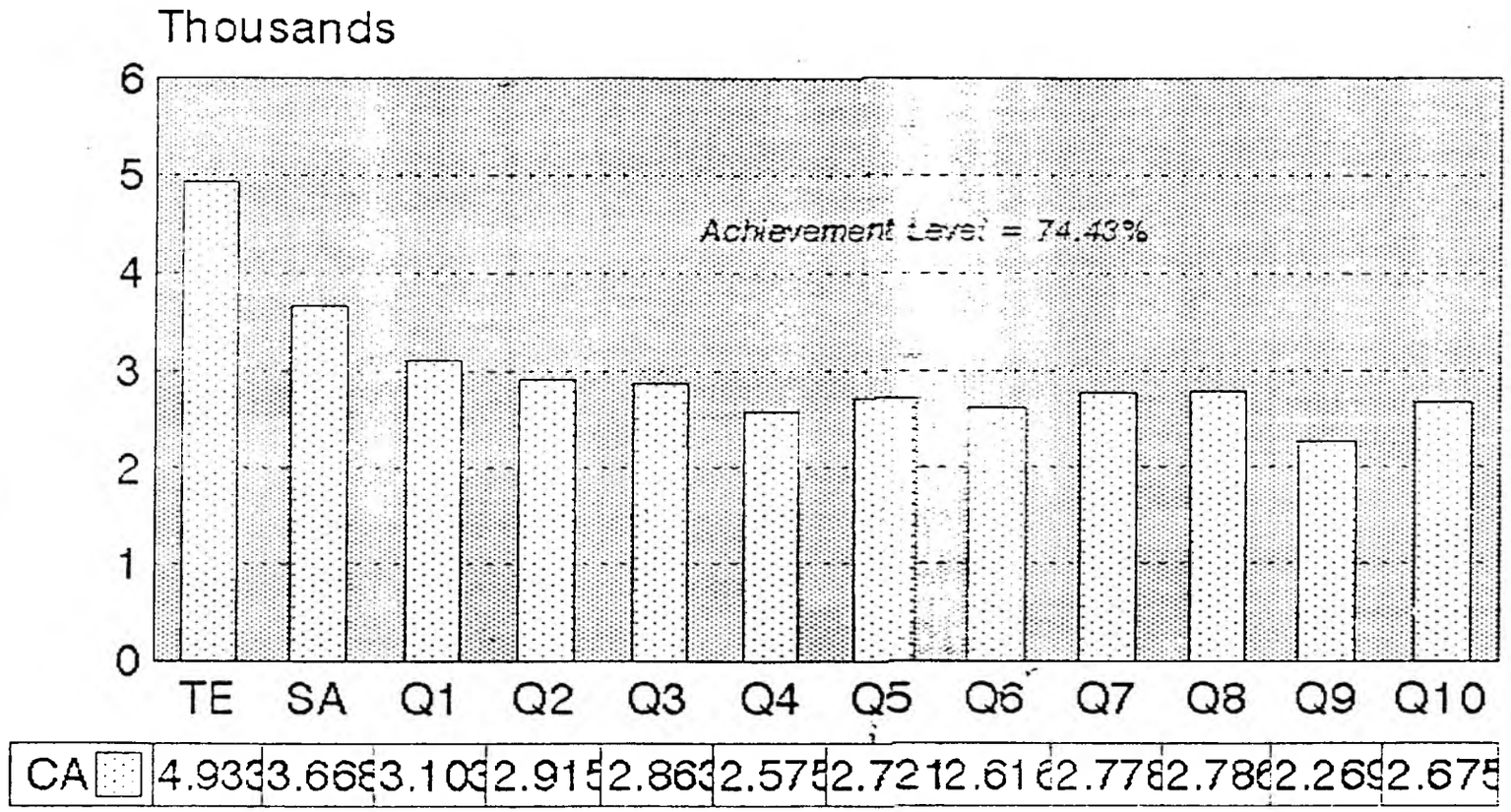

	TE	SA	Q1	Q2	Q3	Q4	Q5	Q6	Q7	Q8	Q9	Q10
CA	4.93	3.66	3.10	2.91	2.86	2.57	2.72	2.61	2.77	2.78	2.26	2.67

TE=TOTAL ENROLMENT,SA=STUDENTS APPEARED,COMPEATENCY TESTED : Q1=1.2.1, Q2=1.3.3,Q3=2.3.1,Q4=3.3.1,Q5 =2.3.2,Q6=3.3.6,Q7=3.3.3,Q8=3.3.2,Q9=4.3.3,Q10=4.3.2, CA = COMPEATENCY ACHIEVEMENT.

[illegible] EDUCATION PROJECT, MUZAFFARPUR ** COMPUTER CELL **

Neunfam Adhigam Asfar Karyakram ** No. of Schools under MLL Programme = 178 **

COGNATIVE ANALYSIS ** CLASS : III ** SUBJECT : GANIT ** Achievement Test Dec 1993 **

	TE	SA	Q1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
CA	4.9	3.7	3.3	3.1	2.6	2.4	2.7	3.0	2.5	2.5	3.0	2.1	2.3	2.6	2.7	2.4	2.4	1.9	2.2

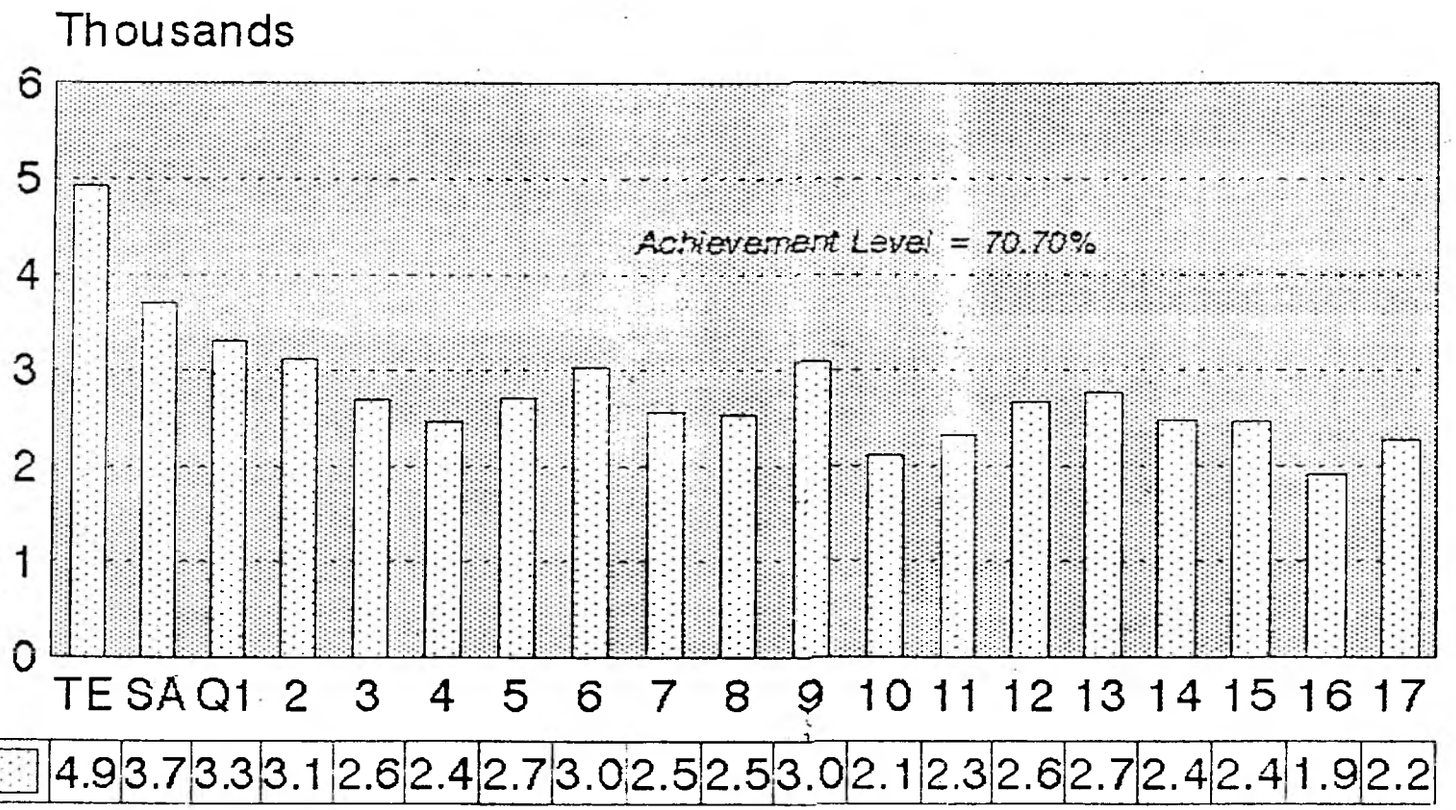

TE=TOTAL ENROLMENT,SA=STUDENTS APPEARED,COMPEATENCY TESTED : Q1=2.2.4,Q2=3.3.2,Q3=3.3.1,Q4=3.3.1,Q5=5.3.1,Q6=3.4.1,Q7=1.3.5,Q8=1.3.6,Q9=2.3.2,Q10=2.3.7,Q11=2.3.1,Q12=3.3.2,Q13=3.3.7,Q14=3.3.1,Q15=3.3.1,Q16=4.3.2,Q17=5.3.2, CA = COMPEATENCY ACHIEVEMENT .

... EDUCATION PROJECT, MUZAFFARPUR ** COMPUTER CELL **

Neuntam Adhigam Astar Karyakram ** No. of Schools under MLL Programme = 178 **

COGNATIVE ANALYSIS ** CLASS III ** SUBJECT PARYAVARAN ** Achievement Test Dec 1993 **

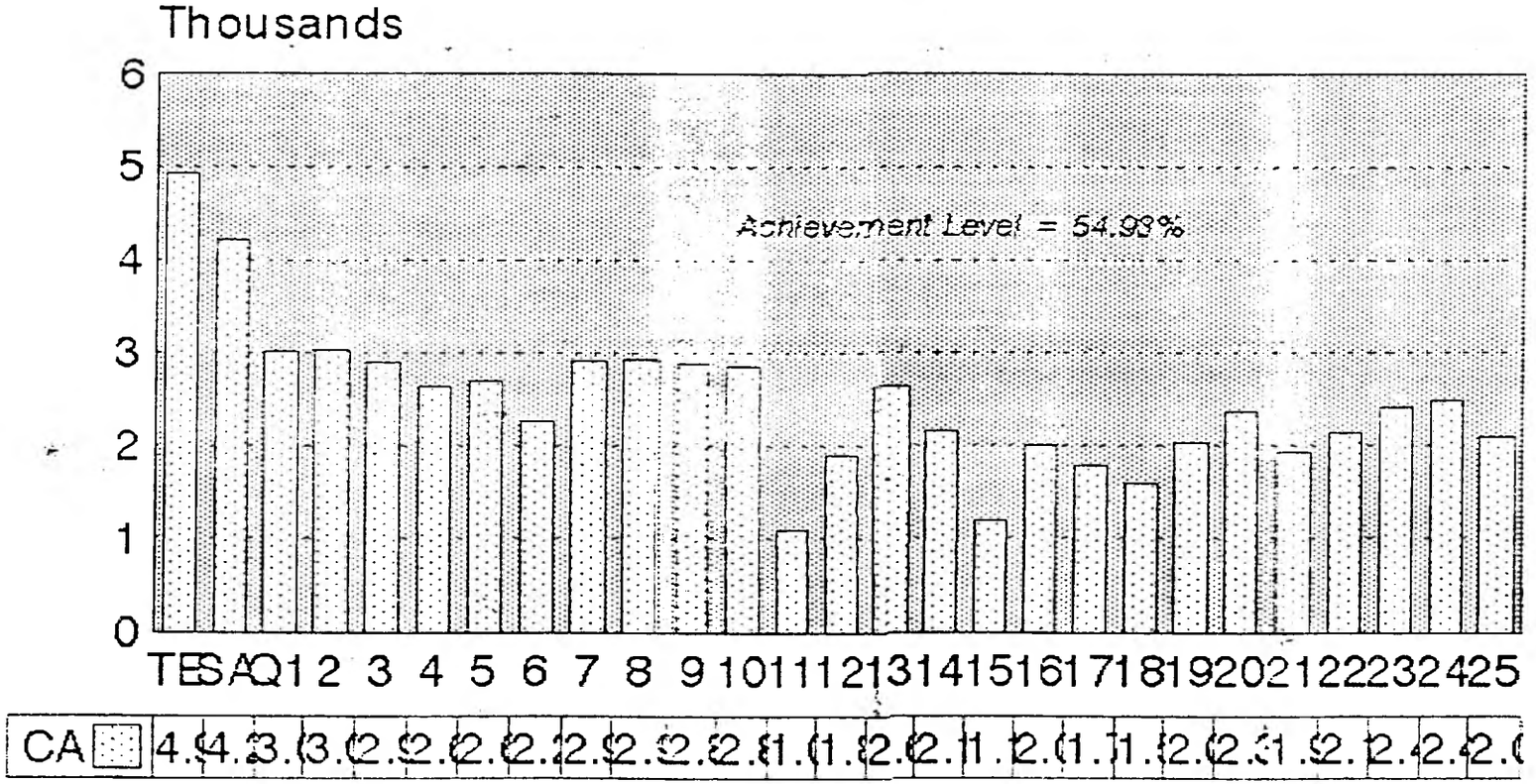

TE=TOTAL ENROLMENT,SA=STUDENTS APPEARED,COMPETENCY TESTED:Q1=1.3.1,Q2=1.3.2,Q3=1.3.3,Q4=1.3.4,Q5=2.3.1,Q6=2.3.2,Q7=3.3.1,Q8=3.3.2,Q9=3.3.4,Q10=4.3.4,Q11=4.3.5,Q12=4.3.6,Q13=5.3.1,Q14=5.3.3,Q15=5.3.4 Q17=6.3.2,Q18=7.3.1,Q19=7.3.2,Q20=8.3.1,Q21=8.3.2,Q22=8.3.3,Q23=9.3.1,Q24=10.3,Q25=10.3,CA=COMP. ACH.

BIHAR EDUCATION PROJECT, MUZAFFARPUR ** COMPUTER CELL **

Neuntam Adhigam Astar Karyakram * No. of Schools uncer M.L.L. Programme = 178 *

Non-Cognative Analysis of Class III Students * Achievement Test Dec. 1998 *

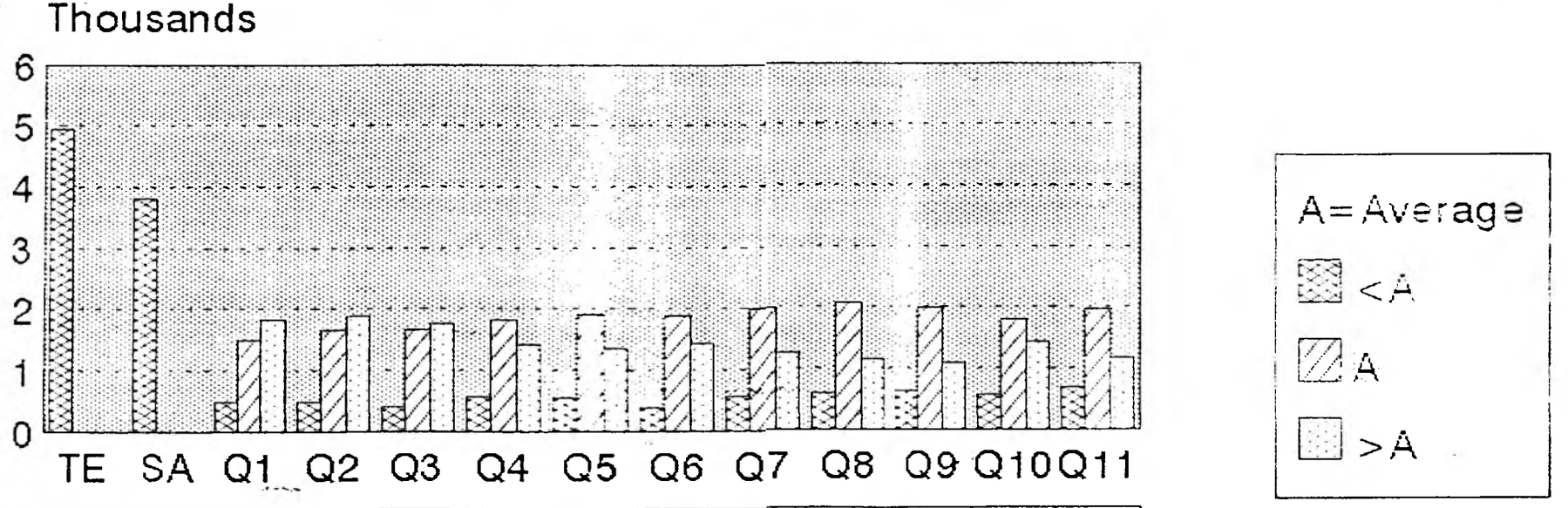

<A	4.95	3.81	0.48	0.47	0.39	0.57	0.55	0.39	0.57	0.58	0.64	0.56	0.69
A			1.50	1.65	1.66	1.82	1.9	1.88	1.98	2.07	1.99	1.81	1.95
>A			1.82	1.89	1.75	1.41	1.35	1.43	1.24	1.14	1.09	1.44	1.16

TE = Total Enrolment, SA = Students Appeared, Q1 = Niyamitata, Q2= Samaynistha, Q3= Swachhata
Q4 = Parishramshilata, Q5= Kartvaya Bhawana, Q6= Seva Bhaw, Q7= Samanata Ki Bhawana
Q8 = Sahakarita, Q9= Uttardayitva Ki Bhawana, Q10= Satyanistha, Q11= Rastra Ke Prati Lagaw

BIHAR EDUCATION PROJECT,MUZAFFARPUR ** COMPUTER CELL **

Neuntam Adhigam Astar Karyakram ** No. of Schools under MLL Programme = 178 **

COGNATIVE ANALYSIS ** CLASS: IV ** SUBJECT : HINDI ** Achievement Test Dec 1995 **

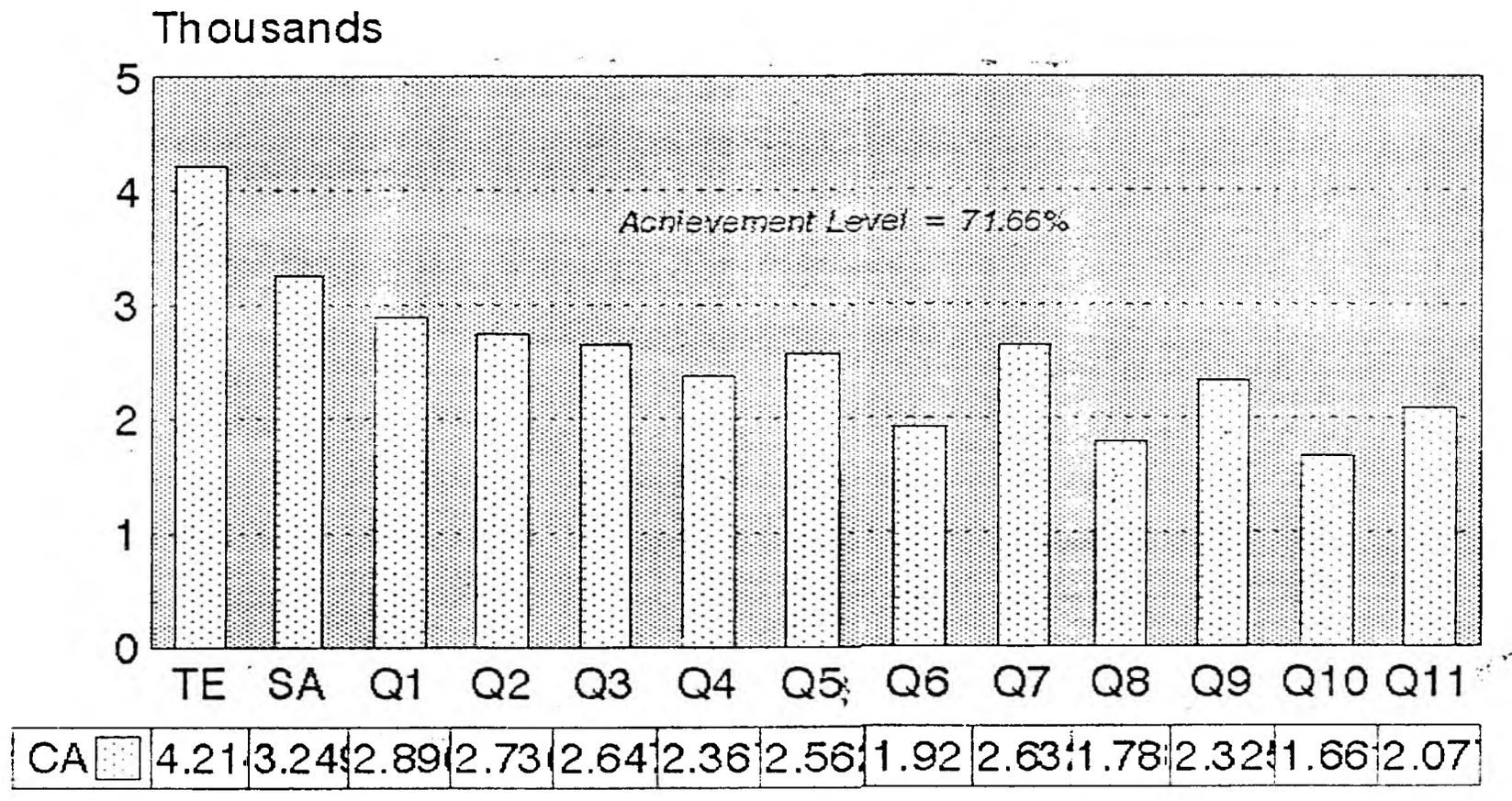

	TE	SA	Q1	Q2	Q3	Q4	Q5	Q6	Q7	Q8	Q9	Q10	Q11
CA	4.21	3.24	2.89	2.73	2.64	2.36	2.56	1.92	2.63	1.78	2.32	1.66	2.07

TE=TOTAL ENROLMENT,SA=STUDENTS APPEARED,COMPEATENCY TESTED :Q1=1.4.1,Q2=2.4.1,Q3=2.4.2,Q4=2.4.3,Q5=3.4.2,Q6=4.4.3,Q7=6.4.1,Q8=9.4.1,Q9=9.4.1,Q10=6.4.1 Q11=4.4.2, CA = COMPEATENCY ACHIEVEMENT.

BIHAR EDUCATION PROJECT, MUZAFFARPUR ** COMPUTER CELL **

Neuntam Adhigam Astar Karyakram ** No. of Schools under MLL Programme = [illegible] **

COGNATIVE ANALYSIS ** CLASS IV ** SUBJECT : GANIT ** Achievement Test = Dec. 1995 **

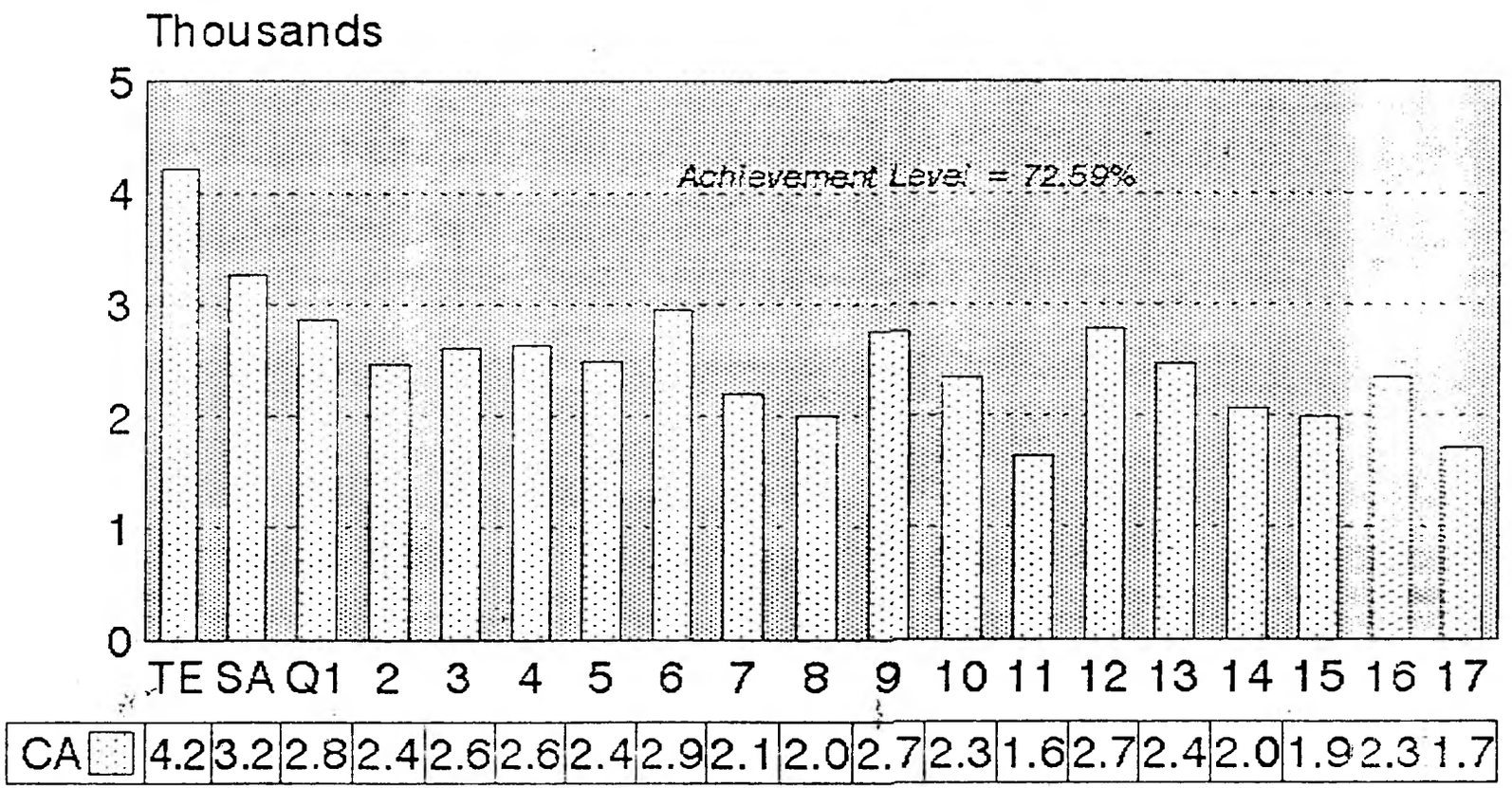

	TE	SA	Q1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
CA	4.2	3.2	2.8	2.4	2.6	2.6	2.4	2.9	2.1	2.0	2.7	2.3	1.6	2.7	2.4	2.0	1.9	2.3	1.7

TE=TOTAL ENROLMENT,SA=STUDENTS APPEARED,COMPEATENCY TESTED:Q1=1.4.3,Q2=1.4.7,Q3=2.4.13,Q4=2.4.[illegible],Q5=3.4.21,Q6=1.4.3,Q7=1.4.6,Q8=1.4.8,Q9=2.4.1,Q10=2.4.2,Q11=3.4.4,Q12=3.4.7,Q13=3.4.12,Q14=3.4.19,Q15 4.4.3,Q16=4.4.16,Q17=5.4.4, CA= COMPEATENCY ACHIEVMENT.

BIHAR EDUCATION PROJECT, MUZAFFARPUR ** COMPUTER CELL **

Nauntam Adhigam Astar Karyakram ** No. of Schools under MLL Programme = 178 **

COGNATIVE ANALYSIS ** CLASS IV ** SUBJECT PARYAVARAN ** Achievement Test Dec 1998 **

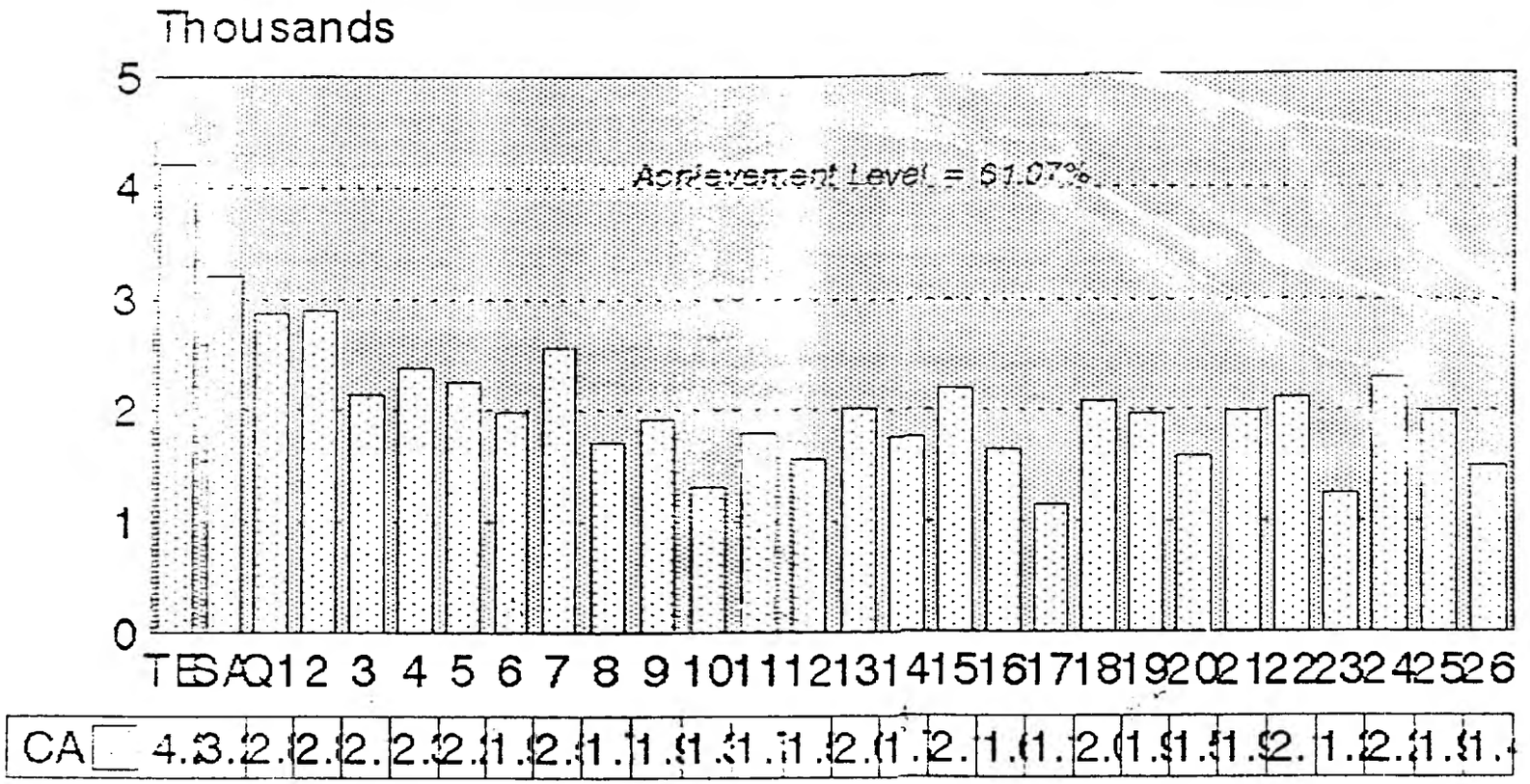

CA = Competency Achievement

TE= TOTENRO SA= STUDS APPE., COMP.TESTED Q1= 1.4.1,Q2= 1.4.1,Q3= 2.4.1,Q4= 2.4.2,Q5= 3.4.1,Q6= 3.4.3 Q7= 4.4.1,Q8= 4.4.1 Q9= 4.4.1,Q10= 4.4.1,Q11= 4.4.1,Q12= 5.4.1 Q13= 5.4.2,Q14= 5.4.4,Q15= 6.4.1,Q16= 6.4.2,Q17= 6.4.2 Q18= 7.4.1 Q19= 7.4.2,Q20= 8.4.1,Q21= 8.4.4,Q22= 8.4.1 Q23= 9.4.2,Q24= 10.4.1.2,Q25= 10.4.1.3,Q26= 10.4.2

BIHAR EDUCATION PROJECT, MUZAFFARPUR * COMPUTER CELL *

Neuntam Adhigam Astar Karyakram * No. of Schools under M.L.L. Programme = 176 *

Non-Cognative Analysis of Class IV Students * Achievement Test Dec 1993 *

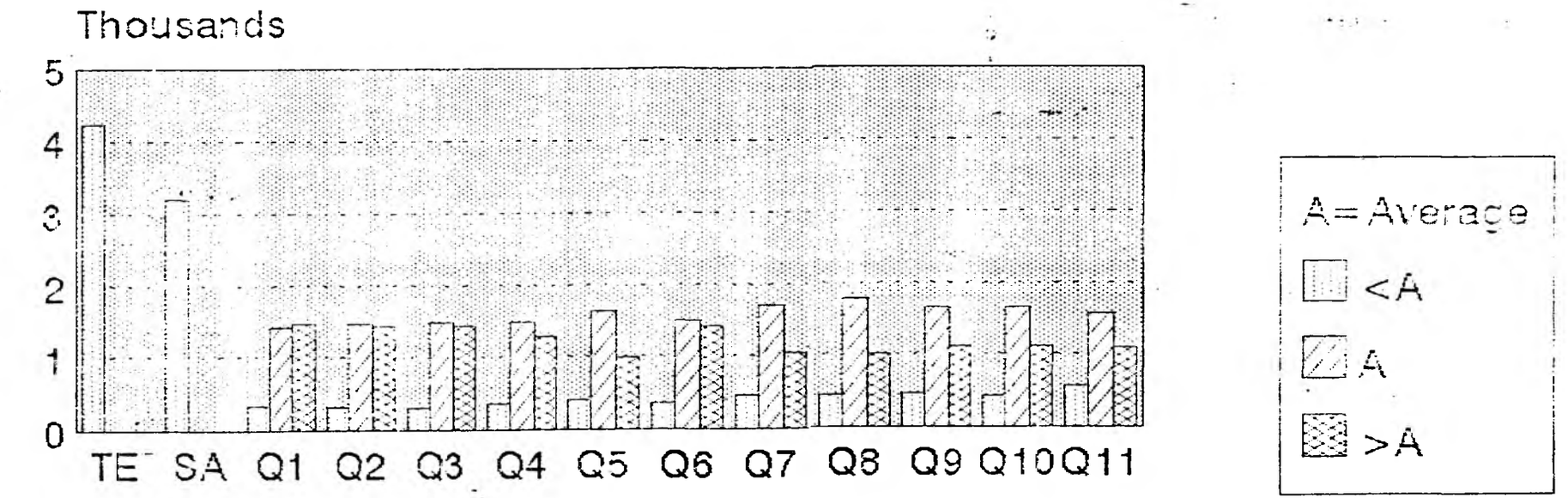

	TE	SA	Q1	Q2	Q3	Q4	Q5	Q6	Q7	Q8	Q9	Q10	Q11
<A	4.23	3.20	0.33	0.32	0.30	0.35	0.41	0.36	0.45	0.43	0.45	0.42	0.55
A			1.40	1.45	1.48	1.48	1.62	1.50	1.71	1.76	1.65	1.66	1.56
>A			1.46	1.42	1.43	1.27	0.95	1.41	1.04	1.00	1.11	1.11	1.08

TE = Total Enrolment, SA = Students Appeared, Q1 = Niyamitata, Q2 = Samaynistha, Q3 = Swachhata, Q4 = Parishramshilata, Q5 = Kartavya Bhawana, Q6 = Seva Bhaw, Q7 = Smanata K. Bhawana, Q8 = Sahakarita, Q9 = Uttardayitwa K. Bhawana, Q10 = Satyanistha, Q11 = Rastra Ke Prati Laga...

No. of Schools under MLL Programme = 178 **

COGNATIVE ANALYSIS ** CLASS : V ** SUBJECT : HINDI ** Achievement Test Dec. 1993 **

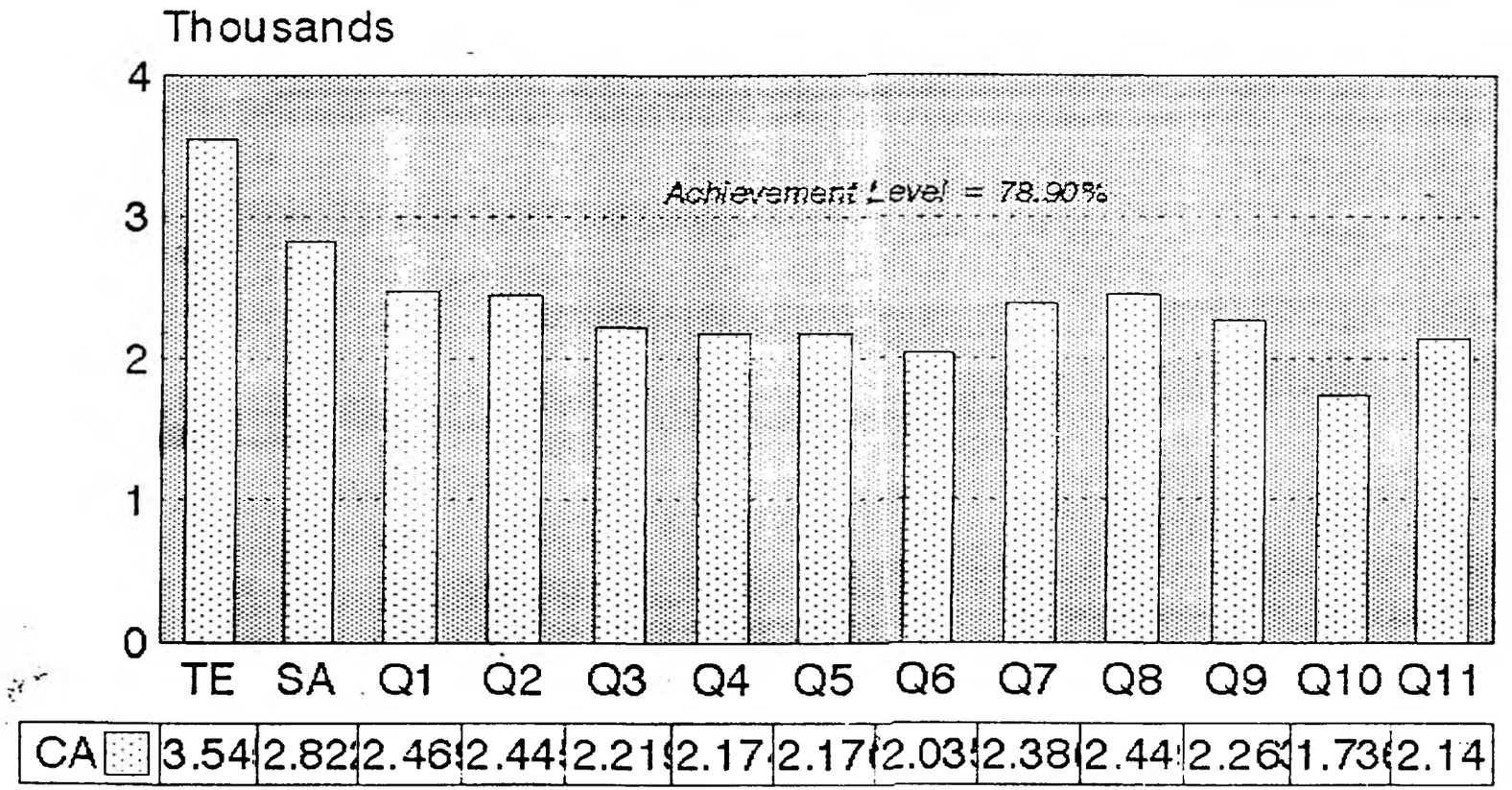

TE=TOTAL ENROLMENT,SA=STUDENTS APPEARED,COMPEATENCY TESTED :Q1=1.5.1,Q2=2.5.1,Q3=3.5.2,Q4=3.5.1,Q5=5.5.1,Q6=4.5.1,Q7=4.5.3,Q8=6.5.1,Q9=8.5.1,Q10=9.5.1,Q11=7.5.1, CA= COMPEATENCY ACHIEVEMENT.

COMPUTER CELL **

Neuntam Adhigam Astar Karyakram ** No. of Schools under MLL Programme = 178 **

COGNATIVE ANALYSIS ** CLASS V ** SUBJECT : GANIT ** Achievement Test Dec. 1993 **

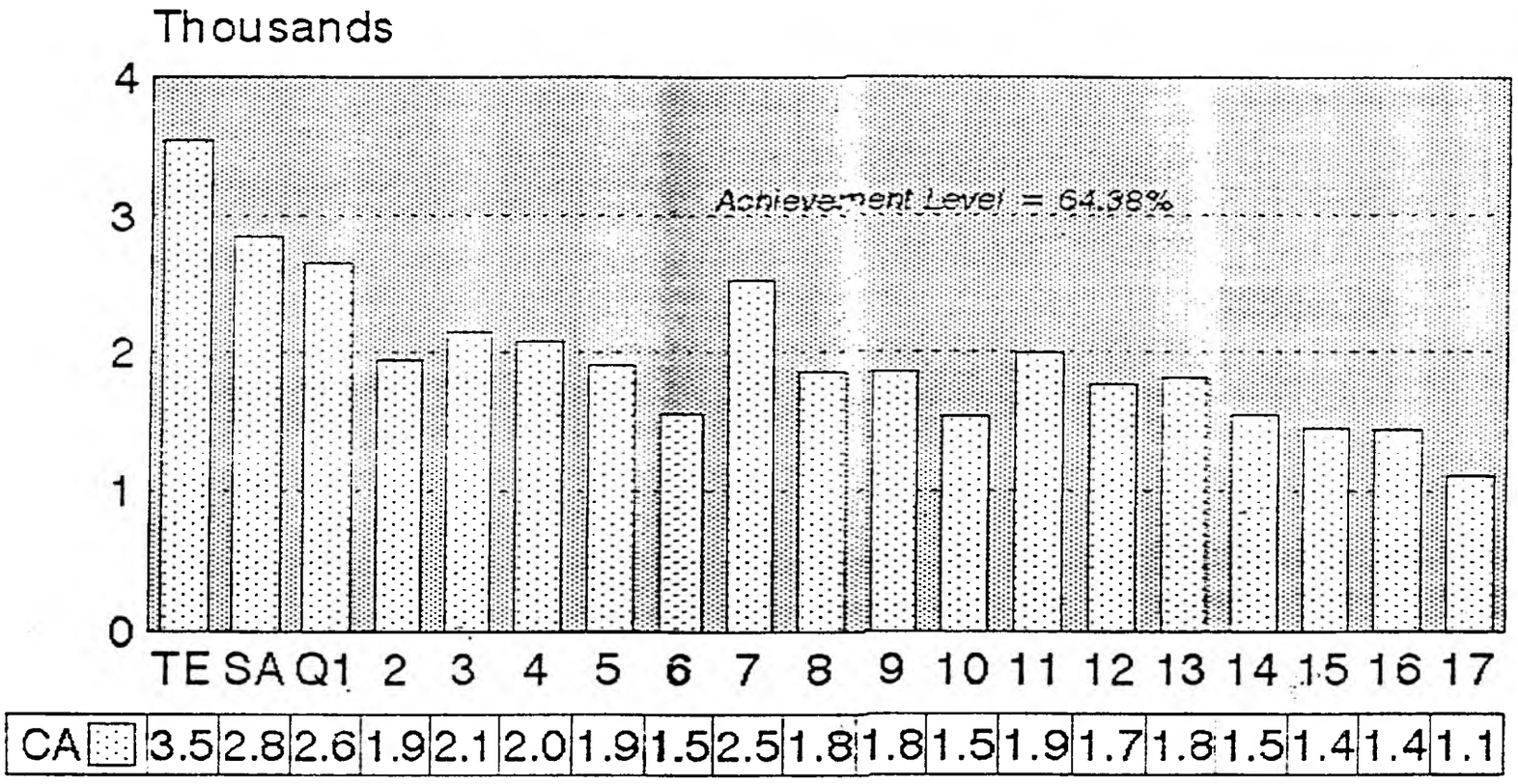

	TE	SA	Q1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
CA	3.5	2.8	2.6	1.9	2.1	2.0	1.9	1.5	2.5	1.8	1.8	1.5	1.9	1.7	1.8	1.5	1.4	1.4	1.1

TE=TOTAL ENROLMENT,SA=STUDENTS APPEARED,COMPEATENCY TESTED:Q1=3.5.4,Q2=3.5.10,Q3=4.5.5,Q4=4.5.5,Q5=5.5.3,Q6=1.5.1,Q7=1.5.4,Q8=2.5.6,Q9=2.5.9,Q10=3.5.1,Q11=3.5.3,Q12=3.5.14,Q13=4.5.2,Q14=4.5.7,Q15=4.5.8,Q16=4.5.11,Q17=5.5.1, CA= COMPEATENCY ACHIEVEMENT.

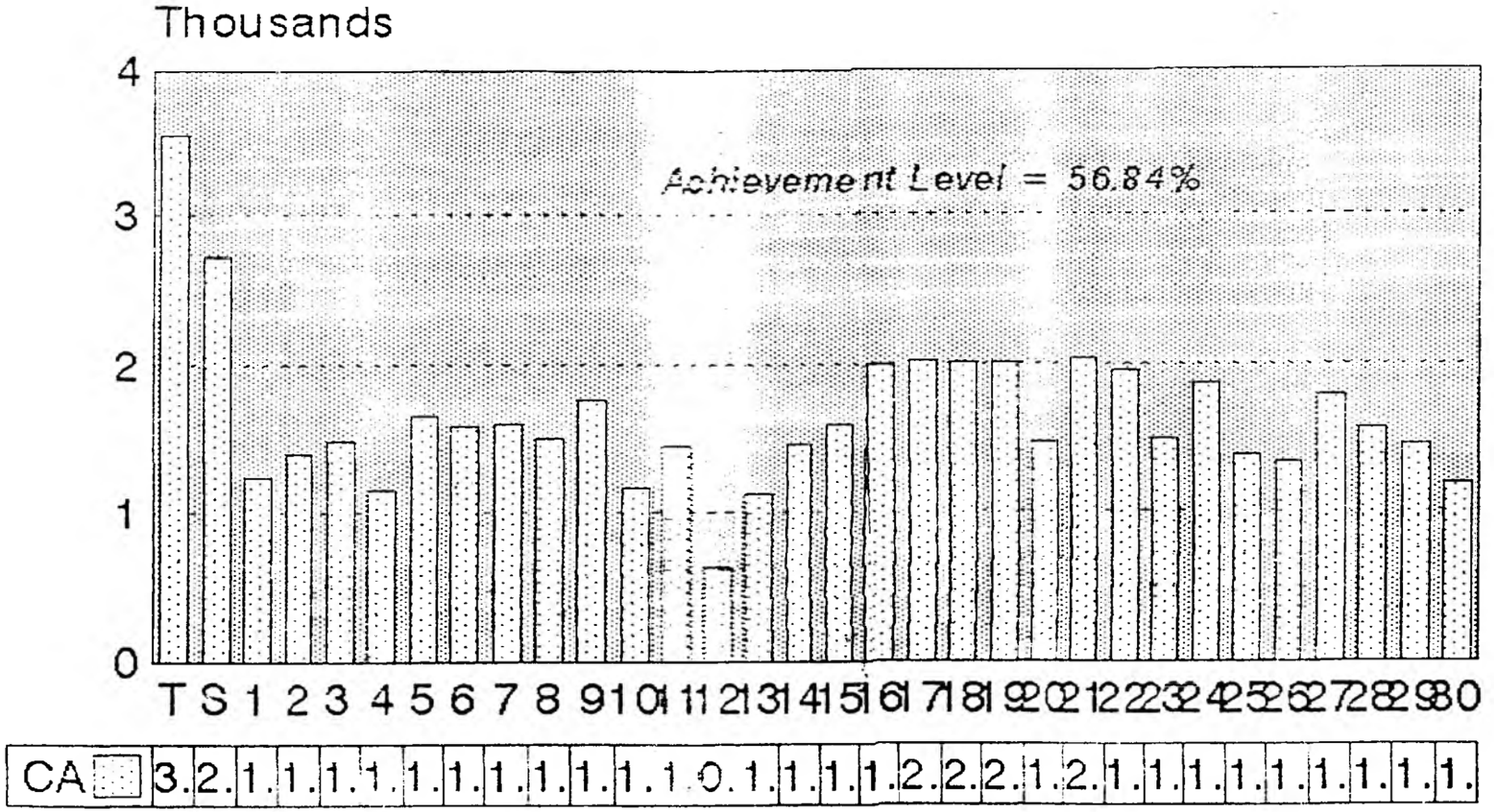

... PROJECT, MUZAFFARPUR ** COMPUTRE CELL **

Neunam Adhigam Astar Karyakram ** No. of Schools under MLL Programme = 178 **

COGNATIVE ANALYSIS ** CLASS : V ** SUBJECT : ENVIRONMENT ** Achievement Test Dec.1993 **

* Q28 = 10.5.1, Q29 = 10.5.2, Q30 = 10.5.4

T=TOT.EN., S=STU APPE., COMP.TESTED: Q1=1.5.1, Q2=1.5.2, Q3=1.5.2, Q4=2.5.1, Q5=2.5.2, Q6=2.5.4, Q7=3.5.1, Q8=3.5.2, Q9=3.5.3, Q10=3.5.5, Q11=4.5.1, Q12=4.5.2, Q13=4.5.3, Q14=4.5.4, Q15=4.5.5, Q16=4.5.6, Q17=4.5.9, Q18=5.5.3, Q19=5.5.4, Q20=6.5.3.2, Q21=7.5.1, Q22=7.5.2, Q23=7.5.4, Q24=7.5.5, Q25=8.5.1, Q26=8.5.2, Q27=9.5.2 *

BIHAR EDUCATION PROJECT, MUZAFFARPUR, *COMPUTER CELL*

Nauntam Adhigam Astar Karyakram * No. of Schools under M.L.L. Programme = 178 *
Non-Cognative Analysis of Class : V Students * Achievement Test Dec. 1993 *

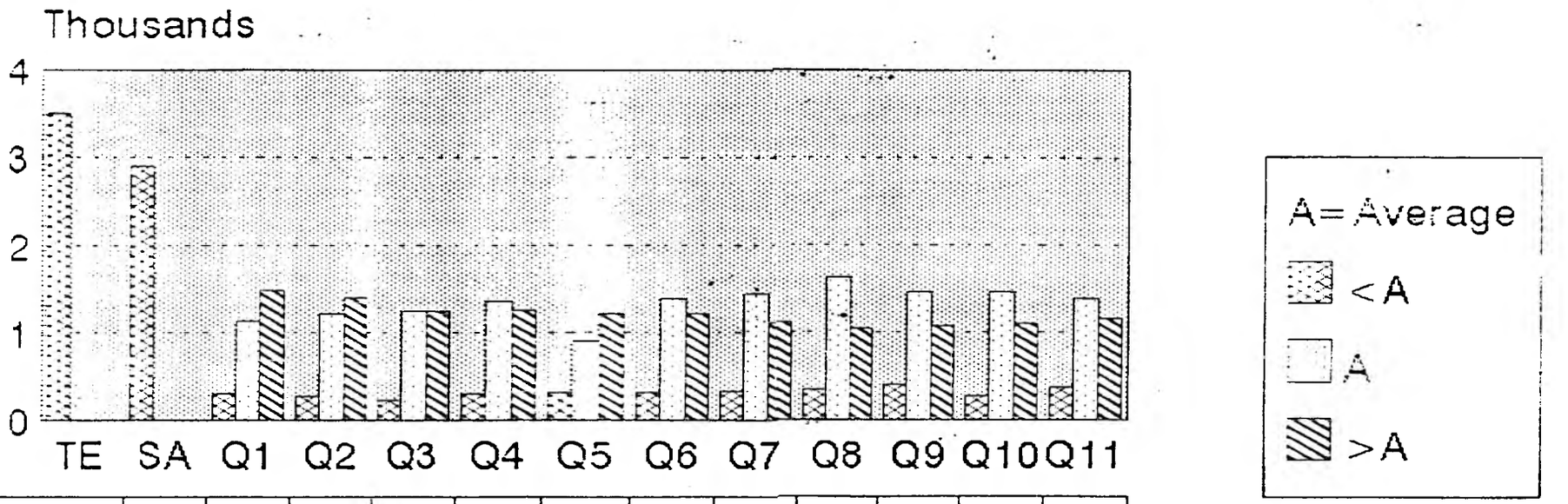

<A	3.50	2.89	0.29	0.26	0.22	0.29	0.31	0.31	0.33	0.33	0.39	0.26	0.37
A			1.11	1.21	1.23	1.35	0.89	1.38	1.44	1.62	1.45	1.45	1.37
>A			1.48	1.40	1.24	1.24	1.20	1.20	1.11	1.03	1.07	1.10	1.15

TE= Total Enrolment, SA= Students Appeared, Q1= Niyamitata, Q2= Samaynistha, Q3= Swachhata
Q4= Parishramshilata, Q5= Kartvaya Bhawana, Q6= Seva Bhaw, Q7= Samanta Ki Bhawana
Q8= Sahakarita, Q9= Uttarcayitva Ki Bhawana, Q10= Satyanistha, Q11= Rastra Ke Prati Lagaw

अनौपचारिक शिक्षा प्रभाग

अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र

(1) जिले में उन संस्थाओं का नाम जो अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र चला रहे हैं?

मुजफ्फरपुर जिला में दोस्ता समिति की देख-रेख में अनौपचारिक इकाई संचालित होती है।

(2) केन्द्रों की आवंटन की संख्या

प्रश्न नहीं उठता।

(3) केन्द्र शुरु होने की तिथि

	प्रखण्ड	केन्द्र प्रारंभ की तिथि	अनुदेशकों की संख्या
(क)	मोतीपुर	(I) 11 जून,1993	26
		(II) 01 अप्रैल,1994	36
			कुल- 62
(ख)	गायघाट	(I) 12 अगस्त,1993	30
		(II) 21 सितम्बर,1993	45
		(III) 01 अप्रैल,1994	90
			कुल- 165
(ग)	मीनापुर	(I) 01 नवम्बर,1993	53
		(II) 01 दिसम्बर,1993	60
			कुल- 113

(4) क्या केन्द्रों को सभी सामग्री केन्द्र आरम्भ करने पर मिल गई

हाँ।

(5) केन्द्र में कौन-कौन सी पठन-पाठन की सामग्री दी गई उसकी सूची

क्रम	सामग्री
1.	हम भी पढ़ें प्राइमर
2.	पढ़े-बढ़े (भाग-1)
3.	स्लेट
4.	झोला
5.	चॉक
6.	ब्लैक बोर्ड (कुछ संस्थाओं में दी गई है)
7.	बालगीत सेट
8.	रजिस्टर

........2

प्रखण्ड-मोतीपुर

क्र०	नाम	पंचायत	ग्राम	टोला	समय	सामान्य म०	पु०	अ०जा० म०	पु०	यो०
1.	श्री अनिल कुमार झा	म0पुर बलमी	पंचरुखी	पासवान	6-8 सुबह	—	—	12	14	26
2.	श्री छोटेलाल पासवान	,,	,,	उत्तरी	6-8 शाम	8	17	—	—	25
3.	श्रीमती प्रेमा कुमारी	,,	,,	अनु0सू0	12-2दोपहर	04	05	08	08	25
4.	श्रीमती विमल कुमारी	,,	,,	ब्राह्मण	,,	09	08	04	04	25
5.	श्री शंभूजी परिब्राजक	,,	,,	पश्चिम	,,	13	20	—	—	33
6.	श्री शिवाजी परिब्राजक	,,	,,	पंचरुखी	6-8 सुबह	03	07	05	10	25
					ये 7 इककाई के देख रेख करते है।					
7.	श्री शिवजी पासवान	,,	,,	पूर्वी	7-9 सुबह	13	12	—	—	25
8.	सुश्री कांता कुमारी	,,	,,	सहनी	8-10सुबह	11	13	01	—	25
9.	श्री राम राय	कुशाहीं	महवल	महवल	8-10शाम	10	15	—	—	25
10.	श्री महेश्वर प्र0सिंह	,,	,,	,,	6-8 सुबह	05	05	07	08	25
					ये 6 इकाई की देखरेख करते है।					
11.	श्री लालबाबू प्र0कुशवाहा	,,	,,	हरिजन द0	7-9सुबह	06	09	05	05	25
12.	श्री विनय प्र0सिंह	,,	,,	,,	12-2दोप0	12	11	—	01	24
13.	सुश्री सिन्धु कुमारी	,,	,,	नूनिया	1-3दोप0	13	09	—	—	22
14.	श्री सोहन पासवान	,,	जगदीशपुर	हरिजन	12-2दोप0	01	09	—	13	23
15.	श्रीमती नूतन श्रीवास्तव	,,	,,	नूनिया	1-3दोप0	14	11	==	—	25
16.	श्री उपेन्द्र पाण्डेय	बरियारपुर	दरियाछपरा	पाठक	7-9सुबह	20	11	—	—	31
17.	श्री प्रभुदेव प्रसाद	,,	प्रेमनगर	कोदरकटा,	7-9सुबह	01	24	—	—	25
18.	श्री मनोज कुमार मालाकार	,,	कोदरकटा	,,	6-8 सुबह	16	07	—	—	23
19.	श्री संजय कुमार	,,	,,	मेथुरानगर,	,,	13	17	—	—	30
20.	श्रीमती उमा देवी	,,	बाजितपुर	बाजितपुर,	12-2दोप0	25	—	—	—	25
21.	श्री कृष्ण प्र0चौधरी	,,	दरियाछपरा	दरियाछपरा,	3-5शाम,	16	11	==	—	27
22.	श्री शिवशंकर प्र0यादव	,,	कोदरकटा	कचहरी	6-8सुबह	06	04	08	07	25
					ये 8 इकाई के देखरेख करते है।					
23.	श्रीमती मंजू देवी	,,	,,	पूरन	12-2दोप0	19	06	—	—	25
24.	श्री संजय कु0कुशवाहा	कुशाही	कुशाही	नूनिया	7-9सुबह	05	20	—	—	25
25.	श्री रामलगन राम	,,	जगदीशपुर	दक्षिण	6-8सुबह	00	00	18	12	30
26.	श्री विरेन्द्र कुमार	,,	,,	कुर्मी	6-8सुबह	09	16	—	—	25
27.	श्री रामकुमार साह	,,	,,	पूर्वी	6-8सुबह	14	11	—	—	25
28.	श्री लालबाबू प्रसाद	,,	महवल	पश्चिम	7-9संध्या	21	04	—	—	25

[illegible] प्रभुनाथ पासवान	कुशाही	जगदीशपुर	नूनिया	6-8शाम	--	17	08	--	25
[illegible] लखन राम	,,	बरजी	नयाटोला	4-6शाम	11	13	--	01	25
[illegible] कृष्णदेव प्रसाद	,,	कुशाही	हरिजन	6-8शाम	--	--	16	11	27
[illegible] रत्नेश कुमार	,,	,,	धोबी	5-7शाम	12	11	01	1	25
[illegible] श्रीमती कुमारी जयश्री	,,	,,	कुरमी	7-9सुबह	15	10	--	--	25
[illegible] श्रीमती पार्वती देवी	,,	,,	सोनार	7-9सुबह	11	15	--	--	26
6. श्री राम प्र0ठाकुर	महुवल	महवल	स्टेशन	7-9शाम	13	12	--	--	25
7. श्री दिलीप कु0महतो	म0पुरबलमी	म0बलमी	पुरानी बाजार	6-8शाम	04	21	--	--	25
[illegible] पारस प्र0कुशवाहा	,,	,,	दक्षिण	4-6शाम	04	05	06	10	25
[illegible] नवीन कुमार	,,	,,	पुरानी बाजार	7-9सुबह	06	21	--	--	27
[illegible] शिवजी राय	,,	,,	,,	7-9सुबह	05	25	--	--	30
[illegible] नूनूलाल पासवान	,,	,,	,,	12-2दोप0	02	--	13	10	25
[illegible] सुरेश राम	,,	,,	,,	12-2दोप0	12	11	02	02	27
[illegible] राजकुमार साह	,,	,,	,,	12-2दोप0	09	16	--	--	25
[illegible] राय	,,	,,	,,	7-9सुबह	10	18	03	01	32
[illegible] किशोर यादव	,,	,,	,,	6-8शाम	12	08	02	04	26
[illegible] मो0 शमीम	,,	,,	साह	6-8शाम	11	04	05	06	26
[illegible] अरुण कु0राय	,,	पुरमबी बाजार	ननिधा पटेल	6-8शाम	--	--	13	12	25
श्रीमती शीला राय	,,	,,	,,	7-9सुबह	03	03	06	11	23
श्री सतीश कु0सिंह	,,	म0बलमी	पश्चिम	7-9सुबह	19	07	--	--	26
[illegible] हरिश्चंद्र प्रसाद	बरियारपुर	बरियारपुर	खास	7-9सुबह	06	08	04	07	25
श्री सुनील कुमार	,,	,,	बरियारपुर	7-9सुबह	07	15	--	03	25
[illegible] लालबाबू भगत	,,	बाजितपुर	बाजितपुर	7-9सुबह	15	--	08	02	25
[illegible] सुरेन्द्र सहनी	,,	परसौनिया	परसौनिया	6-8सुबह	05	21	--	--	26
[illegible] शत्रुघ्न ठाकुर	,,	कोदरकट्टा	नयाटोला	6-8सुबह	09	15	01	--	25
[illegible] शंभू पंडित	,,	,,	मिथिलानगर	,,	13	08	03	01	25
[illegible] सुदामा ठाकुर	,,	,,	,,	,,	15	10	--	--	25
[illegible] दिनेश पंडित	,,	,,	टेढ़ी	,,	06	20	--	--	26
[illegible] भक्त	,,	,,	कचहरी	,,	14	11	--	--	25
[illegible] श्रीमती उर्मिला कुमारी	,,	,,	डंडा	9-11सुबह	16	09	--	--	25
[illegible] श्रीमती शारदा जायसवाल	,,	,,	स्कूलपर	12-2दोप0	19	07	--	--	26

अनौपचारिक इकाइयों की सूची

प्रखण्ड– मीनापुर

क्र०	स्वयंसेवकों के नाम	पंचायत	ग्राम	टोला	समय	सामान्य म०	सामान्य पु०	अनुजाति म०	अनुजाति पु०	योग
1.	श्री कंचन सहनी	पानापुर	पानापुर	देवी स्थान	5–7 शाम	14	09	--	02	25
2.	श्री रामसूरत राय	,,	खरिका	मध्य	7–9 सुबह	08	19	--	--	27
3.	श्री राजदेव प्र०सहनी	,,	पानापुर	चक्की	6–8 शाम	07	18	--	--	25
4.	श्रीमती सविता सिन्हा	,,	,,	पहाड़ी	12–2दोप०	16	08	01	--	25
5.	श्री संजयलाल मयंक	,,	द ,,	भगत दक्षिण	4–6 शाम	15	10	--	--	25
6.	श्रीमती प्रभावती देवी	टेंगरारी	टेंगरारी	हरिजन	12–2 दोप०	08	07	07	08	30
7.	,, [illegible] गुप्ता	,,	बनधारा	[illegible]	,,	17	13	--	--	30
8.	,, उषा देवी	,,	,,	[illegible]	8–10सुबह	--	11	02	14	27
9.	श्री विरेन्द्र कु०सिंह	,,	नेकनामा	उत्तरी	6–8शाम	17	08	--	--	25
10.	,,भुवनेश्वर प्र०राय	,,	टेंगरारी	बिचला	6–8सुबह	22	06	--	--	28
11.	,,अमरनाथ साह	,,	नेकनामा	साहू	,,	17	07	01	01	26
12.	,,शत्रुघ्न सहनी	,,	टेंगरारी	मलाह	6–8 शाम	07	18	--	--	25
13.	,,रामकिशोर प्रसाद	,,	[illegible]	दक्षिण	12–2 दोप०	12	13	--	--	25
14.	,,राजकिशोर राम	,,	नेकनामा	ह०दक्षिण	6–8 सुबह	07	07	06	05	25
	,, अशोक कुमार	,,	टेंगरारी	पकड़ी	,,	18	07	--	--	25
	,,नारायण सहनी	,,	बनधारा	सहनी	,,	06	19	--	--	25
	,, दैटू सहनी	,,	टेंगरारी	पश्चिम	6–8 शाम	--	--	15	10	25
	,, कृष्णनंदन प्रसाद	,,	,,	पश्चिम	,,	10	15	--	--	25
	,,रामसूरत प्रसाद	,,	बनधारा	उत्तरी	4–6 शाम	04	22	--	--	26
	,,सच्चिदानंद कुमार	झाड़ा भारती	वि०पाण्डे	,,	6–8 शाम	15	15	--	--	30
	,,[illegible]वान सिंह	,,	,,	दक्षिण	5–7 शाम	07	17	02	03	29
	,,दिनेश प्रसाद	,,	,,	सूर्यकला	4–6 शाम	--	--	12	14	26
	,,राकेश कुमार	,,	,,	म०कल्याण	,,	02	19	02	02	25
	,,शशिभूषण प्रसाद	,,	,,	यदुवंश	5–7 शाम	08	15	--	--	23
	,,शंभू कुमार सिंह	,,	,,	शंभू	6–8 शाम	10	08	02	05	25
	,,रविन्द्र कु०सिंह	,,	बाजहसन	रामाशिश	3–5दोप०	--	--	10	15	25
	,,[illegible] कुमार	हरसेर	सोढना	कुशवाहा	12–2दोप०	13	10	--	--	23
	,,सुभाष कुमार	,,	हरसेर	कनौजिया	7–9 सुबह	08	17	--	--	25
	,,[illegible]देव प्रसाद	,,	,,	सहनी	6–8 सुबह	04	16	02	03	25
	,,किशोर कु०रजक	,,	सोढना माधोपुर	अनु०उत्तरी	3–5दोप०	09	16	--	--	25
	,,सुरेश राम	,,	हरसेर	पश्चिम	6–8 शाम	--	--	11	14	25

35. श्री विरेन्द्र कु0यादव	हरसेर	हरसेर	यादव	8-10सुबह	13	10	—	02	25
श्रीमती शारदा देवी	,,	कोदरिया	मुशहरी						
श्री शंभु राम	घोसौत	घोसौत	हजाम	4-6 शाम	06	13	02	04	25
श्री राजीवरंजन राम	,,	,,	भिनाही	5-7 शाम	--	—	17	08	25
37. श्री मनोज कुमार सिंह	,,	,,	ठाकुर	,,	11	14	—	—	25
38. श्री पंकज कुमार	,,	,,	राजपूत	,,	15	10	—	—	25
श्री ज्वाला कुमार	,,	,,	कुशवाहा	7-9 सुबह	11	14	—	—	25
श्री विनोद कुमार सिंह	,,	,,	राजपूत	5-7 शाम	07	18	—	—	25
श्री मधुली प्रसाद	,,	,,	उत्तरी	7-9 सुबह	11	14	—	—	25
श्री शिवलालराम	,,	,,	भोनाही	5-7 शाम	04	05	08	06	23
श्री सुनील कुमार	,,	,,	[illegible]	4-6 शाम	14	11	—	—	25
श्री अनिल प्रसाद	,,	,,	लोहार	7-9 सुबह	11	14	—	—	25
45. श्री [illegible]राज कि0पाण्डे	,,	बजरमुरिया	पूर्वी	,,	07	18	—	—	25
श्री [illegible]नाथ [illegible]	दाउदछपरा	धरमपुर	पूरब	4-6 शाम	10	15	—	—	25
श्रीमती रेखा देवी	,,	खनिजापुर	चौधरी	8-10सुबह	23	03	05	—	28
श्रीमती [illegible]देवी	,,	छगनटोला	साहटोला	7-9 सुबह	20	04	—	—	24
श्रीमती उषा देवी,रामपुर,हरी		छपरा	पूरब	4-6 शाम					
श्री जगदीश राय	,,	रामपुरहरी,कोइला		12-2दोपहर	—	—	08	05	13
श्रीमती सुमित्रा देवी	,,	छपरा	पश्चिम	6-8 शाम					
52. श्री [illegible] कुमार	,,	नेहालपुर	[illegible]	7-9 सुबह					
53. श्री सुनिता जायसवाल	,,	रामपुरहरी,बाजार		12-2दो0	03	08	07	02	25
श्रीमती निर्मला देवी	मुकुन्दपुर	मुकुन्दपुर	पूरब	7-9 सुबह					
श्री [illegible] राय	,,	,,	माणिकपुर	,,					
श्रीमती सुशीला देवी	,,	,,	[illegible]टोला	7-9 सुबह			09		
[illegible] राम	तुर्की	तुर्की	चमार	6-8 शाम			10	10	20
[illegible] बैठा	,,	,,	मेदिहर	4-9 शाम	—	—	11	14	25
श्री सोनेलाल साह	,,	,,	तुरहा टो0	7-9सुबह	09	16	00	02	27
श्री हेमंत कुमार	टेंगराहाँ	कोइली	कोइली	,,	06	09	06	04	28
श्री [illegible] कुमार	,,	मलाहटोली,पूरब		,,	10	08	06	01	25
श्री रविन्द्र कुमार	,,	मसौढी	पश्चिम	,,	08	10	02	05	25
श्री सतोष कुमार	,,	टेंगराहाँ	दक्षिण	6-8 सुबह	08	06	06	05	25
श्री जयनारायण भगत	,,	मधुआ	मधुआ	7-9 शाम	16	10	—	—	26
श्रीमती मांडवी कुमारी	भाईपट्टी	राघोपुर	दक्षिण	6-8 सुबह	—	—	09	15	24
श्री रामवृक्ष प्रसाद	,,	बखल	पश्चिमी	,,	15	10	—	—	25
श्री सोनेलाल प्रसाद	,,	राघोपुर	पश्चिमी		16	09	—	—	[illegible]

9.	श्री जुगुत राम	चाँदपरना	मानिकपुर	पूर्वोत्तर	7–9 सुबह	08	11	01	06	26
[illegible]	श्रीमती [illegible]	,,	,,	[illegible]	4–6 शाम	15	10	---	---	25
71.	श्रीमती [illegible] सिन्हा	,,	मुस्तफागंज	उत्तर	12–2 [illegible]	06	06	07	09	28
[illegible]	श्री जगदीश प्रसाद	,,	मानिकपुर	पिपला	6–8 सुबह	12	18	--	---	30
[illegible]	श्री रामबाबू [illegible]	,,	,,	पूर्वी	7–9 सुबह	09	16	--	--	25
[illegible]	श्री जगन्नाथ प्र०	,,	गदमा	हरिजन	3–5 शाम	13	12	--	--	25
.	श्री [illegible] कुमार	,,	मानिकपुर	पिपला	7–9 सुबह	--	--	19	07	26
[illegible]	श्री संजय कुमार II	,,	छितरपटी	पूर्वी	4–6 शाम	03	18	01	01	28
77.	श्री अशोक कुमार	,,	चाँदपरना	भेद्दिहर	7–9 सुबह	13	14	--	--	27
78.	श्री राजेन्द्र प्रसाद	मझौलिया	मझौलिया	पश्चिम	6–8 शाम	14	11	--	--	25
79.	श्री रामेश्वर सिंह	,,	,,	ब्राह्मण	,,	12	13	--	--	25
[illegible]	श्री अमर किशोर [illegible]	,,	,,	हरिजन	,,					
[illegible]	श्री रणधीर प्र० सिंह	,,	खड़हा	पुराना	,,	16	09	--	--	25
[illegible]	[illegible] जनक प्रसाद	,,	,,	नयाटोला	,,					
[illegible]	श्री अमरनाथ झा	,,	गोसाईंपुर	पश्चिम	,,	12	13	--	--	25
[illegible]	श्री नरेन्द्र ठाकुर	शीतलपट्टी	जगन्नाथ पकड़ी	पश्चिम	4–6 शाम	15	11	--	--	26
[illegible]	श्री कृष्णकुमार श्रीवास्तव	,,	,,	पूर्वी	7–9 सुबह	12	13	--	--	25
[illegible]	श्री उमेश प्रसाद	,,	चतुर्थी	दक्षिण	6–8 सुबह	17	13	--	--	30
7.	श्री परशुराम राय	,,	सूरजनपकड़ी	स्कूल	7–9 सुबह					
[illegible]	श्री रामेश्वर कुमार	,,	खोजापकड़ी	यादव	8–10 सुबह	08	16	--	--	24
[illegible]	श्री श्यामसुंदर यादव	सगहरी	सगहरी	दक्षिण	6–8 सुबह	18	10	--	01	29
[illegible]	श्री कमलकिशोर बैठा	,,	रामपुररतन	पिपला	6–8 शाम	01	--	16	09	26
	श्रीमती राधिका देवी	,,	सगहरी	जिराती	8–10 सुबह	05	10	03	07	25
	श्रीमती शैल कु० देवी	,,	,,	पश्चिम	,,					
	श्रीमती मालती देवी	,,	,,	दक्षिण	4–6 शाम					
	श्री विजय कुमार	,,	,,	उत्तरी	6–8 सुबह	04	09	04	08	25
	श्री फोदी मांझी	सदातपुर	सदातपुर	सदातपुर	,,	--	--	10	15	25
	श्री रामदेव मांझी	,,	फतेहपुर		,,	08	17	--	--	25
	श्री [illegible] बैठा	गोरीगामा	गोरीगामा	[illegible]	6–8 शाम	--	06	--	19	25
	श्री नारायण राय	,,	नन्दना	पश्चिम	,,	13	12	--	--	25
	श्रीमती उर्मिला कुमारी	,,	गोरीगामा	[illegible]	,,	25	--	--	--	25
	श्री राजेश कुमार	,,	नन्दना	नन्दना	,,	03	04	[illegible]	10	25

101. श्री अमरजीत कु0 प्र0	महदेइयाँ	चकजमाल	सुरहा	5-7 शाम	--	--	11	14	25
102. श्री गणेश प्रसाद	,,	महदेईयाँ	पूर्वी	7-9 सुबह	11	14	—	—	25
103. श्री श्यामनंदन प्रसाद	,,	,,	बिचला	6-8 शाम	16	08	—	--	24
104. श्रीमती कु0प्रभा सिन्हा	,,	चकजमाल	बिचला	12-2 दोप0	19	06	--	--	25
105. श्री लालबाबू प्रसाद	,,	गदाईचक	पूर्वी	5-7 शाम	09	11	--	05	25
106. श्री फूलदेव राय	,,	,,	दक्षिण	6-8 सुबह	06	16	00	05	23
107. श्री अनिल कुमार	,,	चकजमाल	मध्य	5-7 शाम	12	18	--	--	30
108. श्री विजय प्रसाद	,,	,,	उ0द0	6-8 सुबह	15	09	--	02	26
109. सुश्री सुमन कुमारी	टेंगराहाँ	कोइलीमराव,पूर्व		,,	15	10	--	--	25

-----::0::-----

प्रखण्ड मोतीपुर, प्राथमिक अनौपचारिक विद्यालयों से [illegible] शिशु प्राथमिक
औपचारिक विद्यालयों में जाकर नाम लिखाने वाले शिशुओं की सूची — —

अनुदेशक का नाम	विoमें जानेवाले शिशुओं का नाम	पिता का नाम	जाति	किस विo में शिशु नाम लिखाया, उसी विo का नाम-	तिथि
नूतन श्रीवास्तव	जाहूलदीन	श्री अमिन मियाँ	धोबी	राoमoविoमहमदपुर	माह सितम्बर
	रंजीत कुमार	श्री रामदयाल महतो,	नूनियाँ,	प्राoविoकुशाही	,,
	ललन महतो	श्री नारायण महतो,	,,	मध्यल बजराज	,,
	सुदेन महतो	श्री भोला महतो	,,	,,	,,
सिन्धुकुमारी	मनोज कुमार	श्री राजेन्द्र साह	तेली	प्राoविoकुशाही	,,
	सनोज कुमार	,,	,,	,,	,,
	उपेन्द्र कुमार	श्री विश्वनाथ भगत,	कुशवाहा,	,,	,,
	वालेन्द्र कुमार	स्वoगुनी भगत	,,	,,	,,
	शीला कुमारी	श्री कैलाश प्रoसिंह	,,	मo विo कुशाही	,,
लालबाबू प्रoकुशवाहा	किशोर कुo राम	स्वoवैधस राम	चमार	प्राoविoकुशाही	,,
	संतोष राम	,,	,,	,,	,,
	नितू कुमारी	श्री अनिल राम	,,	,,	नवम्बर
	अशोक कुमार	श्री शंकर राम	,,	,,	,,
[illegible] कुoकुशवाहा	कुमेश कुमार	श्री शिवरतन साह	तेली	प्राoविoकुशाही	,,
	मoखलिल	श्री महमद मियाँ	धोबी	,,	
	राजेश कुमार	श्री शिवरतन साह	तेली	,,	,,
	मo राजू	इसमाइल मियाँ	धोबी	,,	
	रमेश कुमार	श्री अनन्त महतो	नूनिया	,,	,,
	गुडीयाँ कुमारी	श्री शंकर प्रसाद	कायस्त	,,	
	संजय कुमार	श्री रामलखन राम,	चमार	,,	अगस्त
	वालेश्वर राम	श्री जयलाल राम	,,	,,	,,
श्री विनय प्रoसिंह	काजी महमद	श्री हदीश मियाँ	धोबी	प्राoविoकुशाही	
	अजय कुमार	श्री प्रदीप सिंह	कुशवाहा	,,	,,
श्री सोहन पासवान	सुबोध राम		चमार	प्राoविoमहमदपुर (मo)	,,
	शिवलोचन कुमार	स्वoजय नाथ राम	,,	,,	,,
	गंगा राम	श्री रामदयाल राम	,,	,,	जनवरी'95
	मुन्ना राम	श्री अलबेला राम	,,	,,	
	अनिश कुमार	श्री पुनदेव पासवान	दुसाध	प्राoविo कुशाही	,,
	अरुण कुमार	श्री रामप्रवेश ठाकुर,	हजाम	,,	,,
	राजकुमार महतो	[illegible] महतो	नूनिया	प्राo[illegible]पुर	,,
	रविन्द्र कुमार	श्री रामनाथ पासवान,	दुसाध	,,	,,
श्री [illegible] पाण्डेय	रहमतुल्ला अली	मोo रहीम	[illegible]	[illegible]	5-5-94
	[illegible] रजक	[illegible]	धोबी	[illegible]	[illegible]-5-94
	मिन्टू कुमारी	[illegible] पाण्डेय	ब्राह्मण	[illegible]	21-5-94
	लालबाबू राय	किशोरी राय	कुर्मी	,,	28-5-94
	नितू कुमारी	महेन्द्र राय	,,	,,	8-5-94
	सरिता कुमारी	उपेन्द्र पाण्डेय	महापात्र	,,	5-5-94
	[illegible] कुमारी	,,	,,	,,	5-5-94
	[illegible]	[illegible]			

कृष्ण प्र०चौधरी	रोमा कुमारी	राजमंगल साह	वैश्य	म०वि०कोदरकट्टा	28-2-94
	ममता कुमारी	,,	,,	,,	,,
	पूनम कुमारी	जयमंगल साह	,,	,,	,,
	नसीमा खातून	म०अजीम	धुनिया	प्रा०वि०पंचरुखी	29-3-94
	म०चाँद	,,	,,	,,	21-5-94
	हैदर अली	म०सत्तार	,,	,,	27-4-94
	बबीता कुमारी	कैलाश चौधरी	वैश्य	म०वि०कोदरकट्टा	9-3-94
	सज्जाद आलम	म०रफीक	जुलाहा	,,	27-2-94
	शहनाज खातून	म०जालाहुद्दीन	धुनिया	मोतीपुर मदरसा	30-1-94
	संजू कुमारी	मेश्वर साह	वैश्य	कोदरकट्टा	31-1-94
	दिनेश कुमार	नथुनी महतो	धुनिया	,,	31-5-94
[illegible]	पिन्टू कुमारी	श्री रामचंद्र राय	यादव	म०वि०कोदरकट्टा	10-2-93
	सुबोध कुमार	शिवशंकर भक्त	माली	,,	5-3-94
	देवेन्द्र कुमार	श्री रामगिन भक्त,,,		,,	15-3-94
	रम्भा कुमारी	,,	,,	,,	,,
	रामप्रवेश कुमार	श्री महेन्द्रभगत	,,	,,	16-2-93
श्री प्रभुदेव प्रसाद	सीता कुमारी	जयकिशुन रजक	धोबी	कोदरकट्टा म०वि०	6-10-94
	लालबाबू अंसारी	फजल रहमान	मुसलमान,	मोतीपुर मदरसा	18-11-9[illegible]
	ललन ठाकुर	रामलखन ठाकुर	हजाम	म०वि०मोतीपुर	20-10-9[illegible]
	मो० मुर्तुजा	मो०शाबिर अंसारी,	मुसलमान,	मोतीपुर मदरसा	15-2-94
	तनवीर आलम	मो०शाबिर अंसारी	,,	,,	,,
	रौशन कुमार	सुरेश भगत	कोइरी	बा०वि०वि०मोतीपुर	14-1-94
	मुन्ना कुमार	विनोद राय	कुर्मी	म०वि०कोदरकट्टा	22-3-94
	मुकेश कुमार	उगन राय	कुर्मी	म०वि०कोदरकट्टा	17-3-94
श्री शंभूजी परिव्राजक	संजय कुमार	भीखर बैठा	धोबी	प्रा०वि०पंचरुखी	1-9-93
	राजू कुमार	हरीलाल बैठा	,,	,,	,,
	संजीव कुमार	बच्चु बैठा	,,	म०वि०महेशपुर	,,
	सुमन कुमार	जयलाल भगत	कोइरी	,,	,,
	वैद्यनाथ कुमार	जयलाल ठाकुर	हजाम	प्रा०वि०पंचरुखी	,,
	प्रतीमा कुमारी	बच्चु बैठा	धोबी	म०वि०महेशपुर	,,
	रामदयाल कुमार	गणेश भगत	कोइरी	,,	,,
	राकेश कुमार	बच्चू बैठा	धोबी	,,	1-10-93
	संतोष कुमार	चंद्रेश्वर भगत	कोइरी	म०वि०जूनेडा	1-2-94
	विरेन्द्र कुमार	अशर्फी पंडित	कुम्हकार	म०वि०महेशपुर	1-2-94
	सविता कुमारी	रामस्वरूवाल भगत	कोइरी	प्रा०वि०पंचरुखी	1-2-94
	सतीश कुमार	चंदेश्वर भगत	कोइरी	,,	1-2-94
[illegible] शिवानी परिव्राजक,	प्रमोद मांझी	महेन्द्र मांझी	[illegible]	प्रा०वि०पंचरुखी	[illegible] 3/[illegible]/9
	प्रतीमा कुमारी	लगनू मांझी	,,	,,	,,
	अशोक कुमार	नगीन्द्र मांझी	,,	,,	,,
	नवीन्द्र कुमार	विशू मांझी	,,	,,	,,
	सरोज कुमार	,,	,,	,,	,,
	संजू कुमारी	,,	,,	,,	,,
	रंजू कुमारी	[illegible] मांझी	,,	,,	,,
	मुकेश कुमार	[illegible] मांझी	,,	,,	,,
	विलास कुमार	[illegible] मांझी			

ललीता कुमारी	रामपत मांझी	मुसहर	प्रा०वि० पंचरुखी	[illegible] 193
कांती कुमारी	रामपत मांझी	,,	,,	,,
रीता कुमारी	रामदेव मांझी	,,	,,	
मैना कुमारी	रामजात मांझी	,,	,,	,,
बच्ची कुमारी	लगनू मांझी	,,	,,	,,
शिव कुमार	राजमंगल मांझी	,,	,,	,,
राजू कुमार	रामचंद्र मांझी	,,	,,	
सुशीला कुमारी	जुगली मांझी	,,	,,	,,
संजय कुमार	रघुनाथ मांझी	,,	,,	
जिवछ कुमार	रूपलाल मांझी	,,	,,	,,
दिनेश कुमार	नागेन्द्र मांझी	,,	,,	,,
राजीव कुमार	रामलाल मांझी	,,	,,	,,
गोनौर मांझी	बैजनाथ मांझी	,,	,,	,,

प्रखंड [illegible]नगर, प्राथमिक अनौपचारिक [illegible] से उन्मुक्त शिशु प्राथमिक [illegible] के विद्यालयों में जाकर नाम लिखाने वाले शिशुओं की सूची ——

अनुदेशक का नाम	वि0 में जानेवाले शिशुओं का नाम	पिता का नाम	जाति	जिस वि0 में शिशु नाम लिखाया, उस वि0 का नाम	तिथि
[illegible] सुनीता जायसवाल	रंजीत कुमार	श्री प्रह्लाद गोसाईं	जोगी	म0वि0[illegible]पुरहाट,	मार्च,
श्री जनक प्रसाद	विनय कुमार	,,परमेश्वर प्रसाद	कोइरी	प्रा0वि0गांधीनगर,	,,
	विजय कुमार	,,कपिलदेव प्रसाद	,,	,,	,,
	विपीन कुमार	,,कृष्णदेव प्रसाद	,,	,,	,,
	मुनीप कुमार	,,ननोपत प्रसाद	,,	,,	,,
	अजय कुमार	,,कपिलदेव प्रसाद	,,	,,	,,
	देवेन्द्र कुमार	,,पोषण प्रसाद	,,	,,	,,
श्री रणधीर प्रसाद	कुन्दल प्रसाद	,,लक्षण प्रसाद	,,	,,	फरवरी, 94
	ममता कुमारी	,,रामविलास प्र0	,,	,,	,,
	भोला साह	श्री भरत साह	तेली	,,	,,
श्री रामतलेश्वर सिंह	मदन कुमार	श्री बद्री सिंह	राजपुत	प्रा0वि0[illegible]पुर,	5-3-94
	राजीव कुमार	,,	,,	,,	13-3-94
श्री राजेन्द्र प्रसाद	रामबाबू कुमार	श्री जयलाल प्रसाद	कोइरी	प्रा0वि0महौलिया,	2-4-94
श्री राजकि0 प्र0यादव	गणेश राम	श्री नरसिंग राम	चमार	प्रा0वि0,जमुरिया,	5-3-94
श्री सच्चिदानंद कुमार	राजकुमार	श्री जयमंगल सिंह	कोइरी	[illegible]वि0मेलाईपुर	5-3-94
श्री रविन्द्र कु0सिंह	तेतरी कुमारी	स्व0रामदेव राम	चमार	,,	1-3-94
	नवल कुमार	श्री हरेन्द्र राम	,,	,,	18-3-94
	सुनीता कुमारी	श्री जयकिशुन सिंह	कोइरी	,,	2-3-94
	विश्वनाथ कुमार	श्री रघुनाथ सिंह	,,	,,	5-3-94
श्री राजेश कुमार	शिखला कुमारी	श्री दोलत राम	चमार	,,	3-3-94
	अजमुल्ला मियाँ	श्री जहीर मियाँ	मियाँ	,,	5-3-94
दिनेश प्रसाद	बबिता कुमारी	श्री चंद्रेश्वर साह	सोनार	,,	4-3-94
	मुकेश कुमार	श्री [illegible] साह	,,	,,	[illegible]
शंभू कुमार	रेखा कुमारी	श्री बद्री सिंह	कोइरी	,,	2-2-94
	हरिशंकर कुमार	,,	,,	,,	,,
	रेखा कुमारी	श्री टुटू सिंह	,,	,,	4-4-94
[illegible] सिंह	रमा कुमारी	श्री [illegible] सिंह	,,	,,	3-3-94
	वन्दन कुमार	,,	,,	,,	6-5-94
श्री शशिभूषण सिंह	विकास कुमार	श्री भैरो सिंह	,,	[illegible]	8-4-94

विजय कुमार	कौशल्या कुमारी	श्री सीताराम साह	बनिया	रा०प्रा०वि०लगहरी	मार्च,9
	मुन्नी कुमारी	श्री पारसनाथ साह	,,	,,	,,
	शत्रुघ्न कुमार	श्री बालदेव भगत	कुशवाहा	,,	,,
	सुनीता कुमारी	श्री महेन्द्र प्रसाद	,,	,,	,,
	सूरज कुमारी	श्री राजदेव भगत	,,	,,	,,
	मनोज कुमार	श्री राजाराम साह	बनिया	,,	,,
	पूनम कुमारी	श्री लक्ष्मी प्रसाद	कुशवाहा	,,	,,
श्यामसुन्दर यादव,					
	हरिओम कुमार	श्री रामपुकार साह	बनिया	,,	जून,
	मनोज कुमार	श्री [illegible]बाबू साह	,,	,,	,,
कंवली बैठा	विरेन्द्र बैठा	श्री परीक्षण बैठा	धोबी	,,	,,
	सरीता कुमार	श्री अकेन्द्र बैठा	,,	,,	,,
	रीना कुमारी	श्री फूला बैठा	,,	,,	,,
	मनोज बैठा	श्री शिवजी बैठा	,,	,,	,,

(10) समुदाय टोला का निवासी होता है। अत्यंत सामान्य स्थिति में भी, जहाँ अनौपचारिक प्रभाग का एक व्यक्ति एक बार भी पहुँच पाता है, टोला सभा होती है और टोला सभा ही स्वयंसेवक(अनुदेशक) की पहचान करती है, टोला समिति बनाती है तथा टोला समिति को अनौपचारिक शिक्षा चलाने के लिए उचित निर्देश देती है। टोला समितियों का उन्मुखीकरण नहीं हुआ है, इसलिए वे अनौपचारिक शिक्षा के संदर्भ में कितने हद तक काम कर पाती है, सभी समितियों के बारे में ठीक-ठीक नहीं कहा जा सकता। मगर जहाँ-जहाँ संपर्क हुआ है, अनौ० कहाँ जा सके हैं, वहाँ समुदाय ने इस संदर्भ में हर प्रकार से सहयोग किया है। मुख्यतः शिक्षुओं की पहचान में, स्वयंसेवकों को चुनाव करने में, इकाई को मात-कदा प्रोत्साहन देने में, मानदेय देने के समय, समारोह में भाग लेने में इत्यादि।

(11) टोला समिति के ही माध्यम से मानदेय दिया जाता है। पर्यवेक्षकों की पहचान हो चुकी है, वे आरम्भ से ही काम में लगे है। मगर अभी तक उन्हें पर्यवेक्षक के रुप में मान्यता नहीं मिली है। इसलिए उनसे पूरे काम की उम्मीद नहीं की जा सकती। टोला समितियों ने ही पर्यवेक्षकों की पहचान में मदद की है। टोला समिति के सदस्य यथासंभव इकाई चलाने में मददकरते हैं।

(12) अनुदेशक(स्वयंसेवक) की पहचान टोला सभा में होती है। समुदाय के जिन शिक्षार्थी को अनौपचारिक शिक्षा मिलनी है, उनको पढ़ाने के लिए उनके [illegible] स्वयंसेवक की पहचान टोला सभा के रुप में समुदाय के लोग करते हैं। प्रायः [illegible] को पहचानने की कोशिश होती है। नहीं मिलने पर ही पुरुषों की पहचान की जाती है। पर्यवेक्षकों की पहचान तो हुई है, मगर उनका नियोजन नहीं हो सका है।

(13) अनुदेशकों को मानदेय टोला समिति के संयोजक/संयोजिका, मुखिया तथा टोला समिति के उपलब्ध सदस्यों एवं अन्य टोलावासियों के समक्ष टोला समिति के माध्य से दिया जाता है।

(14) प्रशिक्षण

अनुदेशकों (स्वयंसेवकों) का प्रशिक्षण

[illegible] अवधि	स्थान	कहाँ के स्वयंसेवक	प्रशिक्षक	अन्य प्रशिक्षण सहयोगी
[illegible]-8-93 से [illegible]-8-93 तक	गायघाट प्रखण्ड परिसर	गायघाट प्रखंड के	1. किशोरी जोसेफ 2. कृष्ण मुरारी ठाकुर 3. पूनम [illegible] 4. श्री शैलेन्द्र कु०श्री[illegible]	1. श्री प्राण कुमार [illegible] 2. श्री धनुषधारी ठाकुर 3. अंचलाधिकारी, गायघाट 4. प्रखंड विकास पदाधिकारी, गायघाट
[illegible]-9-93 से [illegible]-9-93 तक	तथैव	तथैव	1. किशोरी जोसेफ 2. कृष्ण मुरारी ठाकुर	1. प्रो० शैलेन्द्र कु०श्रीवास्तव 2. अंचलाधिकारी, गायघाट 3. प्र०वि०पदा०, गायघाट 4. श्री धनुषधारी ठाकुर

प्रशिक्षण अवधि	स्थान	कहाँ के स्वयंसेवक	प्रशिक्षक	अन्य प्रशिक्षण सहयोगी
13-3-94 से 24-3-94तक	जारंग दलित छात्रावास	मोतीपुर प्रखंड के	1. कृष्णमुरारी ठाकुर 2. श्री विनोद पंडित 3. श्रीमती माधुरी श्रीवास्तव	1. प्रो० शैलेन्द्र कु० श्रीवास्तव 2. अंचलाधिकारी, गायघाट 3. श्री महेन्द्र नारायण सिंह 4. श्री सुशील मिश्र
10-10-93 से 21-10-93 तक	साधु भवन मीनापुर	मीनापुर प्रखंड के	1. कृष्णमुरारी ठाकुर 2. किशोरी जोसेफ 3. पुष्पा कक्कड़ 4. सुशील मिश्री 5. प्रो०शैलेन्द्र कु०श्री०वा०	1. मुखिया प्रतिनिधि 2. प्र०वि०पदा०, मीनापुर 3. चिकित्सा पदा०, मीनापुर 4. मुखिया, महदेइयाँ
-6-93 से -6-93 तक	बखरी पंचायत भवन, मीनापुर	मोतीपुर प्रखंड के	1. कृष्ण मुरारी ठाकुर 2. पुष्पा कक्कड़ 3. श्री महेन्द्र नारायण 4. श्री संजीव कुमार 5. प्रो०शैलेन्द्र कु०श्रीवास्तव	1. प्र०वि०पदा०, मोतीपुर 2. मुखिया, पंचरुखी 3. श्री गदाधर प्रसाद
-11-93 से 17-11-93तक	साधु भवन मीनापुर	मीनापुर प्रखंड के	1. किशोरी जोसेफ 2. कृष्णमुरारी ठाकुर 3. पुष्पा कक्कड़ 4. सुशील मिश्र 5. प्रो०शैलेन्द्र कु०श्रीवास्तव	1. प्र०वि०पदा०, मीनापुर 2. श्री धनुषधारी ठाकुर 3. मुखिया, महदेइयाँ
12-3-94 से 17-3-94तक	तथैव	गायघाट प्रखंड के	1. कृष्ण मुरारी ठाकुर 2. श्री महेन्द्र ना०सिंह 3. सुशील मिश्र 4. माण्डवी कुमारी 5. प्रो० शैलेन्द्र कु०श्रीवास्तव	1. श्री धनुषधारी ठाकुर 2. चिकित्सा पदा०, मीना 3. मुखिया, महदेइयाँ

(15) अनुदेशकों (स्वयंसेवकों) का प्रशिक्षण कितनी बार हुआ।

101 अनुदेशकों का प्रशिक्षण 12 दिनों का आवासीय रूप से दो खेपों में दिया गया। छः दिनों का एक बार तथा छः दिनों का दूसरा बार।

239 अनुदेशकों का प्रशिक्षण एक साथ आवासीय रूप में 12 दिनों का दिया गया। 10 दिनों का द्वितीय चरण का प्रशिक्षण होने की प्रक्रिया में है।

(16-17)

अनुश्रवण एक जटिल प्रक्रिया है। संवाद-संचार, प्रोत्साहन, संचालन, उद्देश्य के अनुसार क्रियान्वयन की जाँच अनुश्रवण के मुख्य मुद्दे हैं। इसके लिए पर्यवेक्षक अत्यंत आवश्यक अंग होते हैं। साथ जिले से लगातार संपर्क, वह भी मुख्यतः अनौपचारिक कोर ग्रुप द्वारा। यह कार्य यहाँ नहीं हो पाया है। संपर्क कम है, पर्यवेक्षक नहीं हैं तथा टोला समितियों को अनुप्राणित नहीं किया जा सकता है।

6-14 वयसमूह के शिक्षुओं के चुनाव में परिवर्तन लाकर, पिछले कुछ महीनों से 9-14 वयसमूह के लिए इकाइयाँ बनाई जा रही है। अन्य प्रभागों के लोग भी देखभाल करते हैं।

तत्काल जो पहचाने गए पंजीकृत हैं, मगर जिन्हें मान्यता नहीं मिली है, उनको सहायता से थोड़ा बहुत संधारेक्षण होता है।

§18§ अनौपचारिक प्रभाग में जिले में 3 स्तरीय व्यक्ति के स्तर के कर्मी है। इनकी सहायता से तीन प्रखण्डों में जहाँ कार्य चालू है, संपर्क किया जाता है। सूचनाएँ इन संपर्कों के आधार पर यथासंभव मिलती हैं। प्रखण्डों में काफी दूर-दूर पर इकाइयाँ है। अतः पूरे अनुश्रवण एवं संधारेक्षण के लिए तंत्र का और फैलाव अपेक्षित है।

§19§ टोला सभा में जिन मुद्दों पर विशेष विचार होता है, उनमें बालिकाओं में शिक्षा बढाना मुख्य होता है। इसी का फल है कि अनौपचारिक इकाइयों में बालिकाएँ एवं मुसहर विद्यालयों से बचे दलित शिशु आए है।

§20§ प्रश्न नहीं उठता।

§21§ जिले में कितनी इकाइयाँ चालू करनी है, इसे जिले में तय करने के बाद ही यह संख्या दी जा सकेगी।

§22§ इकाइयों के संचालन में स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण बड़ा महत्व रखता है। यथासंभव खेल-खेल की विधि ट्रेनिंग में सिखाई जाती है। साथ ही माताओं तथा महिला रिश्तेदारों को इकाई के निकट बुलाने की हमेशा कोशिश की जाती है। समय-समय पर सांस्कृतिक खेलों को प्रश्रय दिया जाता है।

अभी यहाँ शिक्षुओं की कोई जाँच नहीं हो सकी है, जिससे सफलता का मापदण्ड बनाया जा सके। जाँच के बाद ही कहा जा सकता है कि किसी स्वयंसेवक के परिश्रम का कितना फल निकला है।

खेल खेल में पढाई का हर इकाई में भरपूर उपयोग होता है।

-----::0::-----

बिहार शिक्षा परियोजना,

अनौपचारिक शिक्षा प्रभाग

प्रगति की रपट

मुद्दा	1993-94 लक्ष्य	1993-94 उपलब्धि	विशिष्ट जानकारी
1) प्रशिक्षण (क) 12 दिवसीय स्वयंसेवक शिक्षक	600	369+176 (प्रक्रिया में)	मोतीपुर, गायघाट, मीनापुर, कुढ़नी, कांटी प्रखण्ड।
(ख) दूसरा कैम्प (10 दिवसीय)	215	215	
2) सर्वेक्षण	—	545+88 टोले	मोतीपुर, गायघाट, कांटी, मुशहरी, बोच, मीनापुर प्रखण्ड।
3) इकाइयाँ	600	545	मोतीपुर, गायघाट, मीनापुर, कुढ़नी, कां
4) शिशु	—	213,625	तदैव
5) सामग्री (क) ब्लैकबोर्ड	600	102	मीनापुर-01 मोतीपुर-26 गायघाट-75
(ख) स्लेट	13625	9225+4400 (प्रक्रिया में) =13625	
(ग) पहला प्राइमर	13625	9825+4400 (प्रक्रिया में) 13626+600 (प्रशिक्षु)	
(घ) झोला	—	2800	मीनापुर प्रखण्ड
(ङ) चॉक (पेन्सिल)			सभी को दिया गया
(च) रजिस्टर्ड टोला समिति कार्यवाही बही, हाजिरी बही तथा मास्टर रजिस्टर	1800	700+500 (प्रक्रिया में) =1200	मोतीपुर, मीनापुर, गायघाट
(छ) अनुदेशक संदर्शिका	600	545	
(ज) बालगीत पुस्तिका	600	545	
(झ) प्रशिक्षु के लिए कॉपी, कलम तथा अन्य सामग्री	600	545 सेट + 215	
मानदेय		मार्च 31 तक (प्रक्रिया में) दिसम्बर तक दिया गया।	213 स्वयंसेवकों को

अनौपचारिक इकाइयों की सूची

प्रखण्ड– गायघाट

क्रम	स्वयंसेवकों का नाम	पंचायत	ग्राम	टोला	[illegible] समय	सामान्य म०	सामान्य पु०	अनुसूचित म०	अनुसूचित पु०	योग
	श्रीमती सुशीला देवी	जाँता	जाँताडीह	हरिजन	3–5 दिन	16	10	—	—	26
2.	,, मधुमाला देवी	,,	,,	डीह	6–8 शाम	09	16	—	—	25
3.	,, मिनता देवी	,,	,,	दक्षिण	,,	07	09	01	08	25
4.	,, कुन्ती कुमारी	सुल्ता	चक्की	दक्षिण	,,	18	07	—	—	25
5.	,, कामिनी कुमारी	जाँता	जाँता	बिचला	8–10 सुबह	20	06	—	—	26
6.	,, पार्वती देवी	,,	,,	मोड़	6–8 शाम	09	06	06	05	26
7.	श्री रामपवित्र राम	,,	,,	पश्चिम	,,	11	10	—	—	21
8.	,, लग्गू पासवान	,,	,,	,,	,,	03	06	08	08	25
9.	,, सत्य ना० साह	,,	मगराहाँ	मगराहाँ	,,	12	16	—	—	28
0.	,, रामदरेश राय	,,	कुम्हरौल	दक्षिण	,,	09	11	—	—	20
1.	,, अरविन्द राय	,,	,,	जाँता	,,	08	19	—	—	27
2.	,, रामचंद्र साह	,,	जाँताडीह	डीह	,,	12	12	—	—	25
3.	,, दिनेश ठाकुर	,,	,,	,,	,,	10	12	—	—	22
4.	,, रविन्द्र साह	,,	,,	,,	,,	23	02	—	—	25
5.	,, रामप्रवेश राय	,,	मगराहाँ	मगराहाँ	,,	04	08	07	10	29
6.	,, सुरेश राय	,,	,,	,,	,,	11	14	—	—	25
7.	,, मौजे पासवान	,,	मोतनाजे	मोतनाजे	7–9 शाम	04	03	07	13	27
8.	,, सुरेश राम	,,	जाँता	बैरिफा	6–8 सुबह	05	15	—	—	20
9.	,, सतीश झा	,,	कुम्हरौल	पश्चिमी	,,	05	—	16	02	23
	,, विश्वनाथ प्रसाद	,,	,,	डीह	,,	05	—	16	02	23
	,, महेन्द्र प्र०यादव	,,	जाँताडीह	बेलदह	1–3 दिन	18	13	—	—	31
	,, सचीन्द्र सहनी	,,	,,	डीह	6–8 शाम	15	13	—	—	28
	,, कमलदेव राय	,,	मगराहाँ	मगराहाँ	,,	15	14	—	—	29
	,, रामकरण महतो	,,	जाँता	पश्चिमी	,,	05	15	—	—	20
	,, रौशन दास	शिवदाहाँ बरेल	शिवदाहाँ बरेल	फेकनारायण	,,	—	04	11	12	27
	,, उमेश राय	सुल्ता	बदैया	पुरवारी	,,	04	12	03	07	26
	,, बैजन पासवान	ककरिया	ककरिया	ककरिया	6–8 सुबह	13	07	05	01	26
	,, सुमित पासवा०	लक्ष्मणनगर	मकरंगपुर	लक्ष्मणनगर	7–9 सुबह	19	10	05	02	36
	,, छोटेलाल राय	ककरिया	ककरिया	ककरिया	7–9 शाम	12	13	—	—	25
	,, रामचंद्र साह	[illegible]	सिमौल	कहार	6–8 शाम	—	—	[illegible]	[illegible]	[illegible]

	श्री रोशन दास	बलुआरी	तिजौल	उत्तरी	6-8 शाम	14	09	—	—	23
	,,महेन्द्र ना0सिंहमगम	,,	,,	तिजौल	,,	09	16	—	—	25
	,,सरोज कुमार	,,	,,	दक्षिण	,,	06	20	—	—	26
	,,अजय कुमार	,,	,,	बलुआरी	,,	14	11	—	—	25
	श्रीमती सीता देवी	ककड़िया	ककरिया	पूर्वी	,,	—	—	11	09	20
7.	पंडितेश्वर पासवान	,,	,,	उत्तरी	,,	04	06	05	11	26
	श्री तेज ना0 मंडल	,,	बटमोत्तर	बिचला	,,	12	13	—	—	25
	,, सुकुल साह	,,	,,	बटमोत्तर	,,	—	—	16	09	25
	,, शिवजी राय	,,	,,	पश्चिमी	,,	12	14	—	—	26
	श्रीमती शीला देवी	,,	ककरिया	बिचला	7-9 शाम	16	21	—	—	27
	श्री सुरेश राम	सुस्ता	सुगाईपट्टि	चमार	6-8 शाम	09	10	02	06	27
	,,रामटहल मंडल	,,	बलहाँ	धानुक	,,	01	18	04	04	27
	,, प्रवीण साफी	,,	,,	बलहाँ	,,	11	12	01	01	25
	श्रीमती वीणा कुमारी	,,	बदेया	बिचला	,,	12	16	—	—	28
	,, पुनम कुमारी	,,	,,	पश्मी	,,	13	18	==	—	31
	,, शुकुल कुमारी	,,	,,	चमार	,,	13	11	02	01	27
	श्री उमेश राय	,,	,,,	बिचला	,,	08	22	—	—	30
	,,पंकज कु0 कर्ण	,,	गोढियारी.....		,,	14	11	—	—	25
	,,संजय कु0 कर्ण	,,	,,	पश्चिमी	,,	—	—	09	16	25
	,,रामप्रवेश मंडल	,,	पागाडीह,	पागाडीह	,,	07	18	—	—	25
	,,सुनील सहनी	,,	,,	[illegible]	,,	08	18	—	—	26
	,,विनोद पंडित	,,	पागालक्ष्मी.....		,,	22	06	01	—	29
	,,गोतिश्वर पंडित	,,	,,	,,	,,	09	17	—	—	26
	श्रीमती उषा कुमारी	,,	,,	पूर्वी	,,	—	—	25	04	29
	,, गुलाब देवी	,,	सुस्ता	चक्की	,,	10	03	06	06	25
	श्री रामलखन पासवान	,,	,,	मलाह	,,	06	19	—	—	25
	,, मदन ठाकुर	,,	,,	सुस्ता	,,	12	13	—	—	25
	,, दुनदुन प्र0यादव	,,	,,	,,	,,	11	16	—	—	27
	,, राजेन्द्र साह	,,	,,	,,	,,	06	21	—	—	27
	,, शत्रुघ्न राय	,,	,,	मलाह	,,	12	13	—	—	25
	,,इन्द्रजीत कुमार	,,	,,टोक	दक्षिण	,,	09	16	—	—	25
	,,राजकिशोर राम	,,	,,	उत्तरी	,,	—	—	12	13	25
	श्रीमती मंजू कुमारी	,,	बदेया	पूर्वी	,,	10	15	—	—	25
	श्री मिट्टू राम	जाफा	जाताडीह	डीह	,,	—	—	16	12	28
	,, संजय प्रसाद	,,	,,	,,	,,	04	16	02	03	25

67.	श्री प्रीतम सहनी	मुस्ता	मुस्ता	मुस्ता	6-8 शाम	08	16	02	—	26
68.	,, सत्यनारायण राय	,,	,,	बनिया	,,	17	13	—	—	30
69.	,, अमीरी सहनी	,,	,,	मुस्ता	,,	08	07	06	05	26
70.	श्रीमती मीना देवी	,,	,,	मलाह	,,	16	11	—	—	27
71.	,, शिवकला देवी	,,	कुम्हरोल	पश्चिमी	,,	10	18	—	—	28
72.	,, मीना कुमारी	,,	चांदपुरा	चैनपुरा	,,	14	06	05	02	27
73.	श्री विन्देश्वर ठाकुर	,,	बलहाँ	बलहाँ	,,	18	08	—	—	26
74.	श्रीमती सुनीता देवी	शिवदाहाँ	शिवदाहाँ	पूर्वी	,,					
75.	,, ज्ञान सागर देवी	,,	,,	राजपूत	,,					
76.	सुश्री सुनीता कुमारी	,,	,,	पूर्वी	,,					
77.	श्रीमती पूनम देवी	,,	,,	,,	,,					
78.	,, मंजू देवी	,,	बहादुरपुर	,,	,,					
79.	,, ललिता देवी	,,	सहदा	,,	,,					
80.	,, नीलम देवी	,,	शिवदाहाँ	उत्तरी	,,					
81.	श्री लक्ष्मी राम	,,	,,	पूर्वी	,,					
82.	,, सुरेश प्र0 साह	,,	जहाँगीर	दास	,,					
83.	,, निरंजन मंडल	,,	,,	मंडल	,,					
84.	,, अशोक कु0 राउत	,,	शिवदाहाँ	पश्चिमी	,,					
85.	,, रत्नेश कु0 उपाध्याय	,,	,,	बिचला	,,					
86.	,, महेश राम	,,	जहाँगीरपुर,	सहनी	,,					
87.	,, रामलोचन ठाकुर	,,	,,	साहूजी	,,					
88.	,, रामदिनेश राम	,,	शिवदाहाँ	चमार	,,					
89.	,, रामदेव पासवान	,,	बहादुरपुर	पासवान	,,					
90.	,, पवन कु0 पंडित	,,	नवादपुर	ततमा	,,					
91.	,, विनय कु0 पंडित	,,	,,	कुम्हार	,,					
92.	,, रामबाबू सहनी	,,	बहादुरपुर	सहनी	,,					
93.	,, अंजनी कु0 मिश्र	,,	शिवदाहाँ	फ्लैट ना0	,,					
94.	,, रविन्द्र यादव	,,	,,	ग्वाला	,,					
95.	,, जितेन्द्र कुमार	,,	,,	बढ़ई	,,	08	18	—	—	27
96.	,, शिव कु0 यादव	,,	,,	कहार	,,					
97.	श्रीमती प्रमिला देवी	गायघाट	सकरपारा,	राजपूत	,,	—	—	10	15	25
98.	श्री रामउदार मंडल	जारंग	जारंग	गोटोली	,,					
99.	श्री रामाधार वर्मा	,,	,,	कॉलोनी	,,	11	19	—	—	30
100.	सुश्री मीरा कुमारी	,,	,,	कायस्थ	,,	15	12	—	—	27
101.	श्रीमती गीता देवी	,,	,,	तुनीया	7-9 सुबह	25	—	—	—	25

03. श्रीमती सुभद्रा देवी	कमरथु	लोमा	अमात	7–9 शाम	10	15	—	—	25
04. श्री अशोक कु0 सिंह	,,	,,	हजाम	6–8 शाम	08	17	—	—	25
05. श्री महेश भगत	,,	,,	नुनिया	,,					
06. ,,सत्येन्द्र राम	,,	,,	चमार	,,	—	—	15	10	25
07. ,,सुमननारायण राय	,,	,,	हलवाई	,,	09	10	02	04	25
08. ,,हरेन्द्र कु0सिंह	,,	,,	पश्चिमी	,,	11	16	—	—	27
09. ,,रामवृक्ष राय	,,	,,	नुनिया	7–9 रात्रि	12	13	—	—	25
10. ,,राजबालक पंडित	,,	,,	माझी	6–8 शाम					
11. ,,शत्रुघ्न पंडित	,,	,,	मलाह	7–8 शाम	07	14	—	—	21
12. ,,उमाशंकर राम	बेलवा	कारीचक	कारीचक	7–9 सुबह	11	14	—	—	25
13. श्रीमती शांति ठाकुर	,,	,,	उत्तर	6–8 शाम					
14. ,, कविता सिन्हा	,,	,,	पिहरी	,,					
15. ,,मिथिलेश देवी	,,	,,	,,	11–1 दिन					
16. ,,ममता देवी	,,	,,	,,	2–4 दिन					
17. ,,इन्दु देवी	,,	,,	,,	6–8 शाम					
18. ,,देवलाल मांझी	,,	,,	सिरामपुर	7–9 रात्रि					
19. श्री हरलाम बैठा	,,	,,	,,	,,					
20. ,,रविन्द्र ठाकुर	,,	,,	पोद्दार	,,,					
21. ,,ब्रह्मदेव पासवान	,,	,,	दुसाध	,,,					
22. श्रीमती वीणा देवी	दुस्ता	चकली	पूर्वी	7–9 शाम					
23. ,,अम्बिका देवी	जारंग	जारंग	पूर्वी	6–8 शाम	10	12	01	02	25
24. ,,शांति देवी	,,	,,	,,	,,					
25. ,,सुनीता [illegible]	,,	,,	बंगला	3–5 दिन	19	06	[illegible]	—	25
26. ,, रेणु कु0 सिंह	,,	,,	गोटगामी	,,	12	13	—	—	25
27. सुश्री अंजु कुमारी	,,	,,	दक्षिणी	6–8 शाम	16	09	—	—	25
28. श्रीमती ललिता कुमारी	,,,	,,	पूर्वी	12–2 दिन	14	11	—	—	25
29. ,,पूनम कुमारी	,,	,,	बिचला	3–5 दिन	17	05	—	—	22
30. श्री रामशीष राम	,,	,,	चमार	6–8 शाम	—	—	09	16	25
31. ,, गजेन्द्र कुंवर	,,	,,	कोन्हारा	7–9 सुबह					
32. ,,विनोद सिंह	दुहवा	पांडपुरा	पांडपुरा	7–9 शाम					
33. ,,सुशील कुमार	,,	पागाडीह	पागाडीह	,,					
34. ,,हरेन्द्र कुमार	,,	,,लक्ष्मी	पश्चिम	,,	20	05	--	—	25
35. श्रीमती तारा देवी	,,	,,	पूरब	,,					
36. श्री शिवशंकर भगत	कांटा	कांटा	बढ़ई	,,	10	15	—	—	25
37. ,,निरंजन साह	,,	,,	मलाह	,,	08	17	—	—	25

9. श्री महावीर कुमार	कांटा	कांटा	मुसहर	6–8 शाम						
10. ,, शिवजी भगत	,,	,,	मलाह	7–9 शाम						
11. ,, राजकिशोर चौरसिया	,,	,,	चमार	,,	05	05	05	10	25	
12. ,, वैद्यनाथ भगत	,,	,,	धोबी	,,	15	15	—	—	30	
13. ,, [illegible] कुमार	,,	,,	हलवाई	,,						
14. ,, [illegible] पासवान	बखारी	महेशवाड़ा	हरिजन	,,	15	14	17	10	56	
15. ,, सुशील राउत	,,	,,	,,	7–9 शाम						
16. ,, मुन्ना महतो	,,	,,	नुनिया	,,						
17. श्रीमती किरण देवी	,,	बखारी	पश्चिम	1–3 दिन	—	—	10	15	25	
18. श्री रामकिशोर सिंह	पिरौछा	पिरौछा	डगहर	7–9 सुबह						
19. ,, [illegible]लाल सिंह	,,	,,	पूर्वोत्तर	,,	02	22	—	—	25	
20. ,, [illegible]धर प्रसाद	,,	,,	पूरब	,,	06	17	—	—	23	
21. ,, रामललित रत्नाकर	,,	,,	ब्राह्मण	,,	11	14	—	—	25	
22. ,, श्री महादेव साह	,,	,,	पश्चिम	,,	03	24	—	—	27	
23. ,, महेश प्र० सिंह	,,	,,	नुनिया	,,	07	18	—	—	25	
24. ,, खगेश सिंह	,,	,,	पूरब	,,	11	16	—	—	27	
25. ,, रामदेव साह	,,	,,	तेली	,,	14	13	—	—	27	
26. श्रीमती कल्पना देवी	पिरौछा	पिरौछा	पश्चिम	,,	24	05	—	—	29	
27. श्री मोहन राम	,,	,,	चमार	,,	—	—	08	17	25	
28. ,, पंकज कु० ठाकुर	,,	,,	हजाम	,,	10	15	—	—	25	
29. ,, सुरेश पंडित	,,	,,	,,	,,						
30. ,, हरिश्चंद्र सहनी	,,	,,	मलाह	,,						

कार्यालय, बिहार शिक्षा परियोजना, मुजफ्फरपुर

प्रभाग— महिला समाख्या

विषय:- अब तक मार्च 93-94 की उपलब्धि एवं मार्च 94-95 वर्ष की कार्ययोजना

अप्रैल, 1992 में बिहार शिक्षा परियोजना का शुभारंभ मुजफ्फरपुर जिले में हुआ। विभिन्न बैठकों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं में विभिन्न वर्ग एवं क्षेत्रों की महिलाओं को आमंत्रित कर महिला समाख्या कोर टीम के लिए महिलाओं की पहचान की गई।

बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना से आई हुई पदाधिकारियों के द्वारा कोर टीम की महिलाओं का चयन हुआ एवं उन्हें प्रशिक्षण के लिए पटना एवं क्षेत्र भ्रमण के लिए उत्तर प्रदेश [सहारनपुर] भेजा गया। प्रशिक्षण के उपरांत महिला समाख्या कार्यक्रम के लिए 160 गाँव लिए गए। जिनमें कोर टीम के द्वारा गाँव में समूह के दौरान सहयोगिनियों की पहचान की गई तथा प्रखंड एवं जिला स्तर पर कार्यशाला आयोजित कर उनका चयन किया गया। तत्पश्चात उनका प्रशिक्षण जमशेदपुर में करवाया गया। प्रशिक्षण के उपरांत सभी सहयोगिनियों को 10-10 गाँव कार्य के लिए दिये गये।

चयन का आधार:— अत्यंत पिछड़ी जाति, पिछड़ी जाति एवं अनुसूचित जाति तथा अल्पसंख्यक जाति बहुल प्रखंड एवं गाँवों को लिया गया।

1.	प्रखण्ड-	3	कुढ़नी	मुशहरी	बोचहाँ
2.	गाँव की संख्या-	160	10	129	21
3.	आच्छादित गाँव की संख्या-	160	1993-94 के निर्धारित लक्ष्यानुसार		
4.	कोर टीम की संख्या-	3			
5.	सहयोगिनियों की संख्या-	16			
6.	गठित महिला समूहों की संख्या-	122			
7.	चिन्हित सखी की संख्या-	201	[प्रशिक्षित-135, अप्रशिक्षित-66]		
8.	महिला समूहों की महिलाओं की संख्या-	2942			
9.	बचत कोष महिला समूहों की संख्या-	45			
10.	बचत कोष की कुल राशि-				
11.	बचत कोष की कुल महिलाओं की संख्या-				
12.	चिन्हित सहेलियों की संख्या-	32	[प्रशिक्षित-25]		

विशेष उपलब्धियाँ

[1] महिला दिवस— 8 मार्च, 94 को महिला दिवस के अवसर पर रैली, आमसभा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम किए गये।

[2] बचत योजना:— अब तक कुल 34 गाँवों के समूहों में बचत कोष योजना शुरू हो चुकी है। इसमें कुल महिलाओं की संख्या—512 है। इस आय

के लिए प्रयास जारी है।

§3§ नामांकन- अब तक महिला समाख्या की सखी एवं सहयोगिनियों के प्रयास से मार्च,94 तक 1639 बच्चों का नामांकन हुआ है,जिसमें बालिकाओं की संख्या- 795 है एवं बालकों की संख्या-844 है। है तथा 80 छीजनग्रस्त बच्चों को अभिप्रेरित कर वर्ष 93 में परीक्षा दिलवायी गई है।

§4§ टीकाकरण:- कुल-247 बच्चों का टीकाकरण हो चुका है। अभी यह काम चल ही रहा है। अब महिलाएँ स्वास्थ्य केन्द्र पर जाकर टीका लगवाने लगी है। गर्भवती महिलाये भी स्वास्थ्य केन्द्र पर जाकर टीका लेती है।

§5§ ग्राम शिक्षा समिति-ग्राम शिक्षा समिति का गठन औपचारिक विभाग के सहयोग से किया जा रहा है।

§6§ पेयजल- फतेहपुर स्कूल,बाकरपुर गाँव तथा डुमरी में महिला समूह के प्रयास से चापाकल लगवाया गया है।

§7§ राशन संबंधी- अब तक कुल 16 गाँवों में सही दामों पर समूह की महिलाएँ राशन का सामान ले रही है। बाकी गाँवों में प्रयास जारी है।

§8§ जिला रिसोर्स सेंटर-जिला रिसोर्स सेन्टर ले लिया जा चुका है।

§9§ संचालन समिति का गठन-संचालन समिति का गठन भी किया जा चुका है।

<u>अन्य उपलब्धियाँ</u>

§क§ बाकरपुर गाँव में सहयोगिनी,सखी एवं महिला समूहों के प्रयास से खुले एक स्कूल का उद्घाटन 15 फरवरी को किया गया है। इसमें एक से लेकर पाँचवें वर्ग तक की पढाई होती है। इसमें पढ़ने वाले बच्चों की कुल संख्या-234 है।

§ख§ बाकरपुर गाँव में दो परिवार के बीच हुए हिंसक झगड़े का निबटारा वहीं की महिला समूह द्वारा किया गया।

§ग§ बाकरपुर गाँव में समूह के प्रयास से इंदिरा आवास बनाये गये घर पर छप्पर चढवाया गया।

§घ§ यहीं पर महिला समूह द्वारा एक आदर्श विवाह संपन्न हुआ।

<u>कठिनाइयाँ</u>

§1§ कार्यक्रम शुरू करने के बाद पहली कठिनाई यह आई कि गाँव वालों को किसी योजना पर विश्वास नहीं था। लेकिन कार्यक्रम के सदस्य बार-बार जाने तथा उनसे संपर्क बनाने के बाद उनका सहयोग मिलने लगा।

§2§ स्कूल निरीक्षण के दौरान सहयोगिनी/सखी को स्कूल मास्टर से अनेकों निराशाजनक बातें सुनने को मिली,लेकिन इनमें व्यवहार तथा उत्साह को देखकर उन्होंने भी

§3§ राशन से संबंधित उचित बात बताने पर बाकरपुर गाँव में सहयोगिनी श्रीमती सावित्री देवी को डीलर के द्वारा मारने की धमकी दी गई। लेकिन महिला समूह तथा गाँव वाले उसके लिए डीलर से लड़े। गाँववालों के साथ होने पर डीलर अब सावित्री देवी को कुछ नहीं कहता है।

§4§ संपन्न वर्ग के लोगों के द्वारा सहयोगिनियों तथा महिला समूह की महिलाओं को अपशब्द कहना। महिला समूह के मजबूत हो जाने पर तथा कार्य प्रगति को देखकर संपन्न वर्ग की महिलायें भी धीरे-धीरे इससे जुड़ने लगी है।

§5§ बचत कोष योजना के तहत बैंक में खाता खुलवाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

मार्च,94 से मार्च,95 तक की वार्षिक कार्ययोजना

§1§ आच्छादित गाँव की संख्या- 160§ग्राम विस्तार§

§2§ सखियों की संख्या- 320§प्रशिक्षित§

§3§ सहेली की संख्या- 100

§4§ जगजगी केन्द्र की संख्या- 100

§5§ महिला कुटीर की संख्या- 16

§6§ पत्रिका का प्रकाशन-प्रत्येक तीन महीने पर-

§7§ प्रशिक्षक टीम तैयार करना

§8§ सहयोगिनियों को बिहार के अंतर्गत अन्य बिहार शिक्षा परियोजना जिलों में कार्य अनुभव के लिए क्षेत्र भ्रमण।

§9§ दिवाल लेटन एवं नुक्कड़ नाटक तैयार करना

§10§ फिल्ड सेन्टर तैयार करना

§11§ कार्यशालायें---समय-समय पर दो दिवसीय या तीन दिवसीय कार्यशाला लगाना।

§12§ प्रोग्राम/प्रदर्शनी

1. महिला मिलन- 2
2. महिला दिवस*- 3§ग्राम-प्रखण्ड-जिला§
3. बालिका मिलन-
4. माँ बेटी मिलन-
5. साक्षरता दिवस-
6. जगजगी दिवस-
7. सखी मिलन-

§13§ पदयात्रा-किसी खास विषय पर जिला से पदयात्रा निकालना।

.....4

§14§ स्वयंसेवी संगठन§नेहरू युवा केन्द्र§ के द्वारा यूनिसेफ की परियोजना,यापाकल रख-रखाव,सामुदायिक परियोजना के तहत महिला समाख्या समूह की महिलाओं को प्रशिक्षण दिलवाना।

§15§ समूह की महिलाओं के माँग के अनुसार व्यवसायिक प्रशिक्षण देने का प्रस्ताव है।

मूल्यांकन

अब तक के निर्धारित सभी लक्ष्य को पूरा किया जा चुका है तथा कुछ लक्ष्य से अधिक ही उपलब्धि हुई है,जैसे-महिला समूह द्वारा स्कूल का निर्माण। सहयोगिनियों के दसों गाँव काफी दूर-दूर है।

अतः काम को सुचारू रूप से करने के लिए उन्हें जल्द साईकिल मिल जाती तो उन्हें अपने कार्य क्षेत्र में जाने में सुविधा होगी और कार्य भी अच्छे ढंग से होगा। यदि महिला समाख्या विभाग को प्रत्येक दिन गाड़ी उपलब्ध रहे तो हमें अपना कार्य करने में काफी सुविधा होगी। क्योंकि कई बार कई गाँवों से बुलाया आने पर भी गाड़ी नहीं उपलब्ध होने पर क्षेत्र में नहीं जा पाती हूँ।

महिला समाख्या,
बिहार शिक्षा परियोजना,
मुजफ्फरपुर

बिहार शिक्षा परियोजना,

महिला-समाख्या, मुजफ्फरपुर ।

==========x==========

क्रमांक	कार्यक्रम	लक्ष्य वर्ष-93-94	उपलब्धि वर्ष-93-94	व्यय	पृष्ठांक	अभ्युक्ति
01.	सहयोगिनी	16	16			16 सहयोगिनियों का चयन किया गया। उनका प्रशिक्षण दो चरणों [दस दिवसीय जमशेदपुर में तथा 7 दिवसीय मुरौल मुजफ्फरपुर "डायट"] में पूरा हो चुका है।
02.	गाँव की संख्या-	160.	86		3 में	प्रथम चरण में सिर्फ 80 गाँव को हीआच्छादित किया गया था।
03.	समूह गठन-	80	86			80 गाँवो में समूह गठन करना था। लेकिन अब तक 86 गाँव में समूह गठन हो चुका है
04.	सखी-	160	172			80 गाँवों में [प्रति समूह दो सखी] 160 सखी का चयन करना था। जिसमें 172, सखियों को चिन्हित किया गया है।
05.	सखी प्रशिक्षण-	80	87			80 सखियों का प्रशिक्षण करना था। अभी 87 सखी को प्रशिक्षित किया जा चुका है।
06.	सहेली-	30	32			32 सहेली को चिन्हित किया गया है।
07.	सहेली प्रशिक्षण-	30	27			27 सहेली प्रशिक्षण ले चुकी है एवं 3 सहेली अस्वस्थ होने के कारण घर वापस चली गई
08.	जगजगी केन्द्र-	30				जगजगी के लिए वातावरण तैयार हो चुका है। 31 मार्च तक 30 केन्द्र खोल लिया जायगा।
09.	ग्राम शिक्षा समिति का गठन					औपचारिक विभाग के सहयोग से ग्राम शिक्षा समिति का गठन हो रहा है। इसमें उस गाँव की सखी एवं सहयोगिनी उसके सदस्य हैं।
10.	सहयोगिनियाँ 3		8			अब तक कल आरक्षित ... [illegible]

क्रमांक	कार्यक्रम	लक्ष्य वर्ष-93-94	उपलब्धि वर्ष-93-94	व्यय	अभ्युक्ति
					जिसमें निम्नलिखित विषयों पर जानकारी दी गई:- 1. कानून संबंधी . 2. सार्वजनिक वितरण प्रणाली 3. स्वास्थ्य संबंधी . 4. पंचायती राज . 5. समेकित विकास योजना .
11.	संचालन समिति का गठन करना-				संचालन समिति का गठन हो चुका है, तथा अब तक दो बार बैठक हो चुकी है ।
12.	इकाई स्तरीय बैठक-		8		एक इकाई में 5-6 गाँव है इनके साथ 8 इकाई स्तरीय बैठकें सम्पन्न हो चुकी है ।

विशेष उपलब्धियाँ:-

1. महिला-दिवस :- 8 मार्च 94 को महिला-दिवस के अवसर पर रैली, आम सभा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम किए गये ।

2. बचत योजना :- अब तक कुल 34 गाँवों के समूहों में बचत कोष योजना शुरू हो चुकी है । इसमें कुल महिलाओं की संख्या- 542 है । कुल बचत राशि- 5802 रु0 है । 25 ~~10~~ समूहों के बैंक में खाते खुले हैं, बाकी के लिए प्रयास जारी है।

3. नामांकन :- अब तक महिला-समाख्या की सखी एवं सहयोगिनियों के प्रयास से मार्च-94 तक 1639 बच्चों का नामांकन हुआ है, जिसमें बालिकाओं की संख्या- 795 है एवं बालकों की संख्या- 844 है तथा 60 रोजगारग्रस्त बच्चों को अभिप्रेरित कर वर्ष 93 में परीक्षा दिलवायी गयी है ।

4. टीकाकरण :- कुल 247 बच्चों का टीकाकरण हो चुका है । अभी यह काम चल ही रहा है । अब महिलाएँ स्वास्थ्य केन्द्र पर जाकर टीका लगवाने लगी है । गर्भवती महिलायें भी स्वास्थ्य केन्द्र पर जाकर टीका लेती है ।

5. ग्राम शिक्षा समिति:- ग्राम शिक्षा समिति का गठन औपचारिक विभाग के सहयोग से किया जा रहा है ।

6. पेयजल :- फतेहपुर स्कूल, बाकरपुर गाँव तथा डुमरी में महिला समूह के प्रयास से चापाकल लगवाया गया है ।

7. राशन संबंधी:- अब तक कुल 16 गाँवों में सही दामों पर समूह की महिलाएँ राशन का सामान ले रही है । बाकी गाँवों में प्रयास जारी है ।

8. जिला रिसोर्स सेन्टर:- जिला रिसोर्स सेन्टर ले लिया जा चुका है ।

9. संचालन समिति का गठन:- संचालन समिति का गठन भी किया जा चुका है ।

अन्य उपलब्धियाँ :-

उद्घाटन 15 फरवरी को किया गया है । इसमें एक से लेकर पाँचवें वर्ग तक की पढ़ाई होती है । इसमें पढ़ने वाले बच्चों की कुल संख्या 234 है ।

ख. बाकरपुर गाँव में दो परिवार के बीच हुए हिंसक झगड़े का निबटारा वहीं की महिला समूह द्वारा किया गया ।

ग. बाकरपुर गाँव में समूह के प्रयास से इन्दिरा आवास बनाये गये घर पर छप्पर चढ़वाया गया ।

4. वहीं पर महिला समूह द्वारा एक आदर्श विवाह सम्पन्न हुआ ।

कठिनाइयाँ :-

(1) कार्यक्रम शुरू करने के बाद पहली कठिनाई यह आई कि गाँव वालों को किसी योजना पर विश्वास नहीं था । लेकिन कार्यक्रम के तहत बार-बार जाने तथा उनसे संपर्क बनाने के बाद उनका सहयोग मिलने लगा ।

(2) स्कूल निरीक्षण के दौरान सहयोगिनी/सखी को स्कूल मास्टर से अनेकों निराशाजनक बातें सुनने को मिली, लेकिन इनमें व्यवहार तथा उत्साह को देखकर उन्होंने भी साथ देना शुरू किया । इनके प्रयास से ही शिक्षकों की उपस्थिति नियमित हुई तथा बच्चों का भोजन रुका है एवं नामांकन बढ़ा है ।

(3) राशन से संबंधित उचित बात बताने पर बाकरपुर गाँव में सहयोगिनी श्रीमती सावित्री देवी को डीलर के द्वारा मारने की धमकी दी गई । लेकिन महिला समूह तथा गाँव-वाले उसके लिए डीलर से लड़े । गाँववालों के साथ होने पर डीलर अब सावित्री देवी को कुछ नहीं कहता है ।

(4) सम्पन्न वर्ग के लोगों के द्वारा सहयोगिनियाँ तथा महिला समूह की महिलाओं को अपशब्द कहना ।

महिला समूह के मजबूत हो जाने पर तथा कार्य प्रगति को देखकर वे सम्पन्न वर्ग की महिलाएँ भी धीरे-धीरे इससे जुड़ने लगी है ।

(5) बचत कोष योजना के तहत बैंक में खाता खुलवाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है ।

मार्च 94 से मार्च 95 तक की वार्षिक कार्ययोजना :-

(1) आच्छादित गाँव की संख्या- - 160 (ग्राम विस्तार

(2) सखियों की संख्या- - 320 (प्रतिनिधि

(3) सहेली की संख्या- - 100 ,

(4) पालना केन्द्र की संख्या- - 100 ,

(5) महिला कुटीर की संख्या- - 16 ,

(6) पत्रिका का प्रकाशन-प्रत्येक तीन महीने पर -

(7) प्रशिक्षक टीम तैयार करना-

(8) सहयोगिनियों को बिहार के अन्तर्गत अन्य बिहार शिक्षा परियोजना जिलों में कार्य अनुभव के लिए भेज जाना

§9§ दिवाल लेखन एवं नुक्कड़ नाटक तैयार करना ,

§10§ फिल्ड कैलेन्डर तैयार करना ,

§11§ कार्यशालायें—— समय-समय पर दो दिवसीय या तीन दिवसीय कार्यशाला लगाना ,

§12§ प्रोग्राम/प्रदर्शनी :-

1. महिला मिलन- 2 ,
2. महिला दिवस- 3 §ग्राम-प्रखंड- जिला § ,
3. बालिका मिलन-
4. माँ-बेटी मिलन-
5. साक्षरता दिवस-
6. जगजगी दिवस-
7. सखी मिलन -

§13§ चर्चा - किसी ~~खास~~ खास विषय पर जिला से चर्चा निकालना ,

§14§ स्वयं सेवी संगठन § नेहरू युवा केन्द्र § के द्वारा यूनिसेफ की परियोजना , चापाकल रख-रखाव , सामुदायिक परियोजना के तहत महिला समाख्या समूह की महिलाओं को प्रशिक्षण दिलवाना ।

§15§ समूह की महिलाओं के माँग के अनुसार व्यावसायिक प्रशिक्षण देने का प्रस्ताव है ।

मूल्यांकन :-

अब तक के निर्धारित सभी लक्ष्य को पूरा किया जा चुका है तथा कुछ लक्ष्य से से अधिक ही उपलब्धि हुई है , जैसे-महिला समूह द्वारा स्कूल का निर्माण । सहयोगिनियों के क्षेत्र गाँव काफी दूर-दूर है ।

अतः काम को सुचारू रूप से करने के लिए उन्हें अगर साईकिल मिल जाती तो उन्हें अपने कार्य क्षेत्र में जाने में सुविधा होगी और कार्य भी अच्छे ढंग से होगा ।

यदि महिला समाख्या विभाग को प्रत्येक दिन गाड़ी उपलब्ध रहे तो हमें अपना कार्य करने में काफी सुविधा होगी । क्योंकि कई बार कई गाँवों से बुलावा आने पर भी गाड़ी नहीं उपलब्ध होने पर क्षेत्र में नहीं जा पाती हूँ ।

महिला-समाख्या ,
बिहार शिक्षा परियोजना ,
मुजफ्फरपुर ।

संस्कृति एवं संचार

किसी भी कार्यक्रम के सुचारु संचालन के लिये उपयुक्त वातावरण का होना अनिवार्य है। बिना उपयुक्त वातावरण के कार्य का प्रारंभ वांछित फल नहीं देता। उक्त तथ्यों को ध्यान में रखकर बिहार शिक्षा परियोजना के अंतर्गत एक सम्पूर्ण प्रभाग गठित किया गया जिसे संस्कृति संचार के नाम से जाना जाता है। बिहार शिक्षा परियोजना के कार्यक्रमों उद्देश्यों को लागू करने के लिए अनुकूल माहौल का निर्माण इस प्रभाग का मुख्य कार्य है। माहौल निर्माण के लिए इस प्रभाग के द्वारा गोष्ठियों, सम्मेलनों, नुक्कड़ नाटकों, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पोस्टर प्रतियोगिताओं, खेल-कूद प्रतियोगिता, बालमेला आदि का आयोजन किया जाता है। इन कार्यक्रमों के आयोजन के पीछे कई उद्देश्य होते है जिनमें मुख्य हैं :--

समुदाय

-- समुदाय को शिक्षा की ओर प्रेरित करना।
-- समुदाय को स्कूली क्रिया कलापों में शामिल करना-यथा स्कूल परिसर हरा-भरा कैसे रहे।
-- समुदाय के बच्चों की प्रति जिम्मेवारी का बोध कराना यथा-सफाई, पोषण, स्वास्थ्य शिक्षा आदि में उनकी भूमिका।
-- समुदाय में कला एवं संस्कृति के प्रति रुझान पैदा करना ।

बच्चों को

-- स्कूल में जाने के लिए प्रेरित करना।
-- स्कूलों में बने रह कर प्राथमिक शिक्षा को पूरा करना।
-- स्कूल आधारित कार्यक्रम में बच्चों की भूमिका से उन्हें परिचित कराना यथा-खेल-कूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पोस्टर प्रतियोगिता, नाटक आदि के मंचन में बच्चों की भूमिका।
-- स्कूल परिसर के रख-रखाव में बच्चों की भूमिका समुदाय से सहभागिता कैसे स्थापित करें।

शिक्षकों को

-- शिक्षकों को समुदाय से सहयोग लेने में।
-- शिक्षकों को बच्चों के प्रति अपनी जिम्मेवारी निभाने में।
-- शिक्षकों को स्कूल परिसर को व्यवस्थित रखने में।

इन कार्यक्रमों को इस प्रकार आयोजित किया जाता है कि उक्त

वर्त्तमान स्थिति

मुजफ्फरपुर जिला संस्कृति एवं कला के दृष्टि से अत्यंत समृद्ध रहा है। जिस प्रकार यह क्षेत्र जनतंत्र की जननी के रूप में विख्यात है उसी प्रकार अपनी भाषा एवं संस्कृति में भी इसकी राज्य में अलग पहचान बनी रही है। जाने-माने साहित्यकार रामवृक्ष बेनीपुरी, आचार्य जानकी बल्लभ शास्त्री आदि ने इसे भाषा के क्षेत्र में अनूठा स्थान दिलाया है।

कला के क्षेत्र में भी इसकी पहचान विशिष्ट रही है जिसकी जानकारी लोक भाषा बज्जिका में रचित हजारों गीत हैं जो समुदाय के लोगों द्वारा गाये जाते हैं। प्रायः सभी गाँवों में सांस्कृतिक टोलियाँ है, जो अपनी कला का प्रदर्शन ग्रामीणों के बीच करती रहती है, मुजफ्फरपुर की सुदृढ़ संस्कृति की पहचान साक्षरता अभियान के समय मिली जब कई टोलियाँ स्वतः वातावरण निर्माण के कार्य के लिए स्थानीय लोगों द्वारा रचित सैकड़ों गीतों को लेकर शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए निकल पड़ी।

जिले में इस समय करीब 70 सांस्कृतिक टोलियाँ है जो विभिन्न प्रखंडों में कार्यरत हैं। इन टोलियों में करीब 20 टोलियाँ शहर में हैं। इनकी सूची कार्ययोजना के साथ विशिष्ट के रूप में संलग्न है। सांस्कृतिक टोलियों के साथ सबद्ध कलाकारों के अतिरिक्त अनेकों ऐसे स्वतंत्र कलाकार हैं जो किसी भी सांस्कृतिक टोली से संबद्ध नहीं है बिहार शिक्षा परियोजना इन कलाकारों का पहचान समुदाय से कराने को प्रयासरत है।

पूर्वानुभव

परियोजना प्रारंभ से पिछले एक वर्ष में संस्कृति संचार प्रभाग द्वारा स्कूल आधारित कार्यक्रमों में बालमेला पोस्टर प्रतियोगिता, खेल-कूद प्रतियोगिता, संस्कृति कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया है। इन कार्यक्रमों के अतिरिक्त विडियोरथ पर शिक्षा आधारित फिल्मों का भी प्रदर्शन किया जाता रहा है।

संस्कृति कार्यक्रमों के आयोजन के क्रम में सबसे बड़ी बाधा कलाकारों का शिक्षा संबंधी कार्यक्रमों से अनभिज्ञ होना है। यद्यपि वे कला का प्रदर्शन करते रहते हैं किन्तु शिक्षा जैसे विषयों को किस तरह समुदाय के समक्ष रखा जाय यह उनके अनुभव में नहीं है। इसके लिए कई प्रकार के प्रशिक्षण एवं कार्यशालाओं के आयोजन की आवश्यकता होगी।

बिहार शिक्षा परियोजना, मुजफ्फरपुर

प्रगति प्रतिवेदन

संस्कृति एवं संचार प्रभाग

क्रम	कार्यक्रम	1992-93		1993-94		अभ्युक्ति
		लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि	
1	बाल मेला	03	01	35	32	
2	साइकिल रैली	—	39	—	—	
3	गोष्ठी	14	14	14	14	
4	प्रदर्शनी	—	—	14	02	
5	वृक्षारोपण	—	—	40	08	
6	सांस्कृतिक कार्यक्रम	100	93	60	27	
7	नुक्कड़ नाटक	14	08	05	05	
8	पोस्टर प्रतियोगिता	14	14	02	02	
9	निबंध प्रतियोगिता	14	15	—	—	
	रैली	29	29	02	02	
	विडियो रामा शो	—	16	—	—	
	विडियो मैन शो	—	—	60	31	

प्रभारी पदाधिकारी,
संस्कृति/संचार

BIHAR EDUCA... PROJECT, MUZAFFARPUR.

HEAD-WISE DETAILS OF EXPENDITURE FOR THE YEARS 1992-93 & 1993-9

Fig. in Lacs

Sl.No.	Heads of Expenditure	1992-93		1993-94	
		Budget	Expenditure	Budget	Expenditure
1	Project Management	-	4-01	72.78	6.87
2	Primary For.Education	-	50.83	522.38	200.16
3	Training	-	-	33.01	14.09
4	Pri.Non For.Edn.	-	0.02	108.76	4.67
5	Mahila Samakhya	-	0.09	19.03	1.59
6	E.C.E.	-	0.14	11.05	-
7	Culture Communication & Continuing Education	-	0.15	22.20	1.20
8	Support to N.G.O. & Individual	-	0.04	3.00	-
9	Non Recurring Exp. for Programme Activities	-	-	27.50	-
	Total allocation:-	65.00	55.33	769.71	228.58

Accounts Officer,
B.E.P., Muzaffarpur.

BIHAR EDUCATION PROJECT, MUZAFFARPUR.

		Number of Posts. Sanctiond.		Actual.	Wanting.
		S.L.O.	D.L.O.		
GRADE-I.					
1.	Chief Accounts Officer	1	–		
2.	Project Officer	6	–		
3.	Administrative Officer	1	1	–	1
4.	Programme Officer/ Architect/Engineer	6	6	–	6
5.	Chargered Accountant	–	1	–	1
GRADE-II					
1.	Finance Officer/Accounts Officer	1	1	1	–
2.	Officer on Special Duty/ Component I/C	6	6	5	1
3.	Resource Person(State/Dist)	6	6	1	5
4.	Asst.Engineer	1	1	–	1
5.	Programmer	1	–	–	–
6.	Asst.Resource Person	6	6	5	1
7.	Asst. Programmer	–	1	–	1
8.	Accountant	1	1	1	–
9.	Research/Programme Assistant	1	1	–	1
10.	Sr. Stenographer	3	2	–	2
11.	Librarian	1	1	–	1
GRADE-III.					
1.	Accounts Assistant	3	3	2	1
2.	Office Assistant/Store Keeper	2	2	3	–
3.	Purchase Assistant	1	1	–	1
4.	Stenographer	3	3	1	2
5.	Typist	3	2	1	1
6.	Assistant Librarian	–	1	–	1
7.	Technician	2	2	–	2
GRADE-IV.					
1.	Driver	5	5	2	3
2.	Peons	6	6	5	1

NIEPA DC
D09069

....

[illegible] & DOCUMENTATION [illegible]
[illegible] National Institute of Educational
Planning and Administration.
17-B, Sri Aurobindo Marg,
New Delhi-110016
DOC. No. D-9069